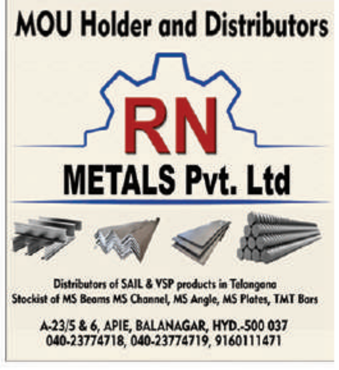

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 09 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-09

रफ़्तार का कहर

4 छात्रों की मौत, 1 गंभीर

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रंगारेड्डी ज़िले के मोकिला थाना क्षेत्र के चेवेला इलाके में मिर्ज़ागुडा गेट के पास बुधवार-गुरुवार दरमियान रात को एक स्पोर्ट्स कार तेज़ रफ़्तार से बेकाब ू हो गई। गाड़ी सबसे पहले रोड डिवाइडर से टकराई, फिर सीधे पेड़ से जा भिड़ी। ज़ोरदार ठोकर में चार छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। सभी पांचों सवारियों की उम्र 20-22 साल के आसपास थी और अधिकतर आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी (IBS) या MGIT के छात्र हैं।

पुलिस ने मृतकों की पहचान की है जिनमें- सूर्य तेजा, सुमित, निखिल और रोहित शामिल हैं।

घायल नक्षत्रा भी IBS की BBA थर्ड-ईयर की छात्रा है, जिसे तुरंत हैदराबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। शवों को चेवेला सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया है। मोकिला पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और ओवर-स्पीड को प्राथमिक वजह मानते हुए जांच जारी है। गौरतलब है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आँकड़ों के अनुसार, 2023 में हैदराबाद का सड़क दुर्घटना प्रोफाइल अन्य प्रमुख भारतीय महानगरों की तुलना में मौतों के मामले में नीचे रहा। हालांकि, तेलंगाना के राज्य-स्तरीय आँकड़े बताते हैं कि सड़क सुरक्षा जोखिम अभी भी उच्च स्तर पर बने हुए हैं, विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों पर। बुधवार को हुई दुर्घटना में चार छात्रों की मौत ने सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इस रिपोर्ट का मानना है कि देश भर में हुई ज्यादातर सड़क दुर्घटना मौतों की मुख्य वजह तेज रफ्तार ही है। जब तक इस रफ्तार को कंट्रोल नहीं किया जाएगा, खासकर युवा इसके शिकार होते रहेंगे।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में, दिल्ली में 2023 में सबसे अधिक 1,457 सड़क दुर्घटना मौतें दर्ज की गईं, इसके बाद बेंगलुरु (915) और जयपुर (849) का स्थान रहा। हैदराबाद मौतों के मामले में शीर्ष 10 शहरों में शामिल नहीं था, जो बढ़ते ट्रैफिक और शहरी विस्तार के बावजूद अन्य बड़े केंद्रों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है।

राज्य स्तर पर, तेलंगाना उन 10 राज्यों में बना हुआ है जो मिलकर देश भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटना मौतों का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा साझा करते हैं। राज्य में 2023 में 7,660 मौतें दर्ज की गईं, जो 2022 की 7,559 मौतों से थोड़ा अधिक है। यह भारत की कुल सड़क दुर्घटना मौतों में लगभग 4.4 प्रतिशत का योगदान देता है। तेलंगाना की दुर्घटना गंभीरता दर प्रति 100 दुर्घटनाओं में 33.4 मौतें रही, जो उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों से कम है, लेकिन तमिलनाडु और मध्य प्रदेश से अधिक है।

▶10 पर

दीदीगिरी

ईडी जाँच में बाधा डाली, गिरफ्तारी संभव

कोलकाता, 08 जनवरी (एजेंसियां) ।
पश्चिम बंगाल की राजनीति में उस समय बड़ा भूचाल आ गया, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जांच में बाधा डालने का गंभीर आरोप लगाते हुए सीधे कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया। ईडी का कहना है कि कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के दौरान मुख्यमंत्री की मौजूदगी और हस्तक्षेप से कानूनी प्रक्रिया प्रभावित हुई। माना जा रहा है कि हाईकोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद ममता बनर्जी को गिरफ्तार भी किया जा सकता है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि ममता को गिरफ्तार कर केंद्र विपक्ष में बड़ी फूट डाल सकता है। क्योंकि कांग्रेस खुलकर ममता का समर्थन नहीं करेगी और वामपंथी भी ममता की गिरफ्तारी पर खुश होंगे।

ईडी के अनुसार, कोयला तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच के तहत जब एजेंसी की टीम चुनावी सलाहकार संस्था आई-पीएसी के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास और कार्यालय पर छापेमारी कर रही थी, उसी दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी वहां पहुंचीं। एजेंसी का दावा है कि संवैधानिक पद पर रहते हुए मुख्यमंत्री मौके से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और

कई महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने साथ ले गईं, जो जांच प्रक्रिया का उल्लंघन है।

ईडी ने हाई कोर्ट में दी याचिका

इस घटना के बाद ईडी ने तुरंत कलकत्ता हाई कोर्ट में याचिका दायर की। एजेंसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जानबूझकर उन व्यक्तियों का बचाव कर रही हैं, जो कोयला तस्करी और काले धन को सफेद करने जैसे गंभीर अपराधों में शामिल हैं।

ईडी ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं, बल्कि अनूप माझी के नेतृत्व वाले कोयला तस्करी सिंडिकेट की नियमित जांच का हिस्सा थी। अब सभी की निगाहें अदालत पर टिकी हैं, क्योंकि इस मामले की सुनवाई संभावित रूप से अगले दिन हो सकती है।

ममता बनर्जी का पलटवार: राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ईडी की कार्रवाई को पूरी तरह राजनीतिक प्रतिशोध करार देते हुए इसे बीजेपी की सोची-समझी साजिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि तलाशी के नाम पर उनकी पार्टी की चुनावी रणनीति, लैपटॉप, आईफोन और एसआईआर समेत गोपनीय दस्तावेज जब्त किए गए। ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देते हुए भाजपा को लोकतंत्र का हत्यारा बताया और सवाल उठाया कि क्या चुनावी डेटा और ▶10 पर

फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के मामले में देश भर में छापे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गुरुवार को देश भर में तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान एक संगठित गिरोह को निशाना बनाते हुए चलाया गया, जिसने फर्जी नौकरी का झांसा देकर लोगों को ठगा है।

एक ईडी अधिकारी ने कहा, यह घोटाला शुरू में भारतीय रेलवे के नाम पर सामने आया था, लेकिन जांच में पता चला है कि इसमें वन विभाग, आरआरबी, भारतीय डाक, आयकर, उच्च न्यायालय, पीडब्ल्यूडी, बिहार सरकार, डीडीए और राजस्थान सचिवालय सहित 40 से ज़्यादा अन्य सरकारी संगठनों और विभागों के नाम पर धोखाधड़ी की गयी है।

शहरों में 34% बीसी कोटा

ग्राम पंचायत चुनाव में 20% ही था

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
आगामी नगर निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) को आरक्षण का दायरा 20 फ़ीसदी से बढ़कर लगभग 34 फ़ीसदी तक जा सकता है। ग्राम पंचायत चुनावों में यह कोटा करीब 20 फ़ीसदी था, पर शहरी इलाकों में अनुसूचित जाति-जनजाति की आबादी ग्रामीण क्षेत्रों से कम होने के कारण एससी-एसटी के लिए तय आरक्षण पूरा होते ही बची सीटें बीसी को मिल जाती हैं। नियमों के मुताबिक पहले एससी-एसटी का कोटा जनसंख्या के आधार पर तय होता है, फिर बीसी का कोटा निर्धारित किया जाता है। ग्राम पंचायत चुनाव में इउ के उम्मीदवारों ने सामान्य सीटें भी जीतकर कुल सरपंच पदों का लगभग 50 फ़ीसदी हिस्सा झटक लिया था।

अंतिम वोटर लिस्ट 10 जनवरी को जारी

सरकार चाहती है कि इंटरमीडिएट परीक्षा (25 फरवरी) से पहले चुनाव संपन्न करा लिए जाएं, क्योंकि मार्च में एसएससी परीक्षा और उसके बाद बजट सत्र शुरू होना है। सूत्रों के मुताबिक चुनाव एक-दो चरणों में होंगे। नगर प्रशासन विभाग ने चुनाव कराने के लिए 85 करोड़ जारी करने की मांग सरकार से कर दी है। 117 नगरपालिकाओं और छह नगर निगमों के लिए अंतिम मतदाता सूची 10 जनवरी को प्रकाशित होगी; करीब 3,000 नगर पालिका डिवीजनों में चुनाव होना है।

बीसी संगठन 42% कोटे की मांग पर अड़े

विभिन्न बीसी कल्याण संघों के नेताओं ने कांग्रेस सरकार से नगर निकाय चुनाव में बीसी को 42 फ़ीसदी कोटा देने की स्पष्ट घोषणा की मांग की है। बीसी कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आर कृष्णैया ने पूछा, पंचायत चुनाव गैर-राजनीतिक आधार पर लड़े गए, पर निकाय चुनाव पार्टी प्रतीकों पर होंगे। क्या सरकार कानूनी तौर पर 42 % कोटा लागू करेगी? क्या सत्तारूढ़ कांग्रेस सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को राष्ट्रपति के पास ले जाएगी? सभी राजनीतिक दल बीसी को 42 फ़ीसदी टिकट देने की तैयारी में हैं, पर अभी तक कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है जैसा कि पंचायत चुनावों में किया गया था।

ट्रंप टैरिफ धमकी से बाजार में हाहाकार

निवेशकों के डूबे 7 लाख करोड़ रुपये, सेंसेक्स-निफ्टी धराशायी

नई दिल्ली, 08 जनवरी (एजेंसियां) ।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक ऐसे बिल को मंजूरी दिए जाने की खबर से वैश्विक और भारतीय शेयर बाजारों में

भारी उथल-पुथल मच गई है, जिसके तहत अमेरिका भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 500 फीसदी तक टैरिफ लगा सकता है। हालांकि इस बिल को अभी अमेरिकी संसद की औपचारिक मंजूरी नहीं मिली है, लेकिन बाजार को आशंका है कि इसे संसद का समर्थन मिल सकता है। इसी डर का असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ तौर पर देखने को मिल रहा है।

इस संभावित टैरिफ के खतरे के चलते भारतीय शेयर बाजार पूरी तरह दबाव में आ गया है। सेंसेक्स में 700 अंकों से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी 250 अंकों से ज्यादा टूट गया। जानकारों के अनुसार, यदि यह अनिश्चितता बनी रही तो आने वाले दिनों में बाजार में और गिरावट देखने को मिल सकती है। ट्रंप की 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के असर से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स कारोबारी सत्र के दौरान 753.69 अंक गिरकर 84,207.45 पर आ गया। गुरुवार को सेंसेक्स 84,778.02 पर खुला था, जबकि एक दिन पहले यह 84,961.14 पर बंद हुआ था। लगातार चार कारोबारी दिनों की गिरावट में सेंसेक्स अब तक 1,551 अंकों से अधिक टूट चुका है।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक निफ्टी भी भारी दबाव में रहा। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी 256.60 अंक गिरकर ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

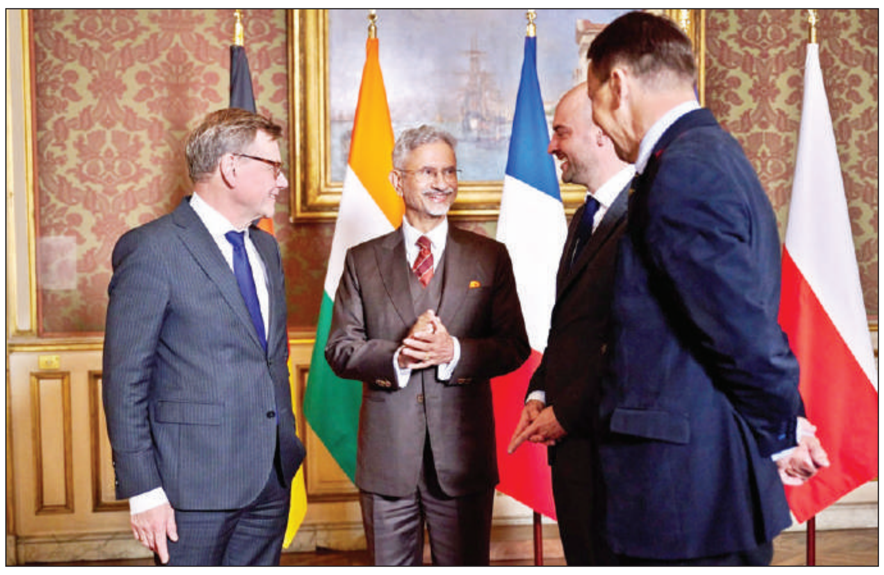

जयशंकर ने पेरिस में जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड से इंडो-पैसिफिक की चुनौतियों पर चर्चा की, भारत का विचार भी रखा

पेरिस (फ्रांस),08 जनवरी (एजेंसियां)।
फ्रांस के दौरे पर पहुंचे भारत के विदेशमंत्री डा. एस जयशंकर ने पहली बार अपने वाइमर (जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड) के समकक्षों के साथ वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। डा. जयशंकर ने इस दौरान अपने समकक्षों से भारत-यूरोपियन यूनियन संबंधों को मजबूत करने के अलावा इंडो-पैसिफिक (हिंद-प्रशांत) की चुनौतियों पर चर्चा की।

डा. जयशंकर ने एक्स पोस्ट पर फोटो के साथ यह जानकारी दी। उन्होंने कहा इस दौरान यूक्रेन संघर्ष पर विचारों को साझा किया गया। भारत ने खुली और स्पष्ट चर्चा में इन मुद्दों पर अपने विचार रखे। बैठक के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन दुनिया को वाइमर और भारत के रुख से अवगत कराया गया।

भारतीय विदेशमंत्री डा. जयशंकर ने इससे पहले फ्रांस के विदेशमंत्री जीन नोएल बैरट से मिलने के बाद कहा कि यूरोप वैश्विक स्तर पर अहम खिलाड़ी है और जरूरी है कि भारत और यूरोप के रिश्ते मजबूत हों। भारत और फ्रांस वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में स्थिरता ला सकते हैं। जयशंकर ने बताया कि भारत अगले कुछ हफ्तों में, जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मेर्ज, फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं की मेजबानी करेगा।

उल्लेखनीय है कि इंडो-पैसिफिक उभरता हुआ भू-राजनीतिक और आर्थिक केंद्र है। इसमें हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के आसपास के देश और जलक्षेत्र शामिल हैं। यह पूर्वी अफ्रीका तट से पश्चिमी प्रशांत महासागर तक फैला है और विश्व की अधिकांश आबादी और अर्थव्यवस्था का केंद्र है। इसमें भारत, चीन, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देश महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह क्षेत्र व्यापार, सुरक्षा और समुद्री मार्गों के लिए महत्वपूर्ण है।

यह वैश्विक शक्ति संतुलन और समुद्री सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत इसे मुक्त, खुला और समावेशी क्षेत्र मानता है। आईपीओआई (इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव) भारतीय पहल है। इसका लक्ष्य समुद्री सुरक्षा और सहयोग को मजबूत करना है। अमेरिका की भी इस पर दिलचस्पी है। उसने आईपीईएफ (इंडो-पैसिफिक इकोनामिक फ्रेमवर्क) की पहल की है। एक तरह से यह आर्थिक सहयोग ढांचा है। इसमें 14 देश शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान सरकार इमरान खान की पार्टी से बातचीत को तैयार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सरकार और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के बीच बातचीत के लिए मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री ने स्पीकर सरदार अयाज सादिक को बातचीत का नेतृत्व करने के लिए अधिकृत किया है। सरकारी प्रतिनिधिमंडल भी इसमें शामिल होगा। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत सिर्फ चुने हुए प्रतिनिधियों के साथ होगी। स्पीकर कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि अभी तक किसी भी पीटीआई नेता ने वार्ता के लिए औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया है। अगर विपक्ष संपर्क करता है तो स्पीकर अयाज सादिक तुरंत बैठक बुलाएंगे। यह बातचीत स्पीकर के चैंबर में होगी। उल्लेखनीय है कि पीटीआई की स्पीकर के साथ आखिरी बैठक महमूद अचकजई को विपक्ष का नेता नियुक्त करने के लिए हुई थी। इस बीच, प्रधानमंत्री के राजनीतिक मामलों के सलाहकार और सीनेटर राणा सनाउल्लाह खान ने कहा है कि सरकार विपक्ष के साथ राजनीतिक बातचीत और लोकतंत्र को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सनाउल्लाह ने कहा कि अब यह पीटीआई पर निर्भर करता है कि वह बातचीत करना चाहती है या नहीं।

बांग्लादेशः चुनाव से पहले खूनी संघर्ष, ढाका में विपक्षी दल के पूर्व नेता की गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश में आगामी आम चुनाव से पहले राजनीतिक हिंसा का दौर थमता नजर नहीं आ रहा है।

राजधानी ढाका के करवान बाजार इलाके में मंगलवार रात अज्ञात हमलावरों ने स्वेच्छासेबक दल के पूर्व नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की गोली मारकर हत्या कर दी। देश में 12 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले लागू आदर्श आचार संहिता के बीच हुई इस सनसनीखेज वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुसब्बिर, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्वयंसेवी इकाई ढाका मेट्रोपालिटन नार्थ स्वेच्छासेबक दल के महासचिव रह चुके थे। पुलिस के अनुसार, यह हमला रात करीब 8:30 बजे बशुंधरा सिटी शापिंग काम्प्लेक्स के पास स्थित एक होटल के समीप हुआ। भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक क्षेत्र का लाभ उठाकर हमलावरों ने मुसब्बिर पर बेहद करीब से गोलियां चलाईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग की, जिससे इलाके में भगदड़ मच गई। इस गोलीबारी में मुसब्बिर के पेट में गोली लगी, जबकि उनके साथ मौजूद एक अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हो गया। मुसब्बिर को तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल व्यक्ति की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उनका इलाज ढाका मेडिकल कालेज अस्पताल में चल रहा है। वारदात की खबर फैलते ही करवान बाजार और आसपास के इलाकों में भारी तनाव व्याप्त हो गया। आक्रोशित समर्थकों और स्थानीय लोगों ने देर रात सार्क फाउंटेन चौराहे पर सड़क जाम कर दी, जिससे राजधानी की यातायात व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के साथ-साथ सेना के जवानों को मोर्चा संभालना पड़ा।

कंगाल पाकिस्तान ने अपनी साख बचाने के लिए अमेरिका के तलवे चाटने में खर्च कर दिए अरबों

इस्लामाबाद। एक तरफ पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, विदेशी मुद्रा भंडार खत्म होने की कगार पर है और

आम जनता आटा-दाल जैसी बुनियादी चीजों के लिए तरस रही है, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी हुक्मरान अपनी अंतरराष्ट्रीय छवि चमकाने के लिए करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रहे हैं। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा किए गए हालिया खुलासे ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और सैन्य नेतृत्व की पोल खोल दी है। दस्तावेजों से पता चला है कि भारत के आपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी साख बचाने और भारत के खिलाफ माहौल बनाने के लिए पाकिस्तान ने वाशिंगटन में भारी-भरकम लाबिंग कराई है। खुलासे के अनुसार, पाकिस्तान ने अपनी गरीब जनता की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा अमेरिकी सांसदों और नीति-निर्धारकों को साधने में खर्च किया। पाकिस्तान ने वाशिंगटन डीसी की प्रभावशाली लाबिंग फर्म स्क्वायर पैटन बोग्स और राजनीतिक रूप से मजबूत पकड़ रखने वाली जैवेलिन एडवाइजर्स की सेवाएं लीं। जैवेलिन एडवाइजर्स को पाकिस्तान ने प्रति माह 50,000 अमेरिकी डालर (लगभग 1.40 करोड़ पाकिस्तानी रुपये) की भारी फीस पर नियुक्त किया था। इस फर्म का मुख्य काम अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों—हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट के शीर्ष नेताओं तक पाकिस्तान का पक्ष पहुंचाना था।

ईरान में खामेनेई के खिलाफ विद्रोह, प्रदर्शनकारियों ने पवित्र शहर मशहद में झंडा उतारा, ईरानी बलोच समूह ने भी दिया समर्थन

तेहरान/वाशिंगटन,08 जनवरी (एजेंसियां)।
ईरान में 10 दिन से महंगाई के खिलाफ शुरू प्रदर्शन से निपटना इस्लामिक गणराज्य के लिए चुनौती बना हुआ है। जनता ने सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के खिलाफ विद्रोह कर दिया है। दक्षिणी ईरान के एक शहर में सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर सामने से गोलियां दागी हैं। कोम के बाद दूसरे पवित्र शहर मशहद में हालात बेकाबू हो गए हैं। गुस्साए लोगों ने ऊंचा और विशाल झंडा उतार दिया। खोरासान प्रांत के एक गवर्नर हाउस को फूंक दिया गया है। लोगों ने खामेनेई के खिलाफ नारेबाजी की है। अमेरिका ने चेतावनी दी है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी बंद नहीं हुई तो अंजाम बहुत बुरा होगा। ईरान इंटरनेशनल ने घटनाओं के सामने आए वीडियो के आधार पर मौजूदा सूरत-ए-हाल पर दी गई रिपोर्ट में ऐसी कई घटनाओं का जिक्र किया है।

दक्षिणी ईरान के कंगन में सुरक्षा बलों ने गोली चलाई: एक वीडियो के अनुसार, बुधवार शाम दक्षिणी ईरान के बुशहर प्रांत के कंगन में विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर सीधी गोली चलाई। मशहद में प्रदर्शनकारियों ने इस्लामिक रिपब्लिक का झंडा उतार दिया है। मशहद उत्तर-पूर्वी ईरान का पवित्र शहर है।

पूर्वोत्तर शहर में गवर्नर का आफिस फूंका गया: ईरान इंटरनेशनल को भेजे गए एक वीडियो के अनुसार, पूर्वोत्तर ईरान के नार्थ खोरासान प्रांत के अशखानेह में मानेह और समालकन की गवर्नर आफिस की बिल्डिंग बुधवार शाम को आग की लपटों में घिरी दिखी। इस बीच एक ईरानी बलोच राजनीतिक समूह बलोचिस्तान पीपल्स पार्टी ने दक्षिण-पूर्वी ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत के लोगों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों और हड़तालों में शामिल होने का आग्रह किया।समूह ने कहा, देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों और हड़तालों में सक्रिय भागीदारी कोई राजनीतिक विकल्प नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता, न्याय और सम्मानजनक जीवन प्राप्त करने के लिए एक ऐतिहासिक आवश्यकता है। निर्वासित राजकुमार का प्रदर्शन जारी रखने का आग्रह: पश्चिमी ईरान में प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम लीडर के खिलाफ नारेबाजी की है। वीडियो के अनुसार, बुधवार शाम को पश्चिमी ईरान के इलम में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और खामेनेई मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस

बीच निर्वासित प्रिंस पहलवी ने इंटरनेट बंद करने की धमकियों के बीच ईरानियों से विरोध प्रदर्शन जारी रखने का आग्रह किया है। उन्होंने इस विद्रोह के लिए प्रत्येक ईरानी का आभार जताया है। पहलवी ने बुधवार को एक्स पर एक वीडियो संदेश पोस्ट किया। इसमें कहा, हमें रिपोर्ट मिली है कि शासन बहुत डरा हुआ है और एक बार फिर इंटरनेट बंद करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, जान लें कि हमारा संवाद बंद नहीं होगा। चाहे ईरान में लाखों स्टारलिंक डिवाइस ही क्यों न भेजनी पड़ें। अमेरिका पर अशांति भड़काने आरोप: ईरान के विदेश मंत्रालय ने देश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर अमेरिका की टिप्पणियों को हस्तक्षेप करने वाला और अशांति भड़काने के मकसद से किया गया बताया। बयान में कहा गया है, इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान संविधान के सिद्धांतों के अनुरूप शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को मान्यता देता है। बयान में कहा गया, आर्थिक कठिनाइयों के लिए बहुत हद तक अमेरिका जिम्मेदार है। हालात संभालने की जिम्मेदारी सबकी: राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अधिकारियों और शिक्षाविदों के साथ बैठक में कहा कि मौजूदा स्थिति संभालने की जिम्मेदारी सबकी है। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन और मजलिस दोनों ही उन विफलताओं के लिए जिम्मेदार हैं जिनके कारण अशांति फैली। खास बात यह है कि आधिकारिक बयानों में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की भूमिका का कोई जिक्र नहीं किया गया है। विरोध प्रदर्शन पर अब तक अपने एकमात्र हस्तक्षेप में खामेनेई ने अधिकारियों से नियंत्रण और कड़ा करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों ने खामेनेई को मुख्य निशाना बनाया है। उन पर सैन्य दुस्साहस और क्षेत्रीय प्राक्सी समूहों को वित्तपोषित करके देश को दिवालिया करने का आरोप लगाया है।

व्हाइट हाउस की चेतावनी: व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन को ताकत से कुचलने का प्रयास करता है तो बहुत बुरा होगा। अधिकारी ने कहा, राष्ट्रपति ने साफ कर दिया है कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाता है तो अंजाम बहुत बुरा होगा। इस अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति ने आपरेशन मिडनाइट हैमर और आपरेशन एब्सोल्यूट रिजाल्व से यह साबित कर दिया है कि वह जो कहते हैं, वही करते हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले दस दिन में हुई झड़पों में कम से कम 36 लोग मारे गए हैं। इनमें 34 प्रदर्शनकारी और सुरक्षा बलों के दो जवान शामिल हैं। 2,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

समुद्र में महाशक्तियों के बीच भारी तनाव : अमेरिका ने रूसी शैडो फ्लीट टैंकर की घेराबंदी शुरू की

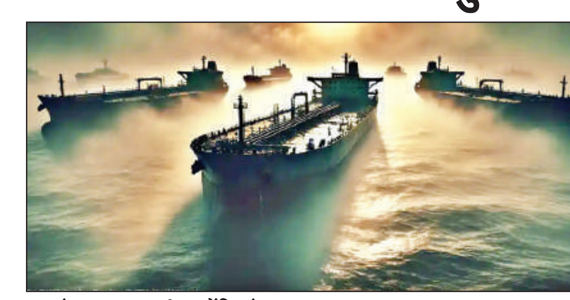

लंदन,08 जनवरी (एजेंसियां)।
ब्रिटेन के उत्तरी समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय हालात उस समय बेहद तनावपूर्ण हो गए, जब अमेरिका द्वारा एक प्रतिबंधित तेल टैंकर मैरिनेरा को जब्त करने के लिए एक विशेष सैन्य आपरेशन शुरू किए जाने की खबरें सामने आईं। इस आपरेशन से जुड़ी कुछ तस्वीरें और वीडियो भी सार्वजनिक हुए हैं, जिनमें एक अमेरिकी लिटिल बर्ड स्पेशल आपरेशंस हेलिकाप्टर को संदिग्ध टैंकर के बेहद करीब खतरनाक तरीके से उड़ान भरते देखा जा सकता है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह टैंकर रूस की कुख्यात शैडो फ्लीट का हिस्सा है, जिसका उपयोग पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को दरकिनार कर तेल व्यापार के लिए किया जाता रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार, मैरिनेरा नामक यह जहाज वैश्विक प्रतिबंध व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। रिपोर्टों के मुताबिक, इस टैंकर ने अतीत में ईरान और वेनेजुएला जैसे प्रतिबंधित देशों से तेल की ढुलाई की है। हाल ही में अमेरिकी निगरानी से बचने के लिए इस जहाज ने रूसी झंडे का इस्तेमाल (री-फ्लैगिंग) शुरू कर दिया था, जिससे यह मामला कूटनीतिक रूप से अत्यंत संवेदनशील हो गया है। अमेरिका लंबे समय से चेतावनी देता रहा है कि वह अवैध तेल व्यापार में शामिल ऐसे जहाजों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा, जो अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। जहाज पर संभावित बोर्डिंग या छापेमारी की खबरों के बीच मास्को ने भी सख्त रुख अपना लिया है। रूस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि रूसी झंडे वाले किसी भी जहाज पर की गई कोई भी सैन्य कार्रवाई सीधे तौर पर उकसावे की हरकत मानी जाएगी। अपुष्ट खबरों के अनुसार, रूस ने इस टैंकर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में अपने नौसैनिक जहाज और पनडुब्बियां तैनात कर दी हैं। वहीं, दूसरी ओर अमेरिका ने भी ब्रिटेन स्थित अपने सैन्य ठिकानों पर उन्नत निगरानी विमान और विशेष समुद्री बलों को अलर्ट मोड पर रखा है। रूस और अमेरिका की सेनाओं के बीच समुद्र में यह फेस-आफ बड़े अंतरराष्ट्रीय संकट का संकेत दे रहा है। विमानन और समुद्री विशेषज्ञों के अनुसार, शैडो फ्लीट उन पुराने और संदिग्ध जहाजों का एक नेटवर्क है जो अक्सर अपना ट्रैकिंग सिस्टम बंद रखते हैं और फर्जी झंडों के साथ चोरी-छिपे तेल बेचते हैं। यदि अमेरिका इस रूसी टैंकर पर बलपूर्वक कब्जा करने का प्रयास करता है, तो इसका सीधा असर न केवल यूक्रेन युद्ध की स्थिति पर पड़ेगा, बल्कि वैश्विक तेल बाजार में भी भारी अस्थिरता आ सकती है।

अमेरिका-वेनेजुएला तनाव पर नेपाल ने जताई चिंता, संयम बरतने का आग्रह

काठमांडू। नेपाल सरकार ने अमेरिका-वेनेजुएला के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने की अपील की है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को आग्रह किया है कि ऐसा कोई भी कदम न उठाया जाए, जिससे तनाव और अधिक बढ़ सकता हो। वेनेजुएला की राजधानी सहित अन्य शहरों पर अमेरिकी सेना के हमले और वहां के राष्ट्रपति दंपति को नियंत्रण में लेकर न्यूयार्क ले जाने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। इस घटना को लेकर विभिन्न देशों ने चिंता जताई है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने आज संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर के अनुसार राज्यों की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और राजनीतिक स्वतंत्रता के पूर्ण सम्मान की आवश्यकता पर जोर दिया है। नेपाल ने यह भी कहा है कि सभी प्रकार के विवादों का समाधान संवाद, कूटनीति और आपसी समझ के माध्यम से शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए।

नेपाल : पेट्रोल में इथेनाल मिश्रण की नीति को मंजूरी

काठमाडू,08 जनवरी (एजेंसियां)।

पेट्रोल में इथानोल मिलाने की प्रक्रिया को अब नेपाल सरकार ने अंततः आगे बढ़ा दिया है। लगभग दो दशक से नीतिगत चर्चा के बावजूद इस पर क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा था। मंत्रिपरिषद की बुधवार को हुई बैठक ने पेट्रोल में इथानोल मिश्रण संबंधी आदेश-2082 को स्वीकृति देकर व्यावहारिक रूप से लागू करने का रास्ता खोल दिया है।

नेपाल आयल निगम के कार्यकारी निदेशक डा. चण्डिकाप्रसाद भट्ट के अनुसार, यह मंजूरी दो दशख स अटकी हुई थी। अब राजपत्र में प्रकाशित होने वाले आदेश जारी किए जाने से इसके कार्यान्वयन के लिए मजबूत आधार तैयार हो गया है। निगम का निष्कर्ष है कि खनिज ईंधन (पेट्रोल) में जैविक ईंधन (इथेनाल) मिलाने से देश की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और स्वदेशी उद्योग को बहुआयामी लाभ होगा। कार्यकारी निदेशक भट्ट ने इथेनाल को बायो फ्यूल और पेट्रोल को मिनरल फ्यूल बताते हुए कहा कि इनके मिश्रण से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

पर्यावरण संरक्षण और नेपाल ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर वर्ष 2045 तक नेट-जीरो कार्बन (शून्य कार्बन उत्सर्जन) हासिल करने की प्रतिबद्धता के संदर्भ में इस योजना को अत्यंत सहायक बताया गया है।

आर्थिक दृष्टिकोण से भी यह योजना नेपाल के व्यापार घाटे को कम करने में मददगार होगी। वर्तमान में नेपाल में पेट्रोल का शत-प्रतिशत आयात भारत से किया जाता है। निगम की योजना के अनुसार यदि पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनाल मिलाया जाता है तो पेट्रोल के आयात में सीधे 10 प्रतिशत की कटौती हो जाएगी।

डा. भट्ट ने कहा, इससे पेट्रोल खरीदने के लिए विदेश जाने वाली बड़ी राशि देश में ही बच सकेगी और विदेशी मुद्रा भंडार में भी सुधार होगा।

उन्होंने बताया, एक इथेनाल प्लांट स्थापित करने में लगभग दो अरब रुपये का निवेश के निवेश की जरूरत होगी।। एक ही उद्योग से 300 से 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिल सकता है, जिससे रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होगा।

वेनेजुएला के बाद घबराए कोलंबिया के राष्ट्रपति ने लगाया ट्रंप को फोन

वाशिंगटन,08 जनवरी (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया आक्रामक फैसलों ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ की गई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और समुद्र में रूसी जहाज पर कब्जे जैसी घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में दहशत पैदा कर दी है। इसी बीच, लैटिन अमेरिका से एक बड़ी कूटनीतिक खबर सामने आई है। वेनेजुएला में हुए अमेरिकी एक्शन के बाद अब कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने खुद राष्ट्रपति ट्रंप को फोन किया है। यह फोन काल ऐसे समय में हुई है जब ट्रंप ने कोलंबिया को लेकर सख्त रुख अपनाया था और उन पर ड्रग्स तस्करी में शामिल होने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने कोलंबियाई राष्ट्रपति के साथ हुई इस बातचीत का खुलासा खुद अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किया। उन्होंने बताया कि

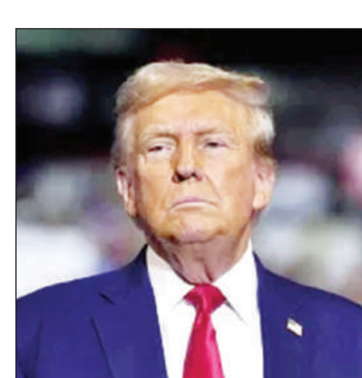

गुस्तावो पेट्रो के साथ उनकी बातचीत काफी सकारात्मक रही और उन्होंने पेट्रो को आधिकारिक मुलाकात के लिए व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले ट्रंप ने कोलंबिया के खिलाफ भी सैन्य विकल्प खुले होने के संकेत दिए थे, जिससे पूरे दक्षिण अमेरिका में तनाव का माहौल बन गया था। निकोलस मादुरो के हश्र को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि कोलंबियाई राष्ट्रपति ने स्थिति को संभालने और सीधे सैन्य टकराव से बचने के लिए यह कदम उठाया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो से बात करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने ड्रग्स की वर्तमान स्थिति और हमारे बीच के मतभेदों पर चर्चा करने के लिए फोन किया था। मुझे उनका बात करने का तरीका पसंद आया और मैं जल्द ही उनसे मिलने का इंतजार कर रहा हूं। ट्रंप ने यह भी जानकारी दी कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और कोलंबिया के विदेश मंत्री इस बैठक की तैयारियों में जुट गए हैं। यह मुलाकात वाशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित की जाएगी। ट्रंप का आत्मविश्वास इन दिनों चरम पर है। वेनेजुएला में तख्तापलट जैसी स्थिति और ग्रीनलैंड को लेकर उनके कड़े रुख के बाद अब उनकी नजर उन देशों पर है जिन्हें वे अमेरिकी सुरक्षा और हितों के लिए खतरा मानते हैं। कोलंबिया पर ट्रंप के वही आरोप रहे हैं जो उन्होंने वेनेजुएला पर लगाए थे—खासकर नशीले पदार्थों की तस्करी का मुद्दा। ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया था कि उन्हें आपरेशन कोलंबिया का विचार पसंद है, जिसे एक सैन्य चेतावनी के तौर पर देखा गया था। अब सवाल यह है कि क्या यह फोन काल कोलंबिया पर मंडरा रहे सैन्य खतरे को टालने में सफल रहेगी फिलहाल, ट्रंप के न्योते ने तनाव को थोड़ा कम जरूर किया है, लेकिन उनकी अमेरिका फर्स्ट की नीति और ड्रग्स के खिलाफ उनके सख्त तेवर देखते हुए यह साफ है कि कोलंबिया को व्हाइट हाउस में कड़ी शर्तों का सामना करना पड़ सकता है। दुनिया भर की नजरें अब वाशिंगटन में होने वाली इस हाई-प्रोफाइल मुलाकात पर टिकी हैं, जो लैटिन अमेरिका के भविष्य और इस क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप की नई दिशा तय करेगी।

केंद्रीय बजट से पहले शिक्षा मंत्री व वित्त मंत्री की मुलाकात, स्कूली व उच्च शिक्षा पर हुई बात

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। केंद्रीय बजट से पहले हुई यह मुलाकात काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस मुलाकात के दौरान शिक्षा मंत्री ने शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी आकांक्षाओं को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ साझा किया। उन्होंने वित्त मंत्री के साथ स्कूली शिक्षा तथा उच्च शिक्षा से जुड़े विषयों पर बात की। उन्होंने स्कूली व उच्च शिक्षा के इकोसिस्टम के समग्र रूपांतरण के लिए विभिन्न विचारों और प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। बता दें कि बीते वर्षों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय बजटीय घोषणाएं की गई हैं। बजट में रिसर्च व बच्चों को शुरुआती स्तर से ही सीखने को लेकर कई प्रावधान किए गए थे। गुरुवार को हुई इस बैठक के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बजट में शिक्षा को अच्छे

आवंटन की उम्मीद जताई।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मोदी सरकार की परंपरा के अनुरूप बजट 2026-27 में शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में पहले से कहीं अधिक बड़े और साहसिक निवेश देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे निवेश रोजगार-आधारित विकास को गति देंगे।धर्मेंद्र प्रधान का कहना है कि शिक्षा में यह निवेश 'विकसित भारत' के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय में स्कूल प्रबंधन विकास समिति-2026 के गठन से संबंधित मसौदा दिशा-निर्देशों पर एक प्रस्तुति की समीक्षा भी की गई। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भावना के अनुरूप सरकार विद्यालय प्रशासन को अधिक सहभागी बनाने व स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने शैक्षणिक उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने, विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को सशक्त करने तथा विद्यालयी इकोसिस्टम को मजबूत करने की बात कही है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि स्कूल प्रबंधन समितियां (एसएमसी) प्रभावी स्कूल प्रशासन की महत्वपूर्ण उत्प्रेरक हैं। ये समितियां शैक्षणिक परिणामों में सुधार व जवाबदेही बढ़ाने में मदद करती हैं।

इसके अलावा शिक्षा में समानता सुनिश्चित करने, अभिभावकों और समुदाय की आवाज को निर्णय प्रक्रिया में शामिल कराने का काम भी करती हैं। साथ ही स्कूल प्रबंधन समितियां विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं।

आई-पैक ऑफिस पर ईडी की छापेमारी पर बोले अखिलेश यादव, भाजपा की हार का पहला प्रमाण

लखनऊ,08 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कोलकाता में आई-पैक ऑफिस और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर छापेमारी की गई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। इस छापेमारी पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी प्रतिक्रिया दी है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी के लिए काम करने वाली कंपनी आई-पैक के ऑफिस में हुई छापेमारी को पश्चिम बंगाल में भाजपा की हार का प्रमाण बताया है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा बंगाल में बुरी तरह हार रही है। यह पहला प्रमाण है।

इससे पहले सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी की आगामी विधानसभा चुनाव रणनीति, उम्मीदवारों की सूची, आंतरिक डेटा और वित्तीय दस्तावेजों को केंद्रीय जांच एजेंसी ने छापेमारी के नाम पर 'लूट' लिया है। उन्होंने कहा कि ईडी अधिकारियों द्वारा साल्ट लेक स्थित उनकी पार्टी की रणनीति के लिए काम करने वाली एजेंसी 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के कार्यालय और प्रतीक जैन के आवास पर की गई छापेमारी और तलाशी अभियान को एक 'अपराध' के रूप में देखा जाना चाहिए, क्योंकि भाजपा बंगाल पर जबरदस्ती 'कब्जा' करना और उसे 'कुचलना' चाहती है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, छापेमारी के नाम पर उन्होंने हमारी पार्टी की चुनाव रणनीति चुरा ली है, जो एक अपराध है। उन्होंने हमारा डेटा, उम्मीदवारों की सूची, बूथ एजेंटों की सूची, हार्ड डिस्क, एसआईआर से संबंधित डेटा, हमारी पार्टी से जुड़े वित्तीय दस्तावेज, राजनीतिक दस्तावेज, बैंक खाते की जानकारी और आंतरिक डेटा भी लूट लिया है। उन्होंने मेरी पार्टी से संबंधित सारी जानकारी चुरा ली है। उन्होंने सब कुछ लूट लिया है। सीएम ममता बनर्जी ने आई-पैक के साल्ट लेक सेक्टर में मौजूद ऑफिस का उस समय दौरा किया, जब ईडी की टीम छापेमारी कर रही थी।

बेलगावी शुगर फैक्ट्री में बॉयलर फटने से 6 मजदूरों की मौत

बेलगावी, 08 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले में एक दुखद हादसे ने कई परिवारों को गहरा सदमा दिया है। बैलहोंगल तालुका के मारकुंबी गांव स्थित इनामदार शुगर फैक्ट्री में बॉयलर में विस्फोट हो गया, जिसमें अब तक 6 मजदूरों की मौत हो चुकी है। शुरुआती रिपोर्टों में तीन मौतें बताई गई थीं। लेकिन, इलाज के दौरान तीन और मजदूरों ने दम तोड़ दिया।

कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं और उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। यह हादसा दोपहर करीब ढाई बजे हुआ, जब फैक्ट्री के नंबर एक कंपार्टमेंट में दीवार की मरम्मत और रखरखाव का काम चल रहा था। अचानक वाल्व फेल होने से गर्म गुड़ का रस बाहर निकला और आसपास खड़े मजदूरों पर गिर गया, जिससे उन्हें गंभीर जलन हुई। पुलिस के

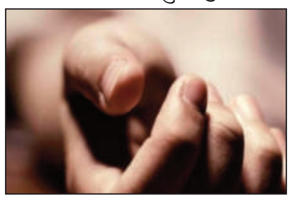

अनुसार, यह एक पुरस्कार विजेता चीनी मिल है, जो विक्रम इनामदार, प्रभाकर कोरे और विजय मेटागुडी की साझेदारी में चल रही है।

मृतकों में अक्षय चोपाडे (45 साल), दीपक मन्नोली (31 साल), सुदर्शन बनोशी (25 साल), भरतेश सरवाडे (27 साल), गुरु तम्मनावर (26 साल) और मंजुनाथ कजागार (28 साल) शामिल हैं। पहले अक्षय, दीपक और सुदर्शन की मौत हुई, जबकि अन्य घायलों की बाद में मौत हो गई।

घायल मजदूरों को तुरंत बैलहोंगल सरकारी अस्पताल और बेलगावी के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

हादसे के बाद मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंच गए और मातम छा गया। दो शवों का पोस्टमॉर्टम एक निजी अस्पताल में शुरू हो चुका है।

जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां)। 'कैश कांड' मामले में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने के लिए संसद में चल रही कार्यवाही से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है और अब फैसला सुरक्षित कर लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दोनों पक्षों को लिखित जवाब दाखिल करने को कहा। इसके साथ ही जस्टिस यशवंत वर्मा ने लोकसभा स्पीकर द्वारा बनाई गई तीन सदस्यीय कमेटी के सामने पेश होने की समय सीमा बढ़ाने की भी मांग की थी। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने उनकी यह मांग ठुकरा दी। जस्टिस वर्मा को अब

तय तारीख 12 जनवरी को ही कमेटी के सामने पेश होना होगा और कमेटी के सामने अपनी बात रखनी होगी। जस्टिस यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने लोकसभा स्पीकर की ओर से बनाई गई तीन सदस्यीय समिति को चुनौती दी। उनका कहना था कि जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत किसी जज को हटाने की प्रक्रिया तभी आगे बढ़ सकती है जब दोनों सदन, यानी लोकसभा और राज्यसभा, प्रस्ताव को स्वीकार करें और उसके बाद एक संयुक्त समिति बनाई जाए। लेकिन इस मामले में सिर्फ लोकसभा ने प्रस्ताव पारित किया है, जबकि राज्यसभा में यह अभी लंबित है। इसलिए सिर्फ लोकसभा स्पीकर द्वारा समिति बनाना कानून के खिलाफ है।

जस्टिस वर्मा का यह भी कहना था कि 21 जुलाई को जब उनके खिलाफ प्रस्ताव पेश किया गया था, तब आगे की जांच के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति बननी चाहिए थी। केवल लोकसभा की तरफ से समिति बनाना प्रक्रिया में गड़बड़ी है।गौरतलब है कि जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले में 14-15 मार्च 2025 की रात आग लग गई थी। आग बुझाने के दौरान फायर सर्विस को स्टोर रूम से जले हुए नोटों की गड्डियां मिलीं, जिनके वीडियो भी वायरल हुए। उस वक्त जस्टिस वर्मा बंगले में मौजूद नहीं थे और उनकी पत्नी ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जांच में यह कैश अनएकाउंटेड बताया गया।

इस घटना के एक हफ्ते बाद जस्टिस वर्मा को दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया, जहां फिलहाल उन्हें कोई न्यायिक कार्य नहीं सौंपा गया है।

सोमनाथ मंदिर हमारी सभ्यतागत अमरता और कभी न हारने की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक : अमित शाह

नई दिल्ली, 08 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ष 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले बड़े हमले के 1,000 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जनवरी को इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सोमनाथ मंदिर की भव्यता और आकर्षण को प्रदर्शित करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देशवासियों से 8 जनवरी से 11 जनवरी तक सोमनाथ में मनाए जा रहे 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' से जुड़ने की अपील की। गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सोमनाथ महादेव मंदिर ज्योतिर्लिंग होने के साथ-साथ सनातन संस्कृति व आध्यात्मिक गौरव की अक्षुण्ण विरासत भी है। बीते हजार वर्षों में इस मंदिर पर कई हमले हुए, लेकिन यह हर बार उठ खड़ा हुआ। यह हमारी सभ्यतागत अमरता और कभी हार न मानने की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है। इसे मिटाने की कोशिश

करने वालों के नामो-निशान मिट गए, लेकिन यह मंदिर आज और भी वैभवता के साथ खड़ा है।

उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर की ऐतिहासिकता बताती है कि ऐसे हमले हमें क्षति पहुंचा सकते हैं, लेकिन मिटा नहीं सकते, क्योंकि हर बार और भी भव्यता और दिव्यता के साथ उठ खड़ा होना सनातन संस्कृति की मूल प्रवृत्ति है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के एक हजार वर्ष होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाने का निर्णय लिया है ताकि हमारी भावी पीढ़ी तक सनातन संस्कृति की अविरलता और जीवटता का संदेश पहुंचाया जा सके।मेरा सौभाग्य है कि मैं इस पवित्र मंदिर का ट्रस्टी हूं। मेरी सभी देशवासियों से अपील है कि आप भी आज से 11 जनवरी तक चलने वाले सोमनाथ स्वाभिमान पर्व से जुड़ें।गृह मंत्री अमित शाह द्वारा एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में दिखाया गया कि कैसे सोमनाथ मंदिर पर विदेशी आक्रांताओं ने बार-बार हमले किए, कैसे मंदिर को बार-बार लूटा गया और उसको मिटाने का प्रयास किया गया, लेकिन सनातन की आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर ने हर बार विदेशी हमलावरों के इरादों पर पानी फेर दिया।सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाने के लिए गुजरात के सोमनाथ मंदिर में सालभर कई कार्यक्रम होंगे। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि 8 से 11 जनवरी तक मंदिर परिसर में कई आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यक्रम होंगे।

तुर्कमान गेट हिंसा: भाजपा के निशाने पर सपा-कांग्रेस, धर्म की राजनीति करने का आरोप

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने तुर्कमान गेट पर अतिक्रमण हटाने गए पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी की घटना की निंदा की है। भाजपा नेता ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं पर धर्म की राजनीति करने और पत्थरबाजों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता ने कहा कि तुर्कमान गेट में जहां अवैध अतिक्रमण हो रहा है, वहां दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई की गई और अतिक्रमण हटाने का काम किया गया। इस दौरान जिस तरह से पुलिस पर पत्थरबाजी की गई और पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, यह शर्मनाक है। यह उन पत्थर फेंकने वाले लोगों पर भी सवाल उठाता है, जो भारत के आदर्श नागरिक नहीं हैं, जिनकी संविधान में आस्था नहीं है और जो पूरी तरह से अराजक हैं। उन्होंने कहा कि अदालत के किसी भी आदेश का पालन करने का काम सरकार का होता है और भारत का नागरिक उसका स्वागत करता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है। ऐसे में कोर्ट के आदेश का पालन कराने वाले पुलिसकर्मियों पर पत्थर बरसाना बहुत ही निंदनीय है।भाजपा नेता ने कहा कि बड़ा सवाल यह है कि इन अराजक तत्वों को राजनीतिक संरक्षण कौन दे रहा है। यह बड़े दुख की बात है कि संविधान हाथ में रखने वाले राहुल गांधी की पार्टी के एक नेता इमरान मसूद कहते हैं कि मुसलानों को प्रताड़ित किया जा रहा है।

साजिशी सिंडिकेट कभी सफल नहीं होंगे : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में पथराव की घटना पर कहा है कि ऐसे साजिशी सिंडिकेट कभी सफल नहीं होंगे। उन्होंने विपक्षी दलों पर भी हमला बोला। आईएएनएस से बातचीत में मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, तुर्कमान गेट और उसके आसपास की साजिशें नई नहीं हैं। पिछले 10 सालों से इस देश को लगातार सांप्रदायिक दंगों, उन्माद और उग्रवाद की आग में झोंकने की साजिशें हुईं। लेकिन यह साजिश रचने वाले सिंडिकेट कभी सफल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी सांप्रदायिक फसाद पर सियासी मफाद ढूंढने वाला जो साजिशी सिंडिकेट है, उसके सांप्रदायिक संक्रमण से हमें

सावधान रहना होगा। यह न तो समाज के हित में है और न ही देश के सौहार्द के हित में है।विरोधियों पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने कहा, ये वे लोग हैं, जो हर सांप्रदायिक फसाद के जरिए सियासी मफाद (फायदे) की तलाश में रहते हैं। समाज के बड़े तबके में भय और भ्रम का माहौल पैदा करके अपने राजनीतिक स्वार्थ का गुणा भाग करते हैं। ये लोग चाहते हैं कि देश का सौहार्द खराब हो, देश का ताना-बाना टूटे, पूरी दुनिया में भारत की बदनामी हो, इसी काम में ये लोग लगे हुए हैं। ऐसे लोगों को कभी सफल नहीं होने देना चाहिए।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी का नाम आने पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा, अराजकता और उग्रवाद को बढ़ावा देने की जो सोच, सनक और साजिश के लोग, चाहे वो संसद के अंदर हों या संसद के बाहर हों, वो देशहित में नहीं सोच रहे हैं।भाजपा नेता ने कहा, आप (मोहिबुल्लाह नदवी) संसद के अंदर आए हैं। आप संविधान की कसम खाकर आए हैं। आप हर वो काम कर रहे हैं जिससे देश टूटे, जिससे देश के सौहार्द का ताना-बाना छिन्न-भिन्न हो, जिससे देश में अराजकता और उद्दंडता व उग्रवाद को बढ़ावा मिले।मुख्तार अब्बास नकवी ने जीडीपी पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर भी पलटवार किया। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी डूबती डायनेस्टी के ढपोरशंख का डिज्नीलैंड बन गई है। इसी तरह की डिफॉल्टर डिंगबाजी सुनाई पड़ेगी।

आज देश का माहौल पॉजिटिव है। इस पर आप डिस्ट्रेक्टिव का तड़का लगाने की कोशिश करेंगे तो कोई आपको स्वीकार नहीं करेगा।उन्होंने आगे कहा कि आज जमीन पर जनता कांग्रेस की धारा की धुनाई कर रही है। कांग्रेस का जनाधार सिकुड़ता और सिमटता जा रहा है।भाजपा नेता ने कहा, विपक्ष को लगता है कि पीएम नरेंद्र मोदी के सुशासन और समावेशी सशक्तीकरण की ताकत को किसी जंतर-मंतर से छूमंतर कर देंगे तो उन्हें इस गलतफहमी से बाहर निकलना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस का परिवारतंत्र पराजय की प्रयोगशाला बनता जा रहा है।

यही कारण है कि पराजित पराक्रमियों का पाखंड दिखाई देगा।

सेना प्रमुख का श्रीलंका दौरा: रक्षा, सहयोग और सैन्य संबंधों की घनिष्ठता पर जोर

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीलंका की एक महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा के दौरान उन्होंने यहां श्रीलंका में वरिष्ठ सैन्य लीडरशिप, रक्षा सचिव और डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर के साथ अहम मुलाकात की। भारतीय सेना प्रमुख की इन द्विपक्षीय चर्चाओं में रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और मजबूती देने व आर्मी टू आर्मी संबंधों को घनिष्ठ करने पर जोर दिया गया। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की श्रीलंका यात्रा का यह दूसरा और अंतिम दिन है। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने श्रीलंका के उप रक्षा मंत्री, (सेवानिवृत्त) मेजर जनरल अरुणा जयसेकरा से मुलाकात की। इसके अलावा, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने श्रीलंका के रक्षा सचिव, (सेवानिवृत्त) एयर वाइस मार्शल संपत थुयाकोंथा के साथ महत्वपूर्ण बैठक की है। इन चर्चाओं का मुख्य उद्देश्य भारत व श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय रक्षा

सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। भारत-श्रीलंका की सेनाओं के बीच सहभागिता को बढ़ावा देना और मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर भी फोकस किया गया। यह संवाद क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता और स्थायी रक्षा साझेदारी के प्रति भारत और श्रीलंका की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पहले, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कोलंबो स्थित श्रीलंका सेना मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण भी किया था। इसके पश्चात उन्होंने श्रीलंका सेना के कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लसांथा रोड्रिगो से मुलाकात की। दोनों सैन्य नेताओं के बीच हुई वार्ता में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करने, दोनों देशों के सैन्य संबंधों को गहरा करने व क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दोहराने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर भारत की ओर से श्रीलंका को सैन्य वाहन, एंबुलेंस तथा प्रशिक्षण सिमुलेटर भी सौंपे गए।यह कदम न केवल रक्षा सहयोग को और मजबूत करता है, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच मित्रता और विश्वास के दीर्घकालिक संबंधों को भी और सुदृढ़ करता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार यह दौरा दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं स्थिरता बनाए रखने के साझा प्रयासों का स्पष्ट संकेत है।

गौरतलब है कि बीते दिनों श्रीलंका में भयंकर चक्रवात आया था। इस चक्रवात से जान माल की काफी हानि हुई है। चक्रवात के बाद से भारतीय सेना यहां लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी है। भारतीय सेना ने श्रीलंका में 5,000 से अधिक लोगों को उपचार मुहैया कराया है। दरअसल, श्रीलंका में चक्रवात के साथ आई भीषण बाढ़ ने यहां संकट को और गहरा कर दिया। ऐसे कठिन समय में भारत ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका की मदद कर रहा है।भारतीय सेना ने यहां एक अत्याधुनिक फील्ड हॉस्पिटल स्थापित किया है। भारतीय सेना का यह दल श्रीलंका के सबसे

बॉलीवुड की प्यारी छोटी बहन नंदा ने लोगों के दिलों पर छोटी अमिट छाप

हिंदी फिल्मों की दुनिया में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिनकी यादें हमेशा दर्शकों के दिल में बस जाती हैं। उनका चेहरा जैसे ही स्क्रीन पर आता है तो सबकी नजरें उन पर टिक जाती हैं। उनमें से एक नाम है नंदा। नंदा बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्री थीं। उन्होंने फिल्मों में जो छवि बनाई, उसे लोग कभी नहीं भूल सकते। दर्शक उन्हें हमेशा 'छोटी बहन' वाली भूमिका में देखने के आदी हो गए थे। उन्होंने अपने किरदार को इतने भावपूर्ण तरीके से निभाया कि उनके साथ स्क्रीन पर जो कलाकार होते थे, दर्शक उन्हें असली भाई या बहन समझ बैठते थे। नंदा का जन्म 8 जनवरी 1939 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में हुआ था। उनका पूरा नाम नंदिनी कर्नाटकी था। उनका परिवार फिल्मी जगत से जुड़ा हुआ था। उनके पिता विनायक दामोदर एक जाने-माने मराठी अभिनेता और निर्देशक थे। उनके भाई भी फिल्म से जुड़े थे, और उनके चाचा प्रसिद्ध निर्देशक वी. शांताराम थे। नंदा की जिंदगी तब बदल गई जब उनके पिता का देहांत हो गया। उस वक्त नंदा सिर्फ सात साल की थीं। उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी उठाई और चाइल्ड आर्टिस्ट बनकर फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया।

नंदा ने अपनी पहली फिल्म 'मंदिर' (1948) से बॉलीवुड में कदम रखा। पहले वह केवल बाल किरदार निभाती थीं, लेकिन धीरे-धीरे उनकी प्रतिभा और भावनाओं को लोग पहचानने लगे। 1956 में उनकी फिल्म 'तूफान और दीया' आई, जिसमें उन्होंने

लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने उनके लिए बड़ी फिल्मों के लिए दरवाजे खोल दिए। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में भाई की देखभाल करती बहन की भूमिका निभाई, जैसे 'छोटी बहन' (1959) और 'भाभी' (1957)। उनका अभिनय इतना सजीव और भावपूर्ण था कि दर्शक उन्हें असली बहन मान बैठते थे।

नंदा फिल्मों में केवल छोटी बहन की भूमिका तक ही सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने 'कानून' (1960) और 'हम दोनों' (1961) जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से सबका मन मोह लिया। उनकी जोड़ी बॉलीवुड के बड़े सितारों के साथ हिट साबित हुई। शशि कपूर, राजेश खन्ना, देव आनंद और मनोज कुमार जैसे अभिनेताओं के साथ उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दीं, लेकिन फिर भी, उनकी 'छोटी बहन' वाली मासूम और प्यारी छवि दर्शकों की यादों में सबसे ज्यादा बसी रही।

नंदा को उनके करियर के दौरान कई सम्मान भी मिले। उन्हें फिल्म 'आंचल' के लिए 1960 में फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस मिला। इसके अलावा, उन्होंने 'भाभी', 'इत्तेफाक', 'आहिस्ता आहिस्ता', और 'प्रेमरोग' के लिए नॉमिनेशन भी हासिल किए।

नंदा ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं। उनकी आखिरी हिट फिल्म 'शोर' (1972) थी, जिसमें उन्होंने मनोज कुमार की पत्नी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने 1980 के दशक में कुछ फिल्मों में मां की भूमिका निभाई, जैसे 'आहिस्ता आहिस्ता' (1981), 'प्रेमरोग' (1982), और 'मजदूर' (1983)। 25 मार्च 2014 को नंदा का निधन हो गया। 75 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली।

यश राज फिल्म्स ने धुरंधर को बताया भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर, भावुक हुए रणवीर

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। चाहे आम जनता हो या फिल्मी सितारे, हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है। इसी कड़ी में यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर न केवल फिल्म को शानदार, बल्कि भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर बताया। देश में 700 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी 'धुरंधर' की यश राज फिल्म्स ने खूब तारीफ की है। कंपनी ने इसे भारतीय सिनेमा का एक यादगार मील का पत्थर बताया और निर्देशक आदित्य धर तथा जियो स्टूडियोज को बधाई दी। यश राज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'धुरंधर' अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी भाषा की भारतीय फिल्म बन गई है। यह एक फिल्म नहीं है... यह भारतीय सिनेमा के मील का पत्थर है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। कंपनी ने आदित्य धर और जियो स्टूडियोज को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। आदित्य धर की तारीफ करते हुए लिखा, जहाज के कप्तान की तरह आदित्य ने अपने मकसद की साफगोई दिखाई, बिना डरे कहानी सुनाने का साहस दिखाया और बेहतरीन काम करने का पक्का इरादा रखा। इससे भारतीय सिनेमा के लिए एक नया मानक स्थापित हुआ है। फिल्म के हर कलाकार और तकनीशियन को धन्यवाद।

कंपनी ने लिखा, हमें ऐसा सिनेमा देने के लिए धन्यवाद जो हमें रचनात्मक उत्कृष्टता की खोज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। असली धुरंधर वही लोग हैं जिन्होंने फिल्म के विचार को बड़े पर्दे पर इतने जोरदार और शानदार तरीके से प्रस्तुत किया।

इस पोस्ट पर अभिनेता रणवीर सिंह ने भावुक प्रतिक्रिया दी। रणवीर ने यश राज फिल्म्स को अपनी 'प्यारी अल्मा मेटर' कहते हुए लिखा, मैं हमेशा आपको गर्व महसूस कराना चाहता था।

रणवीर सिंह यश राज फिल्म्स के साथ कई हिट फिल्में कर चुके हैं और कंपनी को अपना घर मानते हैं। एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर माधवन, राकेश बेदी, सारा अर्जुन के साथ अन्य एक्टर्स अहम रोल में हैं।

भाग्यश्री ने बताए केटलबेल स्विंग्स एक्सरसाइज के फायदे, ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

अभिनेत्री भाग्यश्री 56 साल की उम्र में भी अपनी फिटनेस और एनर्जी के लिए जानी जाती हैं। वह हमेशा अपने फैंस को हेल्दी और फिट रहने के लिए प्रेरित करती हैं और अक्सर इंस्टाग्राम पर एक्सरसाइज, डाइट, और फिटनेस से जुड़ी सलाह साझा करती हैं। इस कड़ी में बुधवार को उन्होंने केटलबेल स्विंग्स की वीडियो पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह एक्सरसाइज शरीर के कई हिस्सों के लिए फायदेमंद होती है। भाग्यश्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह केटलबेल स्विंग एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि यह एक्सरसाइज शरीर की ताकत बढ़ाती है। इसे करने से ग्लूट्स और हैमस्ट्रिंग्स के मसल्स मजबूत होते हैं। भाग्यश्री ने बताया कि केटलबेल स्विंग के सबसे बड़े फायदों में से एक है कोर यानी पेट और पीठ के बीच के हिस्से को मजबूत करना। कोर मजबूत होने से शरीर स्थिर रहता है और रोजमर्रा की गतिविधियों में चोट लगने का खतरा कम हो जाता है।

भाग्यश्री बताती हैं कि जब केटलबेल को ऊपर उठाया जाता है, तो हाथों का काम सिर्फ गाइड का होता है। असली ताकत कूल्हों की थ्रस्टिंग मूवमेंट से आती है। इससे न केवल मांसपेशियां मजबूत होती हैं, बल्कि शरीर भी संतुलित होता है।

केटलबेल स्विंग्स करने से कार्डियो और स्ट्रेंथ दोनों का फायदा होता है। यह एक्सरसाइज शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है, जिससे ऊर्जा बनी रहती है और थकान कम महसूस होती है। साथ ही, यह मेटाबोलिज्म को भी तेज करती है, यानी कैलोरी जल्दी बर्न होती हैं और वजन नियंत्रण में रहता है। इसके साथ ही, सांस बाहर छोड़ते हुए स्विंग करना मांसपेशियों की ताकत और सहनशीलता को बढ़ाता है। केटलबेल स्विंग्स एक्सरसाइज नियमित रूप से करने से शरीर की ताकत बढ़ती है, ऊर्जा बनी रहती है और फिटनेस लेवल भी बढ़ता है। केटलबेल स्विंग्स हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन इसे सही और ध्यानपूर्वक तरीके से किया जाना चाहिए।

पर्दे पर फिर लौट रही सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी, नए प्रोजेक्ट पर साथ में करेंगे काम

बॉलीवुड में कुछ कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को इतनी पसंद आती है कि वे पर्दे पर उस जोड़ी को फिर से देखने के लिए उत्साहित रहते हैं। सैयामी खेर और गुलशन देवैया की जोड़ी कुछ ऐसी ही है। दोनों ने पहले 'अनपॉज्ड' और '8 ए.एम. मेट्रो' जैसी फिल्मों में साथ काम किया, जिसमें उनके बीच की कमेस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद आई। अब यह जोड़ी फिर से एक साथ एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली है। एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया कि सैयामी और गुलशन ने हाल ही में इस नए प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी कर ली है। उनकी जोड़ी को दोबारा स्क्रीन पर देखना दर्शकों के लिए हमेशा सुखद अनुभव रहा है। हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नया प्रोजेक्ट फिल्म है या वेब सीरीज, लेकिन इस जोड़ी को देखने के लिए फैंस काफी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सूत्र ने बताया कि इस नए प्रोजेक्ट की सभी जानकारी सीक्रेट रखी गई है, जिनका जल्द ही खुलासा हो सकता है। सैयामी खेर इन दिनों अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शरीब हाशमी भी अहम किरदार में हैं। फिल्म की शूटिंग

कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसे शहरों में हुई।

वहीं गुलशन देवैया भी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस सीरीज में उन्होंने विष्णु नाम के एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाया है, जो एक 'परफेक्ट' दिखने वाले परिवार का हिस्सा है। ये परिवार बाहर से खुश है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ है। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया। इसमें गुलशन देवैया के अलावा, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और नेहा धूपिया भी हैं। यह सीरीज 27 नवंबर को यूट्यूब चैनल जार सीरीज पर रिलीज हुई।

गोला और काजू के बाद किशमिश, तीसरे बच्चे पर क्या बोल गईं कमीडियन भारती सिंह?

कलर्स टीवी का पॉपुलर शो 'लॉफ्टर शेफ्स सीजन 3' दर्शकों को एंटरटेन कर रहा है। नए साल के आगाज के साथ शो की शूटिंग शुरू हुई, जहां कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, जन्नत जुबैर, करण कुंद्रा, एल्विश यादव, गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी को देखा गया। लेकिन, सारी लाइमलाइट कमीडियन भारती सिंह लूट ले गईं। दरअसल, पैपराजी ने भारती सिंह से तीसरे बच्चे को लेकर सवाल किया, जिसका जवाब सुन सभी लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए। भारती सिंह को 'लॉफ्टर शेफ्स सीजन 3' के सेट पर देखा गया, जहां उन्होंने दूसरे बच्चे यानी काजू के होने की खुशी में पैपराजी का मुंह मीठा कराया और मिठाई बांटी। इस बीच पैपराजी ने सवाल किया है कि काजू कहां है और कब मिलवा रही हैं? भारती कहती हैं कि गोला और काजू दोनों घर पर हैं और जब आप सभी बिना कैमरे के मिलने आएंगे, तो जरूर मिलवाएंगे।

इसी बीच एक पैपराजी कहता है कि काजू के बाद किशमिश भी आनी है। यह सुनकर भारती सिंह हैरान हो जाती हैं और कहती हैं कि यही सब करती रही हूं क्या मैं? गोला और काजू ही काफी हैं। भारती को काफी उम्मीद थी कि उन्हें लड़की हो। भारती को एक लड़की चाहिए थी, लेकिन काजू के जन्म पर भी वे बहुत इमोशनल हुई थीं और अस्पताल में जब उन्होंने काजू को पहली बार देखा था, तो खूब रोईं थीं। भारती ने अभी तक काजू की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की है।

बता दें कि भारती सिंह ने पहले बेटे लक्ष्य यानी गोला को अप्रैल 2022 में जन्म दिया था। भारती दूसरी बार 19 दिसंबर 2025 को मां बनी थीं। कमीडियन 15 दिन का आराम लेकर वापस काम पर लौटी हैं। गोला के जन्म के समय जल्दी काम पर लौटने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। यूजर्स का कहना था कि भारती सिंह अपने बच्चे को छोड़कर पैसे कमाने के पीछे भाग रही हैं। वह समय कमीडियन के लिए बहुत मुश्किलों से भरा था, लेकिन फिर भी उन्होंने पूरी हिम्मत के साथ काम और घर को संभाला था।

मूड रखो अच्छा, फ्रिक को कहो अलविदा

ऋतिक रोशन ने फिटनेस से मचाया धमाल

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन हमेशा से अपनी अदाकारी और फिटनेस को लेकर चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बीटीएस वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने एब्स को फ्लॉन्ट करते हुए दिख रहे हैं। ऋतिक ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ''मूड रखो अच्छा, टेंशन को कहो अलविदा।'' इसके अलावा, वीडियो के बैकग्राउंड में उन्होंने 1972 की फिल्म 'जवानी दीवानी' का लोकप्रिय गाना 'सामने ये कौन आया' का इस्तेमाल किया। यह गाना उस दौर का आइकॉनिक सॉन्ग है। ऋतिक रोशन इन दिनों ओटीटी डेब्यू को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। वह प्रोड्यूसर के तौर पर एक थ्रिलर प्रोजेक्ट 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं। इस शो का निर्माण प्राइम वीडियो के सहयोग से हो रहा है। फैंस इस नई थ्रिलर को लेकर उत्साहित हैं। इस सीरीज को अजितपाल सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं।

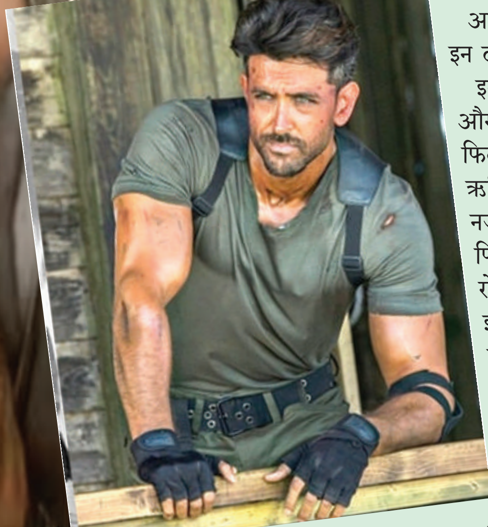

अजितपाल सिंह पहले वेब सीरीज 'टब्बर' और 'फायर इन द माउंटेंस' जैसी फिल्मों को निर्देशित कर चुके हैं।

इसके अलावा, ऋतिक जल्द ही 'कृष 4' में डायरेक्शन और एक्टिंग दोनों करेंगे। इस फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म साल 2003 में 'कोई... मिल गया' आई थी। इसमें ऋतिक के साथ प्रीति जिंटा और रेखा समेत कई सितारे नजर आए। इसका निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली। इसके बाद राकेश रोशन ने साल 2006 में फिल्म 'कृष' को रिलीज किया। इसमें ऋतिक के साथ प्रियंका चोपड़ा, नसीरुद्दीन शाह, शरत सक्सेना और मानिनी मिश्रा भी थे। इस फिल्म के भी सुपरहिट होने के बाद 2013 में 'कृष 3' रिलीज हुई। इसे भी राकेश रोशन ने ही प्रोड्यूस किया। इसमें विवेक ओबेरॉय और कंगना रनौत शामिल हुए। राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में 'कृष 4' की रिलीज डेट को लेकर बयान जारी किया था। उन्होंने कहा, ''फिल्म पर काम तेजी के साथ चल रहा है। हम 2027 में फिल्म रिलीज की प्लानिंग कर रहे हैं।''

मकर राशि में 46 महीने बाद बन रहा है लक्ष्मी नारायण राजयोग

शुक्र और बुध की युति से कर्क सहित अन्य राशियों को मिलेगा लाभ

मकर राशि में 46 महीने बाद शुक्र और बुध की युति हो रही है। जिससे मकर राशि में ज्योतिष में बताया गया बहुत ही शुभ लक्ष्मी नारायण राजयोग का निर्माण होगा। शुक्र 13 जनवरी को शनि की राशि मकर में प्रवेश करेंगे,जबकि 17 जनवरी को बुध के मकर राशि में पहुंचने से ये युति प्रभाव में आएगी। बुध और शुक्र इससे पहले साल 2022 में एक साथ मकर राशि में मिले थे। लक्ष्मी नारायण राजयोग के प्रभाव से वृषभ और कर्क सहित 4 राशियों को चौगुना लाभ मिलेगा। यह योग व्यक्ति को जीवन में धन, सुख-समृद्धि प्रदान करता है। इससे भौतिक सुखों में वृद्धि होती है, आय के नए स्रोत खुलते हैं और करियर में सफलता मिलती है।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के भाग्य भाव में लक्ष्मीनारायण राजयोग बन रहा है। इस अवधि में आपका भाग्य प्रबल रहेगा। परिवार के साथ धार्मिक यात्राओं के संयोग बन रहे हैं। पिता के सहयोग से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने या किसी नई डील को फाइनल करने से लिए यह समय बेहद शुभ रहेगा। विदेश से जुड़ा काम करने वाले लोगों को सफलता मिलेगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान आपको कार्य क्षेत्र में सहयोगियों का पूरा साथ भी मिलेगा।

कर्क राशि – कर्क राशि वालों के सप्तम भाव में बन रहा लक्ष्मीनारायण राजयोग बेहद ही शुभ और लाभकारी रहने वाला है। बुध और शुक्र की युति से फैमिली लाइफ अच्छी रहेगी और वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी। इसके साथ ही अविवाहित लोगों के लिए विवाह के योग बनेंगे। जल्द ही कोई अच्छा प्रस्ताव भी मिल सकता है। घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन के होने की संभावना दिख रही है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन के अवसर प्राप्त होंगे। यह योग साझेदारी वाले कार्यों में भी सफलता दिलाएगा।

तुला राशि – लक्ष्मीनारायण राजयोग तुला राशि के चौथे भाव में बन रहा है। चौथे भाव सुख, घर और माता पक्ष का होता है। ऐसे में मकर राशि में बुध और शुक्र की युति आपके लिए सुख-सुविधाएं देने वाली रहेगी। मामा पक्ष से आपको सहयोग मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। घर और गाड़ी से जुड़ा आपका सपना अब पूरा हो सकता है। संपत्ति खरीदने के लिए यह समय शुभ है। इस दौरान कारोबार से जुड़ी यात्राएं आपके लिए लाभदायक रहेंगी। इससे आपको करियर में तरक्की मिलेगी।

मकर राशि – मकर राशि के लग्न भाव में लक्ष्मी नारायण राजयोग बन रहा है। ज्योतिष में इसे बहुत ही शुभ और फलदायी माना जाता है। जब बुध और शुक्र एक साथ मकर राशि में होते हैं तो भाग्य का भरपूर साथ मिलता है। ऐसे में जातकों को करियर में अपार सफलता और धन लाभ होता है। इस योग के प्रभाव से नौकरी में प्रमोशन और वेतन वृद्धि के अवसर प्राप्त होते हैं। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने की संभावना बनी रहती है।

मकर संक्रांति के पर्व पर खिचड़ी और चावल का दान कब और कैसे करें?

मकर संक्रांति इस बार 14 जनवरी को मनाया जाएगा। हालांकि, इस बार की मकर संक्रांति बेहद ही खास होने वाली है। क्योंकि,मकर संक्रांति पर इस बार एकादशी तिथि का संयोग बन गया है। ऐसे में मकर संक्रांति पर सूर्यदेव के साथ भगवान विष्णु की कृपा का लाभ भी मिलने वाला है। लेकिन इससे मकर संक्रांति पर एक दुविधा की स्थिति भी बन गई है जिसको लेकर लोगों में उलझन की स्थिति बनी हुई है। दरअसल मकर संक्रांति पर खिचड़ी खाने और दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। लेकिन, एकादशी तिथि होने के कारण अब सवाल यह उठता है कि, क्या इस बार मकर संक्रांति पर भगवान को खिचड़ी का भोग लगाना,खिचड़ी खाना और दान करना शुभ रहेगा या नहीं। आपके इन्हीं सवालों के जवाब यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि अबकी बार मकर संक्रांति पर एकादशी तिथि के संयोग में खिचड़ी खाने, दान करने और भगवान को भोग लगाने के संबंध में आप क्या कर सकते हैं।

सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है। सूर्य इस दिन अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हें। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होते हैं और देवताओं का दिन भी शुरू होता है। श्रीमद्भागवत गीता में भी मकर संक्रांति के दिन का बड़ा महत्व बताया गया है, इस दिन से देवलोक में दिन आरंभ होता और सूर्यदेव अपने दिए हुए वरदान के अनुसार मकर राशि में आकर धन समृद्धि और सुख लाते हैं। इसलिए भी इस दिन का विशेष महत्व है। और परंपराओं से चल मान्यता चली आ रही है कि मकर संक्रांति के दिन खिचड़ी का भोग लगता है और खिचड़ी एवं चावल का दान भी किया जाता है। लेकिन अबकी बार मकर संक्रांति के साथ षटतिला एकादशी का संयोग होने से दुविधा की स्थिति बन गई है।

शास्त्रों के अनुसार, एकादशी तिथि पर अन्न का सेवन और अन्न दान करना वर्जित माना गया है। खास तौर पर चावल खाने और दान करने की मनाही है। ऐसे में मकर संक्रांति पर इस बार आप तिल, गुड़ और मूंगफली आदि का दान कर सकते हैं। इस दिन आप चावल और खिचड़ी का बाकी सामान दान के निमित्त अलग से निकालकर घर के मंदिर में रख दें।

मकर संक्रांति 14 जनवरी बुधवार के दिन और उससे अगले दिन 15 जनवरी को गुरुवार है। शास्त्रों में गुरुवार के दिन खिचड़ी का सेवन वर्जित बताया गया है। ऐसे में आप उस दिन भी खिचड़ी नहीं बना सकते हैं तो ऐसे में शनिवार का दिन यानी 17 जनवरी को आप खिचड़ी बना सकते हैं और इसी दिन आप चावल का दान भी कर सकते हैं। बता दें कि 17 जनवरी शनिवार के दिन सप्तमी उपरांत अष्टमी तिथि रहेगी जो शनि से संबंधित है और सूर्य जब तक मकर राशि में गोचर करते रहेंगे तब तक माघ मास में दान पुण्य का संयोग बना रहेगा। ऐसे में इस दिन जो भी आप चावल आदि का दान करेंगे उसका आपको उत्तम फल मिलेगा। आप 17 जनवरी को खिचड़ी का सेवन भी करेंगे तो यह शुभ रहेगा और आपके ग्रह दोष कटेंगे।

मकर संक्रांति 2026 पर क्या दान करें ?

मकर संक्रांति पर इस बार आप चाहें तो गुड़, तिल, तिल से बनी चीजें जैसे लड्डू आदि का दान करें। इस दिन तिल का दान करने से पापों का नाश होता है। साथ ही तिल का दान करने से सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। इस दिन दान पुण्य करने से सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है।

अंगारक योग से वृषभ, सिंह समेत निम्न राशियों को रहना होगा सतर्क

मंगल गोचर कुंभ राशि में 23 फरवरी, सोमवार के दिन होने जा रहा है। मंगल अग्नि है और कुंभ राशि वायु तत्व से संबंधित होती है। जबकि कुंभ भी वायु तत्व की राशि है। ऐसे में इन दोनों ग्रहों के एक साथ आने से भयानक अंगारक बनेगा। ज्योतिषीय ग्रंथों में इसे एक प्रतिकूल योग माना गया है। जब राहु और मंगल किसी भी भाव में एक साथ युति करते हैं तो अंगारक योग का संयोग बनता है। इन दोनों का एक साथ मिलना ऐसा है जैसे वायु द्वारा आग और भड़काना। ऐसे में लोग आवेश में आकर ऐसे निर्णय ले लेते हैं, जिससे भारी संकटों का सामना करना पड़ता है, आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। वहीं, इस योग से विश्वभर में भी ऐसे संयोग बनने लगते हैं जिससे जन-धन की हानि होने का भय रहता है। मेरी गणना और अनुभव बताती है कि अब पूरे 18 साल बाद आग और हवा के एक साथ कुंभ राशि में आने से अंगारक योग का भयावह संयोग बनने जा रहा है। ऐसे में वृषभ, सिंह सहित 5 राशियों के लिए भारी समय शुरू हो सकता है। इन्हें नौकरी, व्यवसाय और पारिवारिक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। तो आइए आपको हम विस्तार से बताते हैं कि, कुंभ राशि में मंगल के गोचर से किन-किन राशियों को अलर्ट रहना होगा। और किन उपायों को आजमाना फायदेमंद होगा।

वृषभ : नौकरी में आएंगी समस्याएं

मंगल गोचर वृषभ राशि के दशम भाव में होने जा रहा है। मंगल इस राशि को चतुर्थ दृष्टि से देखेंगे। इस अवधि के दौरान वृषभ राशि के जातकों को नौकरी में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों से सतर्क रहें और कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। आवेश में आकर निर्णय लेने से नुकसान हो सकता है।

आर्थिक हानि होने की संभावनाएं भी बनी हुई हैं। आपके सुख-सुविधाओं में भी कमी आ सकती है, जिससे मानसिक तनाव अधिक रहेगा। मंगल गोचर के दौरान आपको वाहन सावधानी से चलाने की सलाह है क्योंकि, कोई दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। ऐसे में अलर्ट रहना आवश्यक होगा।

उपाय : किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को लाल रंग के वस्त्र दान करें।

सिंह : अचानक बड़े बदलाव आएंगे

मंगल सिंह राशि के सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल गोचर की अवधि के दौरान सिंह राशि के जातकों को आवेश आकर में या बिना सोचे-समझे कोई भी निर्णय लेने से बचना होगा। अन्यथा बड़ी हानि का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार के क्षेत्र में भी सतर्क रहने की सलाह है। साझेदार में काम करते हैं तो संयम से काम लेना आवश्यक होगा। कार्यक्षेत्र में आपको अचानक किसी बदलाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा। रिश्तों में कठिन दौर सामने आने की आशंका है। ऐसे में धैर्य बनाए रखना आवश्यक होगा, अन्यथा संबंधों में खटास आ सकती है। किसी भी प्रकार का जोखिम लेने से बचें।

उपाय : नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना शुभ रहेगा।

कन्या : बड़ी चुनौतियां आएंगी सामने

मंगल का गोचर कन्या राशि के छठे भाव में होगा और मंगल अष्टम दृष्टि से देखेंगे। इस अवधि में आपको उधार लेने या देने से बचना होगा, अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है। स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस समय में शत्रु अधिक सक्रिय रह सकते हैं। ऐसे में आपको अलर्ट रहने की सलाह है। कड़ी मेहनत करने के बावजूद भी अपेक्षित फल न प्राप्त होने से तनाव बढ़ेगा। मान-सम्मान की हानि हो सकती है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना आवश्यक होगा। आपको मंगल गोचर के दौरान बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

उपाय : बजरंगबाण का पाठ करना लाभदायक सिद्ध होगा।

कुंभ : आर्थिक हानि होने की आशंका

मंगल गोचर कुंभ राशि के लग्न यानी प्रथम भाव में होने जा रहा है। इस अवधि में आपको आवेश में आकर कोई भी निर्णय लेने से बचना होगा। आपको वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की सलाह है, दुर्घटना होने की आशंका है। मानसिक तनाव बना रह सकता है और आर्थिक मामलों में आपके सामने चुनौतियां आ सकती है। इसी के चलते धन की हानि भी हो सकती है। पारिवारिक मामलों में सतर्क रहने की जरूरत होगी। धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय लेना या अधिक क्रोध से स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है।

मीन : जोखिमों से रहें दूर

मंगल का गोचर मीन राशि वालों के द्वादश भाव में होगा। ऐसे में आपको इस दौरान आर्थिक मामलों में सतर्क रहने की सलाह है। जोखिम भरे निवेशों से बचे। अचानक अनावश्यक यात्राओं पर जाना पड़ सकता है, जिससे खर्चे बढ़ेंगे। गुप्त शत्रु भी इस समय अधिक सक्रिय रह सकते हैं। आपको वाहन चलाते समय सावधानी बरतनी होगी। तनाव बना रह सकता है जिसका असर आपकी नींद पर भी पड़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आने की आशंका है और नौकरी करने वालों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

उपाय : ओम क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः मंत्र का 108 बार जाप करें।

षटतिला एकादशी व्रत 14 को जानें महत्व और पूजा विधि

माघ मास में आने वाली एकादशी का नाम षटतिला एकादशी होता है। षटतिला एकादशी पर भगवान विष्णु की तिल से पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति षटतिला एकादशी का व्रत रखता है उसके जीवन में सुख और पुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन किए गए दान पुण्य का भी व्यक्ति को दोगुना लाभ मिलता है। इस बार षटतिला एकादशी पर बहुत ही शुभ योग बन रहा है। आइए जानते हैं षटतिला एकादशी का व्रत कब है साथ ही जाने महत्व और पूजा विधि।

वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार, एकादशी तिथि का आरंभ 13 जनवरी मंगलवार को दोपहर में 3 बजकर 18 मिनट पर होगा और 14 जनवरी को शाम में 5 बजकर 52 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदय तिथि के अनुसार, एकादशी का व्रत 14 जनवरी के दिन ही रखा जाएगा। इस बार षटतिला एकादशी के साथ मकर संक्रांति का शुभ संयोग भी बन रहा है। षटतिला एकादशी पर इस बार सर्वार्थ सिद्धि के साथ साथ अमृत सिद्धि योग बन रहा है।

षटतिला एकादशी का महत्व

ऐसी मान्यता है कि षटतिला एकादशी का व्रत करने वालों को पाप से मुक्ति मिलती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है और इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से भी पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इस दिन तिल का दान और तिल से जुड़े उपाय करना का दोगुना लाभ मिलता है।

षटतिला एकादशी पूजा विधि

✻ षटतिला एकादशी के मौके पर सुबह जल्दी उठकर स्नान करें। सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पीले रंग के वस्त्र धारण करें।

✻ इसके बाद पीले रंग का वस्त्र चौकी पर बिछाएं और भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद एकादशी व्रत कथा का पाठ करें और विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

✻ पूजा में तिल से बने व्यंजन का इस्तेमाल करें। भगवान विष्णु को तिल के लड्डुओं को भोग लगाएं और प्रसाद के रुप में सभी को दें।

माघ मास की सप्तमी तिथि, जानें शुभ मुहूर्त और राहुकाल

सनातन धर्म में पंचांग का विशेष महत्व है। किसी भी शुभ कार्य या पूजा-पाठ की शुरुआत से पहले पंचांग से शुभ मुहूर्त, तिथि, नक्षत्र आदि का विचार किया जाता है। राहुकाल या भद्राकाल जैसे अशुभ समय में महत्वपूर्ण कार्य वर्जित माने जाते हैं। जानते हैं 9 जनवरी, दिन शुक्रवार का संपूर्ण पंचांग। पंचांग के पांच मुख्य अंग तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण होते हैं। इनका ध्यान रखकर कार्य करने से सफलता मिलती है। ज्योतिष विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि शुभ मुहूर्त में कार्य कर अशुभ समय से बचना चाहिए। दृक पंचांग के अनुसार, 9 जनवरी को शुक्रवार का दिन है। माघ मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि पूरी रात तक रहेगी। उसके बाद अष्टमी तिथि शुरू हो जाएगी। सूर्य धनु राशि में और चंद्रमा कन्या राशि में गोचर करेंगे।

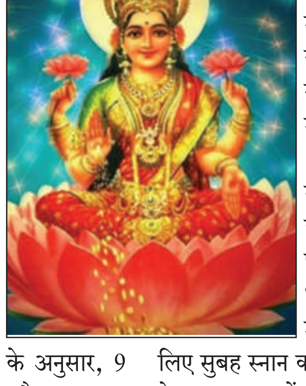

सूर्योदय सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 5 बजकर 41 मिनट पर होगा। उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र दोपहर 1 बजकर 40 मिनट तक रहेगा, उसके बाद हस्त नक्षत्र लगेगा। योग शोभन दोपहर 4 बजकर 56 मिनट तक और फिर अतिगंड योग रहेगा। करण विष्टि शाम 7 बजकर 39 मिनट तक और फिर बव करण पूरी रात रहेगा।

वही, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 7 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगा, जो शुभ कार्यों के लिए उत्तम समय है। शुभ कार्य करने वालों को राहुकाल का विशेष ध्यान रखना चाहिए। राहुकाल सुबह 11 बजकर 10 मिनट से दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। इस समय कोई नया या महत्वपूर्ण कार्य शुरू नहीं करना चाहिए, क्योंकि राहुकाल में किए कामों में बाधाएं आ सकती हैं।

शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन विष्णुप्रिया की पूजा करने से घर में धन-समृद्धि और सुख-शांति आती है। पूजा के लिए सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। घर के पूजा स्थल में माता लक्ष्मी की प्रतिमा या फोटो की विधिवत पूजन करें। माता के सामने दीपक जलाएं और धूप-अगरबत्ती दिखाएं।

माता लक्ष्मी को इत्र, अबीर-बुक्का, कमल का फूल, लाल या पीले फूल, फल, सफेद मिठाई और दूध का प्रसाद चढ़ाएं। इसके बाद 'ओम श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें। लक्ष्मी चालीसा, कनक धारा या सूक्त पाठ करें। प्रसाद के रूप में खीर या हलवा बनाएं। शाम को दीपक जलाकर आरती करें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और दान करें। नियमित रूप से शुक्रवार व्रत रखने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और आर्थिक संकट दूर होते हैं।

पांच दिन में पांच ग्रहों का एक ही राशि में गोचर, जानिए किस राशि को लाभ और किसे हो सकता है नुकसान

जनवरी 2026 का दूसरा सप्ताह ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि लगातार पांच दिनों में पांच बड़े ग्रह एक ही राशि मकर में प्रवेश करने जा रहे हैं। शुक्र, सूर्य, मंगल और बुध जैसे प्रभावशाली ग्रहों का एक ही राशि में एकत्र होना कई राशियों के जीवन पर गहरा असर डाल सकता है। इस ग्रह योग से कुछ राशियों के लिए करियर, धन और रिश्तों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है, वहीं कुछ राशियों को सतर्क रहने की आवश्यकता भी रहेगी।

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए यह गोचर करियर को लेकर दबाव बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और निर्णय लेते समय सावधानी जरूरी होगी। वरिष्ठ अधिकारियों से तालमेल बनाए रखना आवश्यक रहेगा।

वृषभ: वृषभ राशि के लिए यह समय कुछ उतार-चढ़ाव लेकर आ सकता है। आर्थिक मामलों में अपेक्षित लाभ में देरी संभव है। योजनाओं को लेकर धैर्य रखना और जल्दबाजी से बचना बेहतर रहेगा।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों के लिए यह ग्रह गोचर लाभकारी साबित हो सकता है। व्यापार, निवेश और करियर से जुड़े फैसलों में सफलता के संकेत मिलते हैं। नई योजनाएं आगे चलकर अच्छा परिणाम दे सकती हैं।

कर्क : कर्क राशि पर ग्रहों का प्रभाव मिश्रित रहेगा। पारिवारिक और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। काम के सिलसिले में अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह : सिंह राशि के जातकों के लिए यह समय थोड़ा संभलकर चलने का संकेत देता है। करियर में अपेक्षा के अनुरूप परिणाम न मिलने से मन में असंतोष रह सकता है। बड़े निर्णय सोच-समझकर लेना बेहतर होगा।

कन्या : कन्या राशि के लिए यह गोचर सामान्य से बेहतर माना जा सकता है। कामकाज में स्थिरता आएगी और लंबे समय से रुके कार्य धीरे-धीरे आगे बढ़ सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि महसूस होगी।

तुला : तुला राशि के जातकों के लिए यह समय कुछ तनावपूर्ण रह सकता है। आर्थिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत होगी। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ मतभेद से बचना जरूरी रहेगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लिए यह ग्रह योग अनुकूल संकेत दे रहा है। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं और मेहनत का परिणाम मिलने की संभावना है। निजी जीवन में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

धनु : धनु राशि के जातकों के लिए यह समय आत्ममंथन का रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। करियर में धीरे-धीरे प्रगति के संकेत मिलते हैं, लेकिन धैर्य बनाए रखना आवश्यक है।

मकर : मकर राशि के लिए यह गोचर सबसे अधिक प्रभावशाली रहेगा क्योंकि सभी ग्रह इसी राशि में प्रवेश कर रहे हैं। करियर, पद-प्रतिष्ठा और जिम्मेदारियों में वृद्धि हो सकती है। मेहनत का सीधा असर आगे चलकर दिखाई देगा।

कुंभ : कुंभ राशि के जातकों के लिए यह समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं और मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। फैसले सोच-समझकर लेना जरूरी रहेगा।

मीन राशि: मीन राशि के लिए यह ग्रह गोचर लाभ के योग बना रहा है। करियर और व्यवसाय में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और भविष्य की योजनाओं को लेकर आत्मविश्वास मजबूत होगा।

कुल मिलाकर, जनवरी 2026 में बनने वाला यह विशेष ग्रह योग कई राशियों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। जहां कुछ राशियों को आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे, वहीं कुछ को संतुलन और सावधानी के साथ कदम रखने की जरूरत रहेगी।

संपादकीय

जेएनयू को बदनाम करते वामपंथी

दिल्ली का जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और जीवंत राजनीतिक विमर्श के लिए विश्वभर में जाना जाता है। लेकिन, कम्युनिस्टों ने इस शैक्षणिक संस्थान को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कम्युनिस्टों ने शैक्षणिक गतिविधियों की जगह हिंसक और नफरत का वातावरण बनाने का काम किया है। युवा विद्यार्थियों को भ्रमित करके उनके मन में भारत और भारतीयता के विरुद्ध जहर भरने का घृणित कार्य वामपंथियों ने किया है। सोमवार की रात को परिसर में जो हुआ, वह इसी मानसिकता का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की मृत्यु की कामना करनेवाले और इस्लामिक नारे लगाना न केवल जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं पर भी एक बदनुमा दाग है। उच्चतम न्यायालय द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद, विरोध प्रदर्शन की आड़ में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए 'कब्र खुदेगी' जैसे नारों का इस्तेमाल करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि मानसिक दिवालियापन और घृणा का प्रदर्शन है। एक बात समझ नहीं आती कि निर्णय न्यायालय का है, फिर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के खिलाफ नारेबाजी क्यों? एक प्रश्न यह भी है कि आखिर कम्युनिस्ट भारत की न्यायपालिका और संविधान में विश्वास क्यों नहीं रखते हैं? क्या वे जंगल से खदेड़े जाने के बाद शिक्षा संस्थानों में जनताना अदालतें लगाना चाहते हैं? सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विरोध में सड़कों पर उतरकर अभद्रता करना न्यायपालिका की अवमानना और संविधान के प्रति अनादर को दर्शाता है। यदि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के खिलाफ इस तरह के प्रदर्शन आम हो जाएंगे, तो कानून के राज का क्या अर्थ रह जाएगा? एक शैक्षणिक परिसर में कभी आतंकवादी के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं तो कभी दंगों के आरोपियों के लिए छाती पीटी जा रही है? यह किस तरह का बौद्धिक दिवालियापन है? यह कैसी विचारधारा है, जो दंगाइयों और आतंकियों के संरक्षण की सीख देती है? लोकतंत्र में असहमति और विरोध का स्थान सर्वोच्च है। न्यायालय के फैसलों पर भी तार्किक बहस की जा सकती है। यदि छात्र संगठन उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होने से निराश थे, तो उनके पास विरोध दर्ज कराने के संवैधानिक तरीके मौजूद थे। परंतु, देश के निर्वाचित सर्वोच्च पदाधिकारियों के प्रति हिंसक और अभद्र शब्दावली का प्रयोग करना किसी भी तर्क से जायज नहीं ठहराया जा सकता। कांग्रेस नेता उदित राज का यह तर्क कि "यह विरोध का एक तरीका है", अत्यंत गैर-जिम्मेदाराना है। हिंसा का आह्वान या मृत्यु की कामना करना विरोध का तरीका नहीं हो सकता; यह सीधे तौर पर अराजकता को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय प्रशासन का यह कथन स्वागत योग्य है कि परिसर को "नफरत फैलाने का स्थान" नहीं बनने दिया जाएगा। शिक्षण संस्थान सीखने, नवाचार और तर्कपूर्ण बहस के केंद्र होते हैं। जब वहां के वातावरण में संवाद की जगह उन्माद शोर और हिंसा की मानसिकता ले लेती है, तो सबसे बड़ा नुकसान उन आम छात्रों का होता है जो वहां अपना भविष्य संवारने आते हैं। जेएनयू बार-बार राष्ट्रविरोधी नारों और विवादास्पद गतिविधियों के कारण सुर्खियों में रहता है, जिससे इसकी अकादमिक उपलब्धियां गौण हो जाती हैं। यह आवश्यक हो गया है कि जेएनयू प्रशासन केवल चेतावनी तक सीमित न रहे, बल्कि उन तत्वों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे जो छात्र राजनीति की आड़ में वैमनस्य फैला रहे हैं। साथ ही, छात्रों को भी आत्ममंथन करना होगा कि 'क्रांतिकारी' दिखने की होड़ में वे कहीं अपनी नैतिक और भाषाई मर्यादा की 'कब्र' तो नहीं खोद रहे?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की मृत्यु की कामना करनेवाले और इस्लामिक नारे लगाना न केवल जेएनयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की गरिमा के प्रतिकूल है, बल्कि स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं पर भी एक बदनुमा दाग है। उच्चतम न्यायालय द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद, विरोध प्रदर्शन की आड़ में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए 'कब्र खुदेगी' जैसे नारों का इस्तेमाल करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं, बल्कि मानसिक दिवालियापन और घृणा का प्रदर्शन है। एक बात समझ नहीं आती कि निर्णय न्यायालय का है, फिर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के खिलाफ नारेबाजी क्यों? एक प्रश्न यह भी है कि आखिर कम्युनिस्ट भारत की न्यायपालिका और संविधान में विश्वास क्यों नहीं रखते हैं? क्या वे जंगल से खदेड़े जाने के बाद शिक्षा संस्थानों में जनताना अदालतें लगाना चाहते हैं? सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के विरोध में सड़कों पर उतरकर अभद्रता करना न्यायपालिका की अवमानना और संविधान के प्रति अनादर को दर्शाता है। यदि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के खिलाफ इस तरह के प्रदर्शन आम हो जाएंगे, तो कानून के राज का क्या अर्थ रह जाएगा? शैक्षणिक परिसर में कभी आतंकवादी के समर्थन में प्रदर्शन हो रहे हैं तो कभी दंगों के आरोपियों के लिए छाती पीटी जा रही है? यह किस तरह का बौद्धिक दिवालियापन है? यह कैसी विचारधारा है, जो दंगाइयों और आतंकियों के संरक्षण की सीख देती है? लोकतंत्र में असहमति और विरोध का स्थान सर्वोच्च है।

वायु आयोग से अदालत तकः दिल्ली के प्रदूषण पर कौन लेगा जवाबदेही?

दिल्ली-एनसीआर की प्रदूषित हवा पर अदालत की सर्जरी

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली आज किसी महानगर की तरह नहीं बल्कि एक ऐसे विशाल गैस चैंबर की तरह सांस ले रही है, जहां हर सुबह धुंध नहीं, धीमा जहर उतरता है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं बल्कि वह भयावह यथार्थ है, जिसे राष्ट्रीय राजधानी के करोड़ों नागरिक हर दिन अपने फेफड़ों में भरने को मजबूर हैं। 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने इस कड़वी सच्चाई को एक बार फिर उजागर कर दिया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण अब मौसमी संकट नहीं, स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा बन चुका है। अदालत की कड़ी टिप्पणियां केवल एक संवैधानिक संस्था की नाराजगी भर नहीं थी बल्कि वे उस सामूहिक असफलता का आईना थी, जिसमें नीतियां तो बनी, योजनाएं भी बनी लेकिन जमीन पर उतरते ही उनका दम घुटने लगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की कार्यशैली पर न्यायालय की फटकार इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वर्षों से दी जा रही चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था ने इस संकट की गंभीरता को न तो पूरी तरह समझा और न ही उसे स्वीकार करने का साहस दिखाया। अदालत के समक्ष सबसे बड़ा और बुनियादी प्रश्न यही था कि आखिर दिल्ली-एनसीआर की हवा हर सर्दी में जानलेवा क्यों बन जाती है, जबकि समाधान की बातें पूरे साल फाइलों, बैठकों और घोषणाओं में गूंजती रहती हैं। आयोग द्वारा दिल्ली की सीमाओं पर स्थित टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के लिए समय मांगना मानो समस्या से बचने का एक और प्रयास था। इस पर न्यायालय का रुख बिल्कुल स्पष्ट था कि अब देरी स्वीकार्य नहीं है। प्रदूषण के कारणों की ठोस पहचान किए बिना समाधान की कोई भी रणनीति केवल दिखावा बनकर रह जाती है। यह भी चिंताजनक है कि आज तक विशेषज्ञ संस्थानों के बीच प्रदूषण के स्रोतों को लेकर स्पष्ट सहमति नहीं बन पाई है। अलग-अलग अध्ययन वाहनों, उद्योगों, निर्माण धूल और पराली को अलग-अलग अनुपात में दोषी ठहराते हैं, जिससे नीति-निर्माण भ्रम और अनिर्णय की दलदल में फंस जाता है। न्यायालय ने जिस सख्ती से आयोग को विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और दो सप्ताह के भीतर एक समग्र रिपोर्ट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया, वह लोकतांत्रिक पारदर्शिता और जवाबदेही की अनिवार्यता को रेखांकित करता है। प्रदूषण के कारणों को सार्वजनिक करना इसलिए भी जरूरी है ताकि आम नागरिक यह समझ सके कि समस्या की जड़ कहां है और किस स्तर पर उनका अपना आचरण इस संकट को गहरा कर रहा है। वर्षों से पराली जलाने को प्रदूषण का सबसे आसान खलनायक बना दिया गया जबकि वास्तविकता यह है कि अत्यधिक निजी वाहन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, अंतहीन ट्रैफिक जाम, खुले में कचरा जलाना, औद्योगिक उत्सर्जन जैसी दिल्ली के भीतर की गतिविधियां स्वयं इस जहर का सबसे बड़ा स्रोत हैं। कोरोना काल के दौरान जब ट्रैफिक और निर्माण गतिविधियां लगभग ठप्प थी, तब पराली जलने के बावजूद अपेक्षाकृत साफ आसमान

6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने इस कड़वी सच्चाई को एक बार फिर उजागर कर दिया कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण अब मौसमी संकट नहीं, स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा बन चुका है। अदालत की कड़ी टिप्पणियां केवल एक संवैधानिक संस्था की नाराजगी भर नहीं थी बल्कि वे उस सामूहिक असफलता का आईना थी, जिसमें नीतियां तो बनी, योजनाएं भी बनी लेकिन जमीन पर उतरते ही उनका दम घुटने लगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की कार्यशैली पर न्यायालय की फटकार इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वर्षों से दी जा रही चेतावनियों के बावजूद व्यवस्था ने इस संकट की गंभीरता को न तो पूरी तरह समझा और न ही उसे स्वीकार करने का साहस दिखाया। अदालत के समक्ष सबसे बड़ा और बुनियादी प्रश्न यही था कि आखिर दिल्ली-एनसीआर की हवा हर सर्दी में जानलेवा क्यों बन जाती है, जबकि समाधान की बातें पूरे साल फाइलों, बैठकों और घोषणाओं में गूंजती रहती हैं।

ने इस सच्चाई को निर्विवाद रूप से सामने रख दिया था। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की यह टिप्पणी कि कार आज आवश्यकता नहीं बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बन चुकी है, आधुनिक शहरी जीवनशैली पर सीधा और तीखा प्रहार है। दिल्ली में निजी वाहनों की बाढ़ ने न केवल सड़कों को जाम कर दिया है बल्कि हवा को भी जहर से भर दिया है। साइकिल और सार्वजनिक परिवहन को त्यागकर कार को प्राथमिकता देना एक ऐसी सामाजिक प्रवृत्ति बन चुकी है, जिसके दुष्परिणाम अब सामूहिक स्वास्थ्य पर साफ दिखाई देने लगे हैं। अदालत का यह संकेत कि एक से अधिक कार रखने पर रोक जैसे कठोर कदमों पर भी विचार होना चाहिए, इस बात का प्रमाण है कि समस्या की जड़ तकनीक या मौसम में नहीं बल्कि हमारी जीवनशैली में छिपी है। इस प्रदूषण का सबसे बड़ा और सबसे मूक शिकार वही वर्ग बनता है, जिसके पास इससे बचने के साधन नहीं हैं। झुग्गियों में रहने वाले लोग, सड़क किनारे काम करने वाले मजदूर, निर्माण स्थलों पर दिन-रात पसीना बहाने वाले श्रमिक, इनके लिए एयर प्यूरीफायर, बंद खिड़कियां और महंगे मास्क महज दूर का सपना हैं। सम्पन्न वर्ग किसी हद तक खुद को इस जहर से बचा लेता है लेकिन गरीबों के लिए यह हवा धीरे-धीरे मौत का निमंत्रण बन जाती है। बच्चों में अस्थमा, बुजुर्गों में सांस की बीमारियां और युवाओं में एलर्जी, थकान और मानसिक तनाव के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चिकित्सकीय शोध स्पष्ट कर चुके हैं कि स्मॉग केवल फेफड़ों तक सीमित नहीं रहता बल्कि मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है, स्मृति को कमजोर करता है और शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को बढ़ाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वायु प्रदूषण को 'साइलेंट किलर' कहा जाना भारत के संदर्भ में एक भयावह सच बन चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। केंद्र और राज्य सरकारें हर सर्दी में आरोप-प्रत्यारोप के उसी पुराने खेल में उलझ जाती हैं। कभी पड़ोसी राज्यों को दोषी ठहराया जाता है, कभी मौसम को और कभी न्यायालय की सख्ती को। आम नागरिकों के हिस्से में केवल सलाह आती है, घर में रहें, मास्क पहनें, बच्चों को बाहर न भेजें। ये उपाय आपात स्थिति में राहत तो दे सकते हैं लेकिन समाधान नहीं बन सकते। जब न्यायालय कहता है कि 'हम समस्या जानते हैं लेकिन ऐसे आदेश चाहिएं जिनका पालन हो सके' तो यह सीधे उस शासकीय निष्क्रियता पर सवाल है, जिसने प्रदूषण को अस्थायी संकट से स्थायी आपदा में बदल दिया है। 'ग्रैप' (ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान) आज एक घिसी-पिटी और लगभग निष्प्रभावी प्रक्रिया बन चुका है। निर्माण कार्यों पर रोक, स्कूलों की बंदी, ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध, हर साल यही कदम और हर साल वही नतीजा। इन उपायों का पालन आधा-अधूरा रहता है। निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के नियमों की खुलेआम अनदेखी होती है, सड़कों की नियमित सफाई और मरम्मत नहीं हो पाती, वैक्यूम मशीनें या तो खराब रहती हैं या कागजों में चलती हैं और वाहनों की फिटनेस जांच भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के आंकड़े खुद बताते हैं कि समस्या का बड़ा हिस्सा दिल्ली के भीतर से ही पैदा हो रहा है लेकिन जवाबदेही हमेशा बाहर खोजी जाती है। इस जहरीली हवा का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं बल्कि यह अब मानसिक और सामाजिक बोझ भी बन चुका है। धुंध भरी सुबहें, धूसर आसमान और आंखों में जलन यही दिल्ली-एनसीआर की नियति बन गई है। जिस दिल्ली को कभी हरित राजधानी के रूप में विकसित करने के सपने देखे गए थे, वह आज अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदूषित शहर के रूप में पहचानी जाने लगी है। विदेशी दूतावासों द्वारा अपने नागरिकों को बाहर न निकलने की सलाह देना किसी भी राष्ट्र की राजधानी के लिए शर्मनाक स्थिति है। यह केवल पर्यावरणीय नहीं बल्कि कूटनीतिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण की समस्या किसी एक शहर या राज्य तक सीमित नहीं रह सकती क्योंकि हवा सीमाएं नहीं मानती। गाजियाबाद, नोएडा, गुरुग्राम और फरीदाबाद तक फैला यह संकट संयुक्त और समन्वित कार्रवाई की मांग करता है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में कृषि अवशेष प्रबंधन के लिए ठोस आर्थिक सहायता और तकनीकी समाधान दिए बिना पराली जलाने की समस्या खत्म नहीं हो सकती। यह विडंबना है कि किसान आज भी मशीनों की सब्सिडी का इंतजार करते हैं जबकि सरकारें विज्ञापनों और घोषणाओं में नियंत्रण के दावे करती रहती हैं। अब समय आ गया है कि सरकारें स्वीकार करें कि वायु प्रदूषण भाषणों, सम्मेलनों और अदालती तारीखों से नहीं, ईमानदार क्रियान्वयन से घटेगा। दिल्ली को तेजी से इलैक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बढ़ना होगा, सार्वजनिक परिवहन को निजी वाहनों से कहीं अधिक सुलभ, विश्वसनीय और आकर्षक बनाना होगा। निर्माण गतिविधियों के लिए स्थायी और सख्त नियम लागू करने होंगे, न कि केवल सर्दियों में अस्थायी प्रतिबंध। उद्योगों को हरित तकनीक अपनाने के लिए बाध्य करना होगा और उल्लंघन पर बिना भेदभाव के दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। दिल्ली की हवा हर दिन नागरिकों के जीवन से वर्षों चुरा रही है। यह धीरे-धीरे होती एक सामूहिक आत्महत्या जैसी स्थिति है, जिसे अब और अनदेखा नहीं किया जा सकता।

देश दुनिया से

सड़क दुर्घटना मुआवज़ा और संविधान

सड़क दुर्घटना मुआवज़े की तकनीकी व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान के मूल दर्शन—समता, गरिमा और कल्याणकारी राज्य—से गहराई से जुड़ा हुआ है। भारत में हर वर्ष लाखों सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और इनमें हज़ारों लोग अपनी जान गंवाते हैं या स्थायी रूप से अपंग हो जाते हैं। ऐसी परिस्थितियों में मुआवज़ा केवल आर्थिक राहत नहीं होता, बल्कि यह राज्य द्वारा पीड़ित के जीवन-मूल्य को स्वीकार करने और उसकी गरिमा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास भी होता है। मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वर्तमान मुआवज़ा प्रणाली मुख्यतः आय-आधारित है, जो पहली दृष्टि में तर्कसंगत लग सकती है, लेकिन गहराई से देखने पर यह संवैधानिक मूल्यों के साथ कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। मोटर वाहन अधिनियम में अपनाई गई 'मल्टीप्लायर पद्धति' पीड़ित की आय, आयु और आश्रितों की संख्या के आधार पर मुआवज़ा निर्धारित करती है। इसका उद्देश्य यह माना गया कि दुर्घटना से पूर्व जिस आर्थिक स्थिति में परिवार था, उसे यथासंभव पुनर्स्थापित किया जा सके। किंतु इस पद्धति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह मनुष्य के जीवन को उसकी बाज़ार-योग्यता से जोड़ देती है। एक उच्च वेतन पाने वाले व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता पर लाखों या करोड़ों रुपये का मुआवज़ा तय होता है, जबकि एक दिहाड़ी मज़दूर, रिक्शा चालक या असंगठित क्षेत्र के श्रमिक के लिए यह राशि बहुत कम होती है। इस प्रकार कानून अनजाने में यह संदेश देता है कि किसी व्यक्ति का जीवन उसकी आय के अनुपात में अधिक या कम मूल्यवान है। यह दृष्टिकोण सीधे-सीधे संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित 'कानून के समक्ष समानता' के सिद्धांत को चुनौती देता है। अनुच्छेद 14 केवल समान व्यवहार की बात नहीं करता, बल्कि यह मनमाने और असंगत वर्गीकरण पर रोक भी लगाता है। जब दो नागरिक समान परिस्थितियों में सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं, लेकिन केवल आय के आधार पर उनके जीवन का मूल्य अलग-अलग तय किया जाता है, तो यह एक प्रकार का संवैधानिक विरोधाभास उत्पन्न करता है। राज्य एक ओर सभी नागरिकों को समान मानता है, दूसरी ओर मुआवज़े के स्तर पर उनके बीच आर्थिक हैसियत के आधार पर भेद करता है। इस व्यवस्था का सबसे गंभीर प्रभाव उन वर्गों पर पड़ता है जिनकी आय औपचारिक रूप से दर्ज नहीं होती या जिन्हें 'अर्जक' ही नहीं माना जाता। गृहिणियाँ, बच्चे, वृद्ध और छात्र अक्सर 'काल्पनिक आय' के आधार पर मुआवज़ा प्राप्त करते हैं। यह काल्पनिक आय वास्तविक सामाजिक योगदान को प्रतिबिंबित नहीं करती। एक गृहिणी का श्रम घर के भीतर अदृश्य रहता है, लेकिन वह परिवार और समाज की आर्थिक संरचना को संभालने में केंद्रीय भूमिका निभाती है। सर्वोच्च न्यायालय ने किर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस (2021) जैसे मामलों में यह स्पष्ट किया है कि गृहिणी का कार्य केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि आर्थिक मूल्य भी रखता है। इसके बावजूद, व्यवहार में मुआवज़े की गणना में यह योगदान अभी भी पर्याप्त रूप से प्रतिबिंबित नहीं होता। आय-आधारित मुआवज़ा प्रणाली का एक और संवैधानिक आयाम अनुच्छेद 21 से जुड़ा है, जो 'जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार' की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया है कि जीवन का अर्थ केवल शारीरिक अस्तित्व नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन है। जब किसी व्यक्ति की मृत्यु या अपंगता के बाद उसका जीवन-मूल्य केवल गणितीय सूत्रों और आय-स्लैब तक सीमित कर दिया जाता है, तो यह उसकी अंतर्निहित गरिमा को कमतर आँकने जैसा प्रतीत होता है। जीवन को केवल आर्थिक हानि के चश्मे से देखना उस संवेदनशील पीड़ा, मानसिक आघात और सामाजिक असुरक्षा को नज़रअंदाज़ करता है, जिसका सामना पीड़ित परिवार को करना पड़ता है। इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि 'न्यायसंगत मुआवज़ा' की अवधारणा स्वयं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्यापक अर्थों में व्याख्यायित की गई है। न्यायालय ने माना है कि मुआवज़ा केवल आय-हानि की भरपाई नहीं, बल्कि भावनात्मक क्षति, मानसिक वेदना और भविष्य की अनिश्चितता के लिए भी होना चाहिए। फिर भी, मौजूदा कानूनी ढांचा इन अमूर्त पहलुओं को पर्याप्त स्थान नहीं देता। परिणामस्वरूप, मुआवज़ा प्रक्रिया अक्सर एक यांत्रिक गणना बनकर रह जाती है, जिसमें मानवीय संवेदना का अभाव दिखाई देता है। यदि हम अन्य परिवहन कानूनों से तुलना करें, तो यह असमानता और भी स्पष्ट हो जाती है। रेलवे अधिनियम और विमानन से जुड़े कानूनों में दुर्घटना की स्थिति में एक समान, निश्चित मुआवज़ा निर्धारित है, जो पीड़ित की आय या सामाजिक स्थिति से स्वतंत्र होता है। उदाहरण के लिए, रेलवे दुर्घटनाओं में मृत्यु पर एक निश्चित राशि दी जाती है। यह व्यवस्था यह स्वीकार करती है कि सुरक्षा का अधिकार और जीवन का मूल्य सभी नागरिकों के लिए समान है। सड़क परिवहन क्षेत्र में इस तरह की एकरूपता का अभाव यह प्रश्न उठाता है कि क्या भारत में 'सुरक्षा का अधिकार' परिवहन माध्यम के अनुसार बदल जाता है। एक कल्याणकारी राज्य में राज्य की भूमिका केवल न्यायालयों के माध्यम से विवाद निपटाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक नागरिक को न्यूनतम गरिमा के साथ जीवन और मृत्यु दोनों में संरक्षण मिले। इस दृष्टि से सड़क दुर्घटना मुआवज़ा प्रणाली में सुधार समय की आवश्यकता है। सबसे पहले, एक उच्च और अनिवार्य न्यूनतम मुआवज़ा राशि तय की जानी चाहिए, जो 'नो-फॉल्ट लायबिलिटी' के सिद्धांत पर आधारित हो। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आय चाहे कुछ भी हो, प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक सम्मानजनक आधारभूत सहायता मिले। इसके साथ ही, गैर-अर्जक वर्गों के योगदान का यथार्थवादी मूल्यांकन किया जाना चाहिए। गृहिणियों, बच्चों और वृद्धों के लिए मुआवज़ा निर्धारित करते समय केवल काल्पनिक आय के बजाय उनके सामाजिक, देखभाल और भावनात्मक योगदान को भी महत्व दिया जाना चाहिए। यह सुधार न केवल लैंगिक न्याय की दिशा में कदम होगा, बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं के अधिक निकट भी होगा। मुद्रास्फीति और जीवन-यापन की बढ़ती लागत को देखते हुए मुआवज़ा राशियों का समय-समय पर स्वचालित संशोधन भी आवश्यक है। वर्तमान में 'नोटशनल इनकम' और अन्य पारंपरिक मदों की राशि वर्षों तक अपरिवर्तित रहती है, जिससे उनका वास्तविक मूल्य घटता जाता है। एक गतिशील व्यवस्था, जो आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को समायोजित कर सके, अधिक न्यायसंगत होगी। इसके अतिरिक्त, मुआवज़ा प्रणाली को केवल मृत्यु के बाद भुगतान तक सीमित नहीं रखना चाहिए। दुर्घटना के तुरंत बाद मिलने वाली चिकित्सा सहायता और नकद-रहित उपचार की व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

आप का नज़रिया

बांग्लादेश में गहराता मानवीय संकट

बांग्लादेश से आ रहे समाचार न केवल विचलित करने वाले हैं, बल्कि पड़ोसी देश में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और विशेष रूप से हिन्दू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या और अगले ही दिन एक हिन्दू दुकानदार शरत चक्रवर्ती मणि की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। 18 दिन में 6 हिन्दुओं की हत्याओं की घटनाएं सामने आई हैं। मारपीट और शोषण के मामले भी सामने आ रहे हैं। ये घटनाएं महज आंकडे नहीं हैं, बल्कि उस सांप्रदायिक सोच के प्रतिनिधि हैं, जिसने पिछले कुछ हफ्तों में वहां के हिन्दू समुदाय को दहशत के साये में जीने को मजबूर कर दिया है। घटनाओं की प्रकृति और उनमें अपनाए गए तरीके अत्यंत बर्बर और अमानवीय हैं। एक तरफ जहां राणा प्रताप को सरेआम गोली मारी गई, वहीं शरीयतपुर में व्यापारी खोकन चंद्र दास के साथ जो हुआ, वह इंसानियत को शर्मसार करने वाला है। धारदार हथियारों से हमला करना और फिर पेट्रोल डालकर जिंदा जला देना, अपराधियों के मन में बैठे गहरे सांप्रदायिक जहर को दर्शाता है। इससे भी अधिक वीभत्स घटना झेनाइदह में सामने आई, जहां एक 44 वर्षीय हिन्दू विधवा के साथ न केवल सामूहिक दुष्कर्म किया गया, बल्कि उसे पेड़ से बांधकर पीटा गया और उसके बाल तक काट दिए गए। अपराधियों द्वारा इस कृत्य का वीडियो बनाना यह साबित करता है कि उनमें कानून का रत्ती भर भी भय नहीं बचा है। कहने को बांग्लादेश में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनुस के हाथ में देश की बागडोर है लेकिन जिस प्रकार से इस्लामिक कट्टरपंथी खुलेआम आतंक मचा रहे हैं, वैसा आतंक इससे पहले कभी नहीं देखा गया। मोहम्मद युनुस सांप्रदायिक ताकतों के साथ ही खड़े नजर आ रहे हैं। अन्यथा इतना सबकुछ होने पर कुछ तो बोलते। दीपू चंद्र दास से लेकर राणा प्रताप तक, लगातार हो रही हत्याएं यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां सांप्रदायिक तत्व हावी हो चुके हैं। इसे यूँ भी समझ सकते हैं कि बीसीसीआई के कहने पर जब कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर रहमान को टीम से निकाला तो उसकी प्रतिक्रिया पूरा बांग्लादेश दे रहा है। अपने गिरेबां में झांकने की बजाय बांग्लादेश भारत को ही आँखें दिखा रहा है। दरअसल, बांग्लादेश पूरी तरह से पाकिस्तान और कट्टरपंथी इस्लामिक गिरोहों की गोद में जाकर बैठ गया है। बहरहाल, बांग्लादेश में हो रही ये घटनाएं भारत के लिए भी स्वाभाविक चिंता का विषय हैं। एक पड़ोसी राष्ट्र में, विशेषकर जब वहां सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता का दौर चल रहा हो, हिन्दू अल्पसंख्यकों का इस तरह निशाना बनना एक सुनियोजित षड्यंत्र का संकेत देता है। यह केवल एक देश का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन का वैश्विक मुद्दा है। बांग्लादेश की वर्तमान अंतरिम सरकार और प्रशासन की यह नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वे बहुसंख्यक तुष्टीकरण या राजनीतिक प्रतिशोध की आग में अल्पसंख्यकों को जलने से बचाएं। केवल घटनाओं के बाद कुछ गिरफ्तारियां कर लेना पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता है कि वहां की सरकार अल्पसंख्यकों के मन में सुरक्षा का विश्वास फिर से बहाल करे और ऐसे कड़े कदम उठाए जिससे कोई भी कट्टरपंथी कानून हाथ में लेने से पहले सौ बार सोचे। यदि समय रहते इन हिंसक प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह नफरत की आग पूरे क्षेत्र की शांति के लिए खतरा बन सकती है। जैसे पाकिस्तान आतंक की आग में जल रहा है, वह दिन दूर नहीं जब बांग्लादेश भी इस नफरत की आग में खाक हो जाएगा। बांग्लादेश की स्थितियों को देखकर भारत को भी संभलने की जरूरत है। इसके साथ ही भारत को यह विचार करना चाहिए कि बांग्लादेश के हिन्दुओं की रक्षा के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं।

बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में पत्रकार राणा प्रताप बैरागी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या और अगले ही दिन एक हिन्दू दुकानदार शरत चक्रवर्ती मणि की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। 18 दिन में 6 हिन्दुओं की हत्याओं की घटनाएं सामने आई हैं। मारपीट और शोषण के मामले भी सामने आ रहे हैं। ये घटनाएं महज आंकडे नहीं हैं, बल्कि उस सांप्रदायिक सोच के प्रतिनिधि हैं, जिसने पिछले कुछ हफ्तों में वहां के हिन्दू समुदाय को दहशत के साये में जीने को मजबूर कर दिया है। घटनाओं की प्रकृति और उनमें अपनाए गए तरीके अत्यंत बर्बर और अमानवीय हैं। एक तरफ जहां राणा प्रताप को सरेआम गोली मारी गई, वहीं शरीयतपुर में व्यापारी खोकन चंद्र दास के साथ जो हुआ, वह इंसानियत को शर्मसार करने वाला है। धारदार हथियारों से हमला करना और फिर पेट्रोल डालकर जिंदा जला देना, अपराधियों के मन में बैठे गहरे सांप्रदायिक जहर को दर्शाता है। इससे भी अधिक वीभत्स घटना झेनाइदह में सामने आई, जहां एक 44 वर्षीय हिन्दू विधवा के साथ न केवल सामूहिक दुष्कर्म किया गया, बल्कि उसे पेड़ से बांधकर पीटा गया और उसके बाल तक काट दिए गए। अपराधियों द्वारा इस कृत्य का वीडियो बनाना यह साबित करता है कि उनमें कानून का रत्ती भर भी भय नहीं बचा है। कहने को बांग्लादेश में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनुस के हाथ में देश की बागडोर है लेकिन जिस प्रकार से इस्लामिक कट्टरपंथी खुलेआम आतंक मचा रहे हैं, वैसा आतंक इससे पहले कभी नहीं देखा गया।

कुछ अलग

मन की लगाम

एक गांव में एक व्यक्ति था, जो मानता था 'कि उसे कुछ करने की आवश्यकता नहीं है, सब कुछ ईश्वर करेंगे। एक बार गांव में भीषण बाढ़ आ गई। हर तरफ पानी ही पानी। सभी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़ रहे थे। कई लोग ऊंचाई वाले स्थानों की तरफ बढ़ने लगे। लोगों ने देखा कि वह व्यक्ति भगवान के ध्यान में बैठा हुआ है। सभी ने उसे समझाया कि वह अपनी जगह छोड़ दे और भाग चले, लेकिन उस व्यक्ति ने कहा कि तुम लोग अपनी जान बचाओ, मुझे तो भगवान बचाने आएंगे ! धीरे-धीरे पानी बढ़ता गया, उस व्यक्ति की कमर तक पहुंच गया। इतने में ही उसके पास से एक नाव गुजरी। मल्लाह ने उससे कहा, आप इस नाव पर आ जाएं, मैं किसी सुरक्षित स्थान पर आपको पहचान दूंगा, लेकिन उसने फिर वही उत्तर दिया कि मुझे भगवान बचाएगा। कुछ देर बाद पानी और अधिक बढ़ गया। वह व्यक्ति वहीं बैठकर ईश्वर को याद करने लगा। इतने में गड़गड़ाहट की आवाज सुनाई दी। उसने देखा कि एक हेलिकाप्टर मदद के लिए आया है। बचाव दल ने एक रस्सी लटकाई और उससे पकड़ने को कहा, मगर वह टस से मस न हुआ। उसने कहा कि मुझे तो भगवान बचाएगा। मैं इसे नहीं पकड़ूंगा। कुछ ही देर में बाढ़ की धारा में वह व्यक्ति डूब गया और उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद जब वह व्यक्ति स्वर्ग पहुंचा तो उसने भगवान से पूछा कि मैंने आपकी आराधना इतने मन से की, लेकिन फिर भी मैं डूबकर मरा। मुझे बचाने क्यों नहीं आए? भगवान ने कहा, 'मैं तो तीन बार तुम्हारी मदद करने आया था। एक बार ग्रामीणों के रूप में, एक बार नाव वाले के रूप में और तीसरी बार बचाव दल के रूप में, लेकिन तुम मुझे पहचान ही नहीं पाए।'

दृष्टि कोण

मतदाता सूची का मेगा रीसेटः जनता, वोट और सत्ता की जंग

उत्तर प्रदेश में हाल ही में मतदाता सूची में बड़ा संशोधन आया, जिसने राजनीति और प्रशासन दोनों में हलचल मचा दी है। 2.89 करोड़ नाम हटने के बाद लोकतंत्र की नींव पर गंभीर प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। क्या यह कदम चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की वास्तविक कोशिश है, या सत्ता की चालाकी और रणनीति का हिस्सा मात्र? देश के सबसे बड़े राज्य में इस बदलाव ने व्यापक बहस को जन्म दिया है। शुद्धता के दावे और अन्याय के आरोपों के बीच जनता उलझन में है। ड्राफ्ट सूची में यह विशाल संशोधन दिखाता है कि मतदाता सूची केवल कागजी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ और उसकी विश्वसनीयता का प्रमाण है। चुनाव आयोग ने 6 जनवरी 2026 को ड्राफ्ट सूची जारी की, जिसमें कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ नाम हटा दिए गए। अब कुल वैध नाम केवल 12.55 करोड़ बचे हैं। हटाए गए नामों में 46.23 लाख मृतक, 2.17 करोड़ स्थानांतरित और 25.47 लाख डुप्लिकेट नाम शामिल हैं। यह कुल मतदाताओं का 18.7 प्रतिशत है, जो भारत में किसी भी राज्य में सबसे बड़ा संशोधन माना जा रहा है। एसआईआर की समयसीमा और ड्राफ्ट प्रकाशन कई बार बढ़ाया गया, क्योंकि सूची में बड़े पैमाने पर असंगतियां मिलीं। दावा-आपत्ति की अवधि 6 फरवरी तक है, जिससे सभी प्रभावित लोग फॉर्म भरकर नाम जोड़ सकते हैं। इस विशाल हटाव ने सवाल खड़े किए हैं कि क्या यह लोकतंत्र को मजबूत करने का कदम है, या लक्षित राजनीतिक कार्रवाई है। लोकतंत्र की शुद्धता के समर्थक इसे ऐतिहासिक सुधार कहते हैं। उनके अनुसार, मृतक और डुप्लिकेट नाम चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। इससे वोटिंग सिस्टम में फर्जीवाड़ा रोका जा सकता है। एसआईआर प्रक्रिया के अनुसार, 81.3 प्रतिशत मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा किए, जबकि बाकी नहीं कर सके। इस तरह की सफाई अन्य राज्यों में भी हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में कटौती सर्वाधिक रही। समर्थकों का कहना है कि इससे वोट बैंक की राजनीति कमजोर होगी और

असली मतदाताओं की आवाज़ को ताकत मिलेगी। विपक्षी दल इसे राजनीतिक साजिश मान रहे हैं। उनका तर्क है कि गरीब और अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों को प्रभावित किया जा रहा है। कई नेता और उनके परिवार के नाम हटाए जाने का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि केवल निवास बदलने के कारण वैध मतदाताओं को बाहर किया गया। विरोधियों का आरोप है कि यह लोकतंत्र पर हमला है और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। शहरी क्षेत्रों और प्रवासी आबादी में अधिक नाम हटाए गए हैं, जिससे यह आशंका बढ़ रही है कि यह उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई हो सकती है। तथ्यों की पड़ताल करें तो आयोग ने हटाव के स्पष्ट कारण बताए हैं—मृत्यु, स्थानांतरण और डुप्लिकेट नाम। लखनऊ और गाजियाबाद जैसे शहरी केंद्रों में सबसे ज्यादा नाम हटाए गए। घर-घर जाकर फॉर्म भरवाए गए और 91 प्रतिशत से अधिक मैपिंगकी गई। शेष को नोटिस भेजे जा रहे हैं। बावजूद इसके, इतनी बड़ी संख्या ने संदेह पैदा कर दिया है। क्या सभी फॉर्म न जमा करने वाले असली मतदाता नहीं हैं? आयोग का कहना है कि दावा-आपत्ति प्रक्रिया में सुधार संभव है और यह निष्पक्षता दिखाती है। विपक्ष का कहना है कि दस्तावेज जुटाने में गरीब और अनपढ़ मतदाताओं को दिक्कत होगी, जिससे लोकतंत्र की वैधता पर सवाल उठते हैं। इस संशोधन का आगामी चुनावों पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें निर्णायक मानी जाती हैं। अगर वैध मतदाता भी हट गए, तो वोट प्रतिशत और चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आय के स्रोत बढेंगे क्योंकि दिन बहुत अच्छा हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, जिससे सभी कार्य सफल होंगे। कारोबार में धनलाभ की स्थिति रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और पूरा दिन सुख–शांतिपूर्वक बीतेगा। परिजनों से निकटता का अनुभव करेंगे। उनका सहयोग भी मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और परिजनों के साथ किसी रमणीय पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। अगर स्वास्थ्य को तंद–रुस्त रखना हैं तो डिनर मे कुछ हल्का और सुपाच्य भोजन लेना होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज परिश्रम जरुर करना पडेगा जिससे दिन सुनहरा होगा और व्यापारिक की स्थिति और योजनाएं सफल रहेंगी और कारोबार से संबंधित कार्यों में धन लाभ के योग बनेंगे। हालांकि, भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी, लेकिन परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। पुराना अटका पैसा वापस मिलने की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। शाम के समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंने का निमंत्रण आ सकता हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज समय थोडा मध्यम है अनुकूल माहौल नही मिलेगा अनावश्यक खर्च बढ्ने से मन चिंतित हो सकता है। परिवार का वातावरण आनंदमय रहेगा। वाणी की मधुरता से आप अपना निर्धारित कार्य कर सकेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। बच्चों को संस्कारित बनाने हेतु धार्मिक विधि को समय दें। गाय को चारा खिलाना होगा मानसिक शान्ति का अनुभव होगा पूर्वजों को तृप्ति होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लाभकारी योग बन रहा हैं निवेश मे जोखिम नही है फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आय वृद्धि के योग रहेंगे। व्यवसाय–धंधा भी अच्छा चलेगा तथा कार्यस्थल पर मित्रों और सहयोगियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और गृहस्थ जीवन का संपूर्ण आनंद ले सकेंगे। मित्रों के साथ प्रवास का आयोजन होगा। अधिक तैलीय वसा युक्त भोजन आप को हानिकारक रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कुछ समय रुककर कोई भी अन्तिम निर्णय पर पहुंचे क्योंकि समय मध्यम हैं सामान्य हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। काम का बोझ अधिक रहेगा और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी वाद–विवाद में उलझ सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। व्यर्थ वाद–विवाद तथा तकरार में उतरने से भी बचना होगा खर्चा ज्यादा होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सुबह ही पीपल वृक्ष मे जल दूध चढाए घी का दीपक प्रज्वलित करें मंदिर मे पीली वस्तु का भोग लगाएं। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और सहकर्मियों के सहयोग से सभी कार्यों में सफलता मिलेगा। कार्यभार की अधिकता से मानसिक और शारीरिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। कामकाज को लेकर प्रवास पर जा सकते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऊपरी अधिकारी आपके काम से असंतुष्ट रह सकते हैं। सुख सुविधाओं मे खर्चा अधिक होगा स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज भाग्य प्रबल हैं नक्षत्रों का बल भी मिलेगा। कर्ज बिल्कुल भी नही लेना हैं व्यापार–धंधे में लाभ की स्थिति रहेगी। कारोबार विस्तार को लेकर व्यवस्थित रूप से आर्थिक योजना बना सकेंगे। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और अपने परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन तो सामान्य से कुछ बढीया रहेगा। काम का ओवरलोड रहेगा व्यस्तता अधिकता रहेगी, लेकिन भागदौड़ और कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिलेगा। नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। जीवनसाथी और संतानों के स्वास्थ्य का वशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। वाद–विवाद या बौद्धिक चर्चा से दूर रहें क्रोध पर नियंत्रण रखें अपरिहार्य बोलना मुसीबत मे डाल सकता हैं। सही समय का इंतजार करना ही बुद्धिमानी है व्यर्थ के प्रपंच से दूर रहें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज कुछ छोटी–मोटी परेशानी को छोडकर सब आप के हाथ मे रहेगा आप टीमवर्क लेकर सब सुव्यवस्थित कर सकते हैं, मन थोडा व्यथित जरुर होगा लेकिन अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी। भागदौड़ की अधिकता रहेगी, जिससे शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। परिजनों के साथ तकरार होने की संभावना है। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है शिवजी को ग्यारस बिल्वपत्र चढाए, दूध से स्नान कराए मन शान्त रहेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह.उठते ही किसी बात को लेकर टेंशन बन सकता हैं इसलिए उठते ही सर्व प्रथम धरती को प्रणाम करें कर दर्शन कार्य का भार अधिक होने पर भी सकारात्मकता का अनुभव करेंगे। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, जिससे समाज में सम्मान बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन ध्यान रखें कि आपकी बातों से किसी ठेस ने पहुंचे। बिल्ववृक्ष मे जल सींचे एकाएक धन प्राप्त होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज विशेष लाभ दिख रहा हैं रुका हुआ धन आएगा कर्जमुक्त होने की दिशा मे बढेंगे कारोबार में धनलाभ होगा पद प्रतिष्ठा मे तरक्की के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सामाजिक तथा सा–र्वजनिक क्षेत्र में प्रशंसा के पात्र बनेंगे। पारिवारिक जीवन में नया खुशी का समाचार मिलेगा मित्रों का भरपूर सहयोग रहेगा। अपनी वाणी पर संयम रखना होगा अन्यथा बनते हुए काम बिगड़ेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का शुभ समाचार सुनेंगे वैवाहिक सम्बन्ध बनेगा, दाम्पत्य जीवन का सुख उठाएंगे परिवार के साथ समय व्यतीत करें थकान और चिंता दूर हो जाएगी आप के सभी कार्य निर्धारित रूप से योजना के तहत पूर्ण होंगे। मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। सहकर्मियों की मदद से अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सगे–संबंधियों के यहा उत्सव का निमंत्रण मिलेगा आप समाहरोह का हिस्सा बनेंगे राजनीति जीवन मे पदोन्नति भी मिलेगी मान सम्मानित होंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 09 जनवरी 2026, शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ, कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी अहोरात्र
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी दोपहर 01:41 तक
योग : शोभन सायं 04:55 तक
करण : वणिज प्रातः 07:08 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:09 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:00 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : श्री रामानंदाचार्य जयंती, भद्रा प्रातः 07:06 से रात्रि 07:40 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं. चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश, शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भारतीय सेना हर देशवासी की ढाल और राष्ट्र की आत्मा : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 08 जनवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत गुरूवार को भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी में अत्याधुनिक उपकरणों और युद्ध करने के तौर तरीकों की झलक मिलेगी। आमजन समझेंगे कि कैसे हमारी सेना दिन–रात सुरक्षा में तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि सेना दिवस परेड पहली बार सैन्य छावनी की सीमाओं से बाहर जयपुर में आयोजित हो रही है। इस परेड के माध्यम से नागरिक भारतीय सेना के अनुशासन, शौर्य और बलिदान के साथ–साथ सैन्य शक्ति से रूबरू होंगे। सेना के जवान हर मोर्चे पर मुस्तैद शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना हर देशवासी की ढाल, हर परिवार का भरोसा और राष्ट्र की आत्मा है। रेगिस्तान से लेकर बर्फीलेसियाचीन तक हर मोर्चे पर हमारे जवान मुस्तैद खड़े हैं, ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन पराक्रम, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से भारतीय सेना ने दिखाया कि वह आक्रामकता का माकूल जवाब देना जानती है। ऑपरेशन सिंदूर– आतंकवाद के खिलाफ देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश की प्रतिबद्धता को देखा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू किए गए मिशन सुदर्शन चक्र के अन्तर्गत आज हमारा देश किसी भी खतरे का सटीक और शक्तिशाली जवाब देने में सक्षम है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों की कर्मभूमि और जन्मभूमि है। इस भूमि ने परमवीर चक्र विजेता पीरू सिंह, परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह और लेफ्टिनेन्ट जनरल सगत सिंह जैसे पराक्रमी योद्धाओं को जन्म दिया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की सशस्त्र सेनाओं का आधुनिकीकरण अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर जाकर अब 1.51 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वहीं, इस दौरान भारत का रक्षा निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर पर 23 हजार 622 करोड़ रुपये रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकारने द्वितीय विश्व युद्ध के नॉन पेंशनर पूर्व सैनिकों एवं विधवाओं को पेंशन 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 15 हजार रुपये प्रतिमाह की, जिससे राज्य के 976 पूर्व सैनिक एवं विधवाएं लाभान्वित हुई। वीरगति प्राप्त सैनिकों के सम्मान में 43 विद्यालयों का नामकरण भी किया गया है। उन्होंने कहा कि बैटल कैजुअल्टी सैनिकों के 7 आश्रितों एवं 23 शौर्य पदक धारकों को कुल 750 बीघा भूमि आवंटित की गई। वहीं, पुलवामा हमले में वीरगति प्राप्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 5 कार्मिकों की आश्रित वीरांगनाओं को निवास भी दिए गए है।

शर्मा ने कहा कि पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के पंजीकरण से लेकर राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के लिए नया वेब पोर्टल तैयार किया गया है।भूतपूर्व सैनिकों, आश्रितों एवं वीरांगनाओं की पेंशन संबंधी विसंगतियों के निराकरण हेतु जिला स्तर पर 418 कैम्पों का आयोजन कर 1 हजार 228 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों में संविदा पर नियोजित भूतपूर्व सैनिकों के मानदेय में वर्ष 2024 एवं वर्ष 2025 में 10–10 प्रतिशत की वृद्धि की गई।प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना द्वारा उपयोग किए गए विभिन्न आधुनिक हथियार, आर्टिलरीज और सैन्य संसाधनों का प्रदर्शन किया गया।

समावेशी विकास की परिकल्पना को साकार करने के लिए सहकारिता को मजबूत करना आवश्यक : डॉ. भूटानी

उदयपुर, 08 जनवरी (एजेंसियां)।

सहकार से समृद्धि की संकल्पना को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के साथ दो दिवसीय कॉंफ्रेन्स का शुभारंभ गुरूवार को उदयपुर स्थित होटल अरावली में हुआ। बैठक में सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सहकारिता विभाग के सचिव व रजिस्ट्रार भाग ले रहे हैं। सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने दीप प्रज्ज्वलन कर इस कॉंन्फ्रेंस का शुभारम्भ किया। मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव पंकज कुमार बंसल भी इस अवसर पर मंचासीन रहे। कॉंन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि सहकार के बिना समृद्धि संभव नहीं है। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए नियमों का सरलीकरण, बैंकिंग व्यवस्था में सुधार तथा विभिन्न संस्थाओं के बीच प्रभावी तालमेल अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने गुजरात के बनासकांठा जिले के सफल सहकारिता मॉडल का उल्लेख करते हुए बताया कि रेगिस्तानी क्षेत्र होने के बावजूद वहाँ वृक्षारोपण और डेयरी सेक्टर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने अधिकारियों से जिलों और गांवों का दौरा कर आमजन से प्रत्यक्ष फीडबैक लेने की आवश्यकता जाहिर की।

डॉ. भूटानी ने सहकारी बैंकिंग का उल्लेख करते हुए दोहरे नियंत्रण से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकों के बोर्ड के सुचारु संचालन और शाखा विस्तार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आरबीआई द्वारा बिना पूर्व अनुमति 10 शाखाएं खोलने की छूट दी गई है, बैंकों को इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता से जुड़ी विभिन्न संस्थाएं अलग–अलग मंत्रालयों के अधीन हैं। इन संस्थाओं के बीच प्रतिस्पर्धा के बजाय तालमेल और समन्वय आवश्यक है।

डॉ. भूटानी ने कहा कि राष्ट्रीय सहकारिता नीति के तहत राज्यों से अपेक्षा की गई है कि वे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार नीति को कस्टमाइज कर राष्ट्रीय नीति के साथ एकीकृत करें।

गोविंद सिंह डोटासरा का केंद्र सरकार पर हमला, बोले

मनरेगा खत्म कर गरीबों से छीना जा रहा काम का अधिकार

जयपुर, 08 जनवरी (एजेंसियां)।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि मनरेगा योजना को कमजोर कर गरीबों और मजदूरों से काम का अधिकार छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा देश के ग्रामीण गरीबों के लिए सिर्फ योजना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ जीने का आधार है, जिसे खत्म करने की साजिश रची जा रही है। डोटासरा ने यह बात जयपुर स्थित हरिशचंद्र तोतूका सभागार में आयोजित प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक में मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि 10 जनवरी से 6 फरवरी 2026 तक प्रदेश के सभी जिलों, ब्लॉक और मंडल स्तर पर मनरेगा बचाओ संघर्ष अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता गांव–गांव और घर–घर जाकर लोगों को मनरेगा से मिलने वाले अधिकारों और केंद्र सरकार की नीतियों से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करेंगे।

डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मनरेगा के तहत मांग पर काम और काम न मिलने पर भत्ते की गारंटी दी गई थी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली और मजदूरों का पलायन रुका। लेकिन भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों के दबाव में इस योजना को कमजोर कर दिया है।उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की सोच में गरीब कल्याण नहीं, बल्कि उद्योगपतियों के हित छिपे हैं। नई व्यवस्था के तहत अब मनरेगा में काम सरकार की मर्जी से दिया जा रहा है, जिससे मजदूरों की हालत और खराब हो रही है।

डोटासरा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दें और पंचायत स्तर तक पदयात्राएं निकालकर जनता को सच्चाई से अवगत कराएं। उन्होंने सभी जिलाध्यक्षों और विधानसभा समन्वयकों को निर्देश दिए कि अभियान से जुड़ी गतिविधियों की नियमित रिपोर्ट कांग्रेस वॉर रूम को भेजी जाए।

खेलों के सिरमौर हरियाणा के साथ भेदभाव कर रही है बीजेपी : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 08 जनवरी (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने खेलों के मामले में हरियाणा के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में देश का परचम लहराने वाले हरियाणा पर बीजेपी की केंद्र सरकार जानबूझकर बेहद कम खर्च कर रही है। दूसरी ओर हरियाणा की बीजेपी सरकार हरियाणा की जनता के हक़ व उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ने की बजाए मूकदर्शक बनी बैठी है। हुड्डा ने उत्तराखंड में संपन्न हुए राष्ट्रीय खेलों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में प्रति मेडल के हिसाब से देखा जाए तो मात्र 4.5 लाख रुपये ही खर्च हुए हैं। जबकि दूसरे राज्यों जैसे महाराष्ट्र में 43.50 लाख, मध्य प्रदेश में 1.13 करोड़, दिल्ली में 1.13 करोड़, बिहार में 1.69 करोड़, उत्तर प्रदेश में 7.85 करोड़ तथा गुजरात में 11.21 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि हरियाणा में खेलों पर खर्च किया गया निवेश हमेशा नतीजे लेकर आता है। बावजूद इसके, खेलों का बजट जारी करने से लेकर ओलंपिक के आयोजन तक में हरियाणा को नजरअंदाज किया जाता है। खेलो इंडिया के साढ़े तीन हजार करोड़ के बजट में भी हरियाणा को केवल 80 करोड़ दिए गए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भारत की कुल जनसंख्या का मात्र 2% होने के बावजूद हरियाणा भारत के अंतरराष्ट्रीय पदकों में लगभग 50% का योगदान देता है। ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स, हर मंच पर हरियाणा के खिलाड़ी वर्षों से भारत का झंडा ऊँचा करते आए हैं। ऐसे में, कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में हरियाणा की भागीदारी और प्रतिनिधित्व अत्यंत स्वाभाविक और न्यायोचित है। यदि कॉमनवेल्थ गेम्स के कुछ आयोजन हरियाणा में होंगे तो इससे युवा खिलाड़ियों को वैश्विक प्रतियोगिताओं का न सिर्फ अनुभव मिलेगा, बल्कि प्रदेश में खेल–इकोसिस्टम को मजबूत आधार मिलेगा और साथ ही उन्नत स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों तथा आधुनिक खेल अवसंरचना के रूप में अनेक फायदे मिलेंगे।

हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस कार्यकाल में हरियाणा में 481 खेल स्टेडियम बने तथा डख के 2 सेंटर स्थापित हुए।

महिला खिलाड़ी यौन उत्पीड़न मामले में

रेनू भाटिया ने पुलिस कमिश्नर से सख्त कार्रवाई की मांग की

फरीदाबाद, 08 जनवरी (एजेंसियां)।

फरीदाबाद में महिला खिलाड़ी के साथ हुए यौन उत्पीड़न मामले में हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने संज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। रेनू भाटिया ने अपने पत्र में लिखा कि महिला पुलिस स्टेशन, एनआईटी फरीदाबाद में रजिस्टर्ड मामले को देखने के लिए एक पुलिस अधिकारी की नियुक्ति करें। इस मामले को सबसे जरूरी माना जाए और तय समय के अंदर इसका पालन सुनिश्चित किया जाए। एनआईटी महिला थाना की थाना प्रभारी माया कुमारी ने इस मामले पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए फिलहाल मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कह सकती। मामला दिसंबर 2025 का है। एक राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में महिला एथलीट और आरोपी दोनों आए हुए थे। घटना के समय एक शूटिंग प्रतियोगिता चल रही थी। पुलिस अपना काम कर रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दिसंबर 2025 में हरियाणा में फरीदाबाद के एक होटल में महिला निशानेबाज के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। पीड़िता भिवानी की रहने वाली है, जो अपनी सहेली के साथ फरीदाबाद में निशानेबाजी की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आई थी। निशानेबाजी की प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद ये दोनों घर जाना चाहती थीं। इसके लिए सहेली ने अपने एक दोस्त को बुलाया था, ताकि वो उन्हें मेट्रो स्टेशन तक ड्रॉप कर दे, लेकिन सहेली के इस दोस्त ने कहा कि तुम लोगों को भिवानी पहुंचते–पहुंचते देर रात हो जाएगी, इसलिए आज की रात फरीदाबाद में ही एक होटल में रुक जाओ।

नीव पोर्टल से शिक्षा संस्थानों में नीति अनुपालन और गुणवत्ता में होगा सुधार : सैनी

पंचकूला, 08 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 ने देश की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप ढालने की स्पष्ट रूपरेखा दी है, लेकिन किसी भी नीति की सफलता उसके समयबद्ध क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए नीव पोर्टल को विकसित किया गया है। नीव पोर्टल एक इंटेलिजेंट, डेटा–ड्रिवन डिसीजन सपोर्ट सिस्टम है, जो नीति निर्माण और संस्थागत क्रियान्वयन के बीच की दूरी को समाप्त करता है। मुख्यमंत्री आज पंचकूला में आयोजित एमओयू एक्सचेंज कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नीव पोर्टल का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रत्येक प्रावधान का वास्तविक, निष्पक्ष और सतत मूल्यांकन हो सके।

यह पोर्टल रियल–टाइम डेटा, प्रदर्शन संकेतकों और भविष्यसूचक विश्लेषण के माध्यम से शिक्षा प्रणाली की निरंतर निगरानी करता है। इससे यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कौन–सी संस्थाएं नीति के अनुरूप आगे बढ़ रही हैं और कहां सुधार की जरूरत है। इस प्रकार यह पोर्टल केवल निगरानी का साधन नहीं, बल्कि समय रहते सुधार और दिशा–निर्देशन का प्रभावी माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में नीव पोर्टल को विश्वविद्यालयों में लागू किया जा रहा है। इसके बाद महाविद्यालयों और आगे चलकर स्कूलों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक इसका विस्तार किया जाएगा। इस क्रमबद्ध विस्तार से शिक्षण संस्थानों में एकरूपता, गुणवत्ता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रति तत्परता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक ऐसा शिक्षा तंत्र विकसित करना है, जो वैश्विक मानकों पर खरा उतरे। नीव पोर्टल के माध्यम से 2047 तक सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में शत–प्रतिशत राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 अनुपालन की डिजिटल ट्रैकिंग संभव होगी। इससे संस्थागत गुणवत्ता संकेतकों में सुधार होगा, रियल–टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। साथ ही, साक्ष्य–आधारित बजट एवं नीति निर्माण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

एमओयू के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ज्ञान सेतु' पहल के तहत स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट और राज्य के लगभग 28 प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान किया गया है। इसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान को वास्तविक प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियों से जोड़ना है, ताकि शोध केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर समाज और शासन की समस्याओं का समाधान बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सहयोगों के माध्यम से राज्य सरकार की प्राथमिक योजनाओं और कार्यक्रमों का इम्पैक्ट इवैल्युएशन के साथ–साथ क्षमता–निर्माण कार्यक्रम तथा छात्रों के लिए इंटर्नशिप व फील्ड एंगेजमेंट को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे नीति निर्माण अधिक सशक्त होगा और युवा प्रतिभाओं को वास्तविक प्रशासनिक अनुभव भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नीव पोर्टल और ज्ञान सेतु, ये दोनों पहलें मिलकर हरियाणा की शिक्षा को भविष्य के लिए तैयार, समावेशी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में कार्य करेंगी। ये पहले सुनिश्चित करेंगी कि शिक्षा, कौशल, नवाचार, रोजगार और सामाजिक उत्थान का सशक्त आधार बने।

निशिता डिग्री कॉलेज का प्रथम दीक्षांत समारोह भव्य रुप से सम्पनन

निजामाबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। निशिता डिग्री कॉलेज के शैक्षणिक वर्ष 2025-26 का प्रथम दीक्षांत समारोह स्थानीय श्राव्या गार्डन में रंगारंग कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बालकिष्टा रेड्डी और तेलंगाना विश्वविद्यालय कुलपति टी. यादगिरी राव, रजिस्ट्रार प्रो. यादगिरी उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने अपने करकमलों से कुल 272 विद्यार्थइयों को डिग्री प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इसी क्रम में कॉलेज प्रबंधन द्वारा तीन वर्षिय डिग्री कॉलेज शिक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता को भूमय्या विशेष पुरस्कार के अन्तर्गत पुरस्कृत करते हुए उनके तीन वर्ष का शैक्षणिक शुल्क भी वापस कर दिया गया। इसके अलावा कोर्स टॉपर्स को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रोफेसर बालकिष्टा रेड्डी ने डिग्री विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त करने हेतु अपना मार्गदर्शन दिया।

साथ ही उन्हें शिक्षा की प्राथमिकता के बारे में भी विस्तारपूर्वक समझाया। कार्यक्रम राष्ट्रीय गान के सामूहिक गायन के साथ भव्य रुप से सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष निखिल, मुख्य संरक्षक विनय कुमार, संयोजक राजू, शैक्षणिक सलाहकार सायलू, निदेशक ओएम. शेख, प्राचार्य डॉ. स्वप्ना, सह-प्राचार्य रघुवीर, आईक्यूएसी समन्वयक मनोज कुमार गेलड़ा, प्राध्यापकगण, विद्यार्थी एवं पालकगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मक्का फसल के लिए सब्सिडी पर नीम का तेल उपलब्ध

मदनूर, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कृषि अधिकारी राजू ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मदनूर मंडल के कोडिचिरा गांव में स्थित किसान भवन में स्थानीय किसानों की एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में कृषि अधिकारी राजू ने किसानों को बताया कि रबी मौसम में उगाई जाने वाली मक्का की फसल के लिए समय पर खाद, पानी और कीटकनाशक दवा का प्रबंधन पद्धतियों को साझा करना चाहिए।

तेलंगाना सरकार द्वारा इसके अलावा ग्रामीण किसानों को सब्सिडी पर नीम का तेल और 13:0:45 खाद की आपूर्ति करना भी संभव है। इस कार्यक्रम में कोडिचिरा गांव की एईओ सौम्या और गांव के किसानों ने भाग लिया।

आरटीसी एससी, एसटी कर्मचारी कल्याण संघ की नई कार्यकारी समिति का चुनाव

आसिफाबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद आरटीसी डिपो के एससी, एसटी कर्मचारी कल्याण संघ ने बुधवार को सर्वसम्मति से एक नई कार्यकारी समिति का चुनाव किया। एस. सम्मय्या को अध्यक्ष, जे. लक्ष्मण को महासचिव, अशोक को कार्यकारी अध्यक्ष, मुकुंद राव और जुगाड़ी राव को कोषाध्यक्ष, आर. पी. सिंह और देवेंद्र कुमारी को उपाध्यक्ष, शंभू, प्रेमला और तुलसीराम को सहायक सचिव, सुरेश कुमार को गैराज अध्यक्ष और रवि कुमार को सचिव चुने गए।

इस अवसर पर नव निर्वाचित समिति के सदस्यों ने डिपो प्रबंधक राजशेखर से मुलाकात की और उन्हें फूल, माला और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। आरटीसी के अधिकारी और कर्मचारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

क्या अब विकास का ख्याल आया है?

आसिफाबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस नेता दुडाला अशोक ने सवाल उठाया कि क्या नगर निगम चुनाव नजदीक आने पर कांग्रेस नेताओं को शहरी विकास की याद आई है? उन्होंने गुरुवार को जिला केंद्र स्थित पार्टी कार्यालय में बाजार समिति के पूर्व अध्यक्ष लू गंधम श्रीनिवास और चिलुवेरु वेंकन्ना के साथ आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें कहीं।

उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस पार्टी के निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी अजमीरा सैम नायक ने नगर निगम में विकास कार्यों के लिए नारियल क्यों फोड़े? उन्होंने आलोचना की कि सरकार के सत्ता में आने के दो साल बाद भी कस्बे में ऐसा कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि नगर निगम में विकास कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित करनी होगी।

उन्होंने लोगों पर बिना किसी आदेश के नारियल फोड़ने और उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा किए जा रहे नाटक पर जनता का कोई विश्वास नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान माहौल बनाने के लिए एक नया नाटक रचा गया है।

उन्होंने स्थानीय विधायक को विकास कार्यों की जानकारी दिए बिना नारियल फोड़ने के पीछे के मकसद पर सवाल उठाया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं को ऐसे नाटकों के बारे में सोचने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि कस्बे में विकास कार्यों की शुरुआत के खिलाफ जिला कलेक्टर के पास शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

बैठक में पार्टी के नगर अध्यक्ष हैमद, नेता लक्ष्मी, संगीता, निसार, साजिद, अंसार, रवि, ताज, साई, हैमद, कासिम, इमरान और अन्य उपस्थित थे।

सदरम शिविरों का सदुपयोग किया जाना चाहिए : दीपक तिवारी

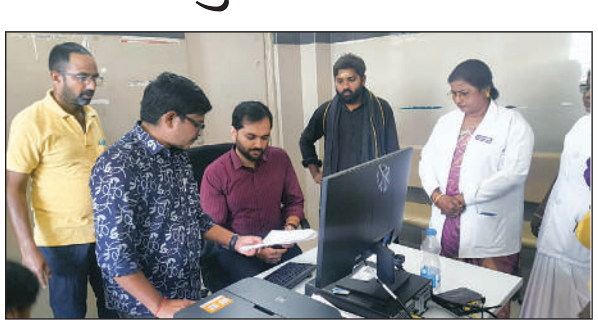

आसिफाबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएं) दीपक तिवारी ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए आयोजित किए जा रहे सदरम शिविरों का सदुपयोग किया जाना चाहिए। गुरुवार को उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित सरकारी अस्पताल में दिव्यांगजनों के लिए बने सदरम शिविर का अचानक दौरा किया और शिविर प्रबंधन का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए जिला अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सदरम शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, सदरम प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया पारदर्शी हो और पात्र दिव्यांगजनों को ही प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जाएं। सदरम शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों और उनके सहायकों को पीने का पानी, छाया और बैठने की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए, तथा मी सेवा केंद्र में स्लॉट बुक कराने वालों की जांच निर्धारित समय के भीतर बिना किसी देरी के पूरी की जानी चाहिए।

उन्होंने सरकारी अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा किया और डॉक्टरों को कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अस्पताल आने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जानी चाहिए, अस्पताल में आवश्यक दवाएं उपलब्ध होनी चाहिए और वातावरण स्वच्छ रखा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मरीजों को ऐसी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त ग्रामीण विकास अधिकारी, अस्पताल के आरएमओ, एसओ और चिकित्सा कर्मचारी उपस्थित थे।

आत्रम सुगुनक्का ने सीएम रेवंत रेड्डी से की मुलाकात

आसिफाबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमाराम भीम आसिफाबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्ष आत्रम सुगुनक्का ने गुरुवार को हैदराबाद के गांधी भवन में आयोजित टीपीसीसी की व्यापक बैठक में भाग लिया। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का सौजन्यपूर्वक अभिवादन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सुगुनक्का से पूछा, राष्ट्रपति जी, आप कैसे हैं? और अभिवादन किया।बैठक के बाद सुगुनक्का ने सीएम से मुलाकात की और जिले के विकास, आदिवासी क्षेत्रों की समस्याओं, लोगों की कल्याण योजनाओं, सड़कों, पेयजल और रोजगार गारंटी जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के संबंध में लोगों द्वारा आवश्यक विभिन्न विकास कार्यों के बारे में उन्होंने मुख्यमंत्री का ध्यान आकृष्ट किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आश्वासन दिया कि सरकार जिले के विकास के लिए पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी।

अभिनव संस्था को मिला 30 साल की सेवा के लिए राष्ट्रीय स्तरीय पुरस्कार

बेल्लमपल्ली, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला तांडूर की प्रमुख सेवा संस्था अभिनव वॉलंटरी सर्विस ऑर्गनाइज़ेशन के फाउंडर अभिनव संतोष कुमार, जो तीन दशकों से समाज सेवा के क्षेत्र में बिना थके काम कर रहे हैं, उन्हें विश्वगुरु वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा आयोजित कामधेनु अवॉर्ड्स-2025 प्रोग्राम में कामधेनु नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में बुधवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में मशहूर फिल्म अभिनेता ब्रह्मानंदम ने तिरुपति के विधायक जय श्रीनिवासुलु, एमएलसी सुब्रमण्यम, टीयूडी चेयरमैन, टीटीडी एक्स-ऑफिसियो मेंबर और तिरुपति पार्लियामेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी डॉलर्स दिवाकर रेड्डी की मौजूदगी में अभिनव संतोष कुमार को यह प्रतिष्ठित नेशनल अवॉर्ड दिया।

इस मौके पर प्रोग्राम के ऑर्गनाइज़र रामबाबू ने कहा कि पिछले 30 सालों से अभिनव संतोष कुमार, जो अभिनव चैरिटी ऑर्गनाइज़ेशन के ज़रिए अनाथों, गरीबों और ज़रूरतमंदों की मदद कर रहे हैं और जहाँ मुश्किलें और आँसू हैं, वहाँ हमारे हाथ हैं के मोटो के साथ सेवा कार्यक्रम चला रहे हैं, वह तारीफ़ के काबिल है। उन्होंने कहा कि उनके इस काम के लिए उन्हें यह नेशनल अवॉर्ड मिलना समाज के लिए गर्व की बात है।

कूरियर आधारित मादक पदार्थों की तस्करी और नकली दवाओं से जूझ रहा तेलंगाना

मंचेरियाल, 8 जनवरी शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एक अनूठी चुनौती से जूझ रहा है, जहाँ अन्य भारतीय राज्यों के परिष्कृत आपराधिक नेटवर्क नकली दवाओं और मनोरोगी पदार्थों का निर्माण कर रहे हैं और फिर उनकी अवैध रूप से तस्करी कर रहे हैं। तेलंगाना ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन (टीडीसीए) की निरीक्षण टीमों ने संकेत दिया है कि राज्य खुद को संगठित अंतरराज्यीय मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक जटिल लड़ाई के केंद्र में पा रहा है।इस वर्ष सामने आए सबसे चिंताजनक रुझानों में से एक कूरियर आधारित तस्करी में वृद्धि है। पिछले जून (2025) में एक बड़े संयुक्त अभियान में अधिकारियों ने हयातनगर की एक कूरियर एजेंसी में 4.32 लाख रुपये मूल्य की 1.2 लाख अल्प्राज़ोलम गोलियों की एक बड़ी खेप जब्त की। जांच में पता चला कि ये मनोरोगी दवाएं उत्तर प्रदेश से सामान्य व्यावसायिक पार्सलों में छिपाकर भेजी गई थीं। यह कार्रवाई कूरियर कार्यालय तक ही सीमित नहीं रही। उसी दिन एक और छापेमारी में अधिकारियों ने पाया कि ये गिरोह अब बिना लाइसेंस वाले आवासीय परिसरों को वितरण केंद्रों के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। मलकपेट के मूसा रामबाग स्थित एक आवास से 5.21 लाख रुपये मूल्य की अतिरिक्त ड्रग्स बरामद की गईं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि तस्कर पकड़े जाने से बचने के लिए अपने धंधे को सुनसान इलाकों में स्थानांतरित कर रहे हैं।जांच में पता चला कि ये मनोरोगी दवाएं उत्तर प्रदेश से हैदराबाद तक व्यावसायिक कूरियर सेवाओं के माध्यम से सामान्य पार्सलों में छिपाकर भेजी जा रही थीं। डीसीए ने कहा कि ऐसे मामले तस्करों की रणनीति में आए धोखे भरे बदलाव को उजागर करते हैं, जो पारंपरिक परिवहन से हटकर बड़े पैमाने पर डिलीवरी नेटवर्क की गुमनामी का फायदा उठा रहे हैं। टीडीसीए ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि अंतरराज्यीय समन्वय को मजबूत करके और उच्च जोखिम वाले छलावा अभियानों को अंजाम देकर वह परिष्कृत गिरोहों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली कमियों को दूर करने के लिए काम कर रहा है।

मनोरोग पैदा करने वाले पदार्थों के अलावा राज्य में देश के अन्य हिस्सों में निर्मित और तेलंगाना में तस्करी करके लाई जाने वाली नकली दवाओं में भी वृद्धि देखी जा रही है। हैदराबाद और सिकंदराबाद में मोंटेक-एलसी जैसी एंटी-हिस्टामाइन और लेविपिल 500 जैसी एंटी-एपिलेप्टिक दवाओं जैसी लोकप्रिय दवाएं नकली रूपों में पाई गई हैं। ये नकली उत्पाद अक्सर प्रतिष्ठित ब्रांडों की नकल करने के लिए कुशलतापूर्वक पैक किए जाते हैं, जिससे उन रोगियों के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है जो अनजाने में अप्रभावी या हानिकारक पदार्थों का सेवन करते हैं।जून में इंदरबाग-कोटी क्षेत्र से हृदय रोगों और कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल होने वाली दवाओं जैसे रोसुवास एफ 10 और एफ 20 की नकली प्रतियां जब्त की गईं। एक चौंकाने वाली खोज में डीसीए ने तेलंगाना के औद्योगिक क्षेत्रों में मडिजाइनर ड्रग्सफ या नए मनोसक्रिय पदार्थों (एनपीएस) के निर्माण का भी पता लगाया है। एमडीएचपी और एथिलपेंटेड्रोन सहित इन कृत्रिम मनोउत्तेजकों को नियमित रासायनिक उत्पादों की आड़ में यूरोपीय देशों में निर्यात किया जा रहा था। चूंकि इन पदार्थों का कोई वैध चिकित्सीय उपयोग नहीं है और इनके दुरुपयोग की संभावना बहुत अधिक है, इसलिए डीसीए ने औपचारिक रूप से इन्हें एनडीपीएस अधिनियम के तहत शामिल करने का प्रस्ताव दिया है।

किनवट नगरपरिषद में स्वतंत्र गुटों का पंजीकरण

किनवट, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरपरिषद किनवट की नगराध्यक्षा सुजाता एड्रलवार ने पदभार संभालने के बाद नवनिर्वाचित पार्षदों में गुट नेता को लेकर चार दलों और एक निर्दलीय ने नांदेड़ जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष स्वतंत्र गुट पंजीकरण के लिए आवेदन सौंपा। किनवट नगरपरिषद में 21 सीटों पर पार्षद चुनकर आ चुके हैं।नवनिर्वाचित पार्षदों में से सभागृह गुट नेता चयन प्रक्रिया में चार दलों के साथ एक निर्दलीय पार्षद ने स्वतंत्र गुट पंजीकरण कराया, जिसमें महाविकास आघाड़ी में उबाठा के 3, राष्ट्रवादी काँग्रेस शरद पवार गुट के 5, राष्ट्रवादी काँग्रेस अजित पवार गुट के 5, भाजपा के 4, शिवसेना शिंदे गुट के 1 और निर्दलीय के 3 का समावेश है। मौजूदा स्थिति में बहुमत के लिए 11 पार्षदों की जरूरत है।किनवट नगरपरिषद सभागृह में नवनिर्वाचित पार्षदों में से अपने-अपने दल के स्वतंत्र गुट नेता के लिए चयन प्रक्रिया की गई। जिसमें -महाविकास आघाड़ी के राष्ट्रवादी काँग्रेस शरद पवार गुट के 5, उबाठा के 3 और दो निर्दलीयकुल 10 पार्षदों के समर्थन से नगराध्यक्षा सुजाता एड्रलवार को स्वतंत्र गुट नेता के रूप में पंजीकरण का आवेदन दिया गया।

-भाजपा के 4 पार्षदों ने पूर्व उपनगराध्यक्ष श्रीनिवास नेमानीवार को स्वतंत्र गुट नेता के रूप में पंजीकरण का आवेदन दिया।

-राष्ट्रवादी काँग्रेस अजित पवार गुट के 5 पार्षदों ने पार्षद अभय नगराले को स्वतंत्र गुट नेता के रूप में पंजीकरण का आवेदन किया।

-शिवसेना शिंदे गुट के एकमेव पार्षद सुरज सातुरवार ने स्वतंत्र गुट पंजीकरण कराया।

-एक निर्दलीय पार्षद प्रीति धीरज नेमानीवार ने भी स्वतंत्र गुट पंजीकरण के लिए आवेदन सौंपा।

यह पूरी प्रक्रिया नांदेड़ जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष चार दलों और एक निर्दलीय पार्षद द्वारा की गई है। सभागृह में गुट नेता प्रक्रिया के बाद अब उपाध्यक्ष और स्वीकृत सदस्यों को लेकर लोगों की निगाहें टिकी हुई हैं।

कन्नेपल्ली पुलिस गश्त के दौरान गांजा जब्त

बेल्लमपल्ली, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में कन्नेपल्ली सब स्टेशन पर वाहनों की जाँच के दौरान पुलिस गश्ती टीम ने संदिग्ध बाइक सवार दो युवकों को पकड़ा। पुलिस को देखकर भागने वाले सुंदिला प्रभाकर (22), चिंतपुड़ी निवासी और राउथु मारुति (25), लिंगाला निवासी की तलाशी में 20 ग्राम गांजा बरामद हुआ।पूछताछ में दोनों ने बताया कि बेल्लमपल्ली के राडागम्बाला बस्ती के पिडुगुरल्ला चंदर (चंदू) ने उन्हें गांजा बेचा था। तुरंत एसआई बेल्लमपल्ली पहुँचे और चंदर को पकड़ लिया। उसकी तलाशी में 100 ग्राम गांजा बरामद हुआ।दो पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में गांजा जब्त कर थाने ले जाया गया और तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस मौके पर तांडूर सीआई देवैया ने कहा कि गांजा पीते या बेचते पकड़े जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अगर किसी के पास गांजे की जानकारी हो तो पुलिस को बताएँ, उनके नाम गोपनीय रखे जाएँगे।

आदिवासी आत्मबंधु हेमेंडोर्फ दंपति की 39वीं वर्षगांठ

आसिफाबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला, जैनूर मंडल के मरलावई गांव में आदिवासी आत्मबंधु के.शे. प्रोफेसर हैमेंडोर्फ और बेट्टी एलिजाबेथ दंपत्ति की 39वीं वर्षगांठ (चलो मरलावई) कार्यक्रम के आयोजन को लेकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण नितिका पंत, आईपीएस, जिला पुलिस अधीक्षक, कुमरम भीम आसिफाबाद ने किया। आदिवासी लोगों के जीवन के तरीके, परंपराओं, संस्कृति के साथ-साथ हेमेंडोर्फ दंपत्ति द्वारा आदिवासी समुदाय को प्रदान की गई सेवाओं को समझा गया।बाद में एसपी ने ग्रामीणों से बात की और ग्रामीणों को चादरें वितरित कीं। उन्होंने गांव के स्कूल का भी दौरा किया और छात्रों से बात की तथा शिक्षा, अनुशासन और अच्छी आदतों के महत्व पर सुझाव दिए। इस अवसर पर बच्चों को बिस्कुट बांटे गए और उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके बाद 39वीं वर्षगांठ कार्यक्रम के प्रबंधन के संबंध में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और लोगों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए उठाए जाने वाले एहतियाती उपायों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दिन एसपी ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को शांति व्यवस्था भंग किए बिना सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

केआईबीजी ने पेंचक सिलाट का स्वर्ण जीतकर चमके मणिपुर के सुधीर मीतेई

दीव,08 जनवरी (एजेंसियां) । मणिपुर के वाहेंगबाम सुधीर मीतेई के लिए पेंचक सिलाट का सफर कभी आसान नहीं रहा। आर्थिक तंगी ने उन्हें कालेज की पढ़ाई छोड़ने पर मजबूर कर दिया था, तो एक गंभीर चोट ने उनके खेल करियर को लगभग खत्म कर दिया था। इसके बावजूद 19 वर्षीय सुधीर ने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत के दम पर खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026 में पेंचक सिलाट की गांडा स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह मुकाबले दिउ के गांडा स्थल पर खेले गए।

सुधीर ने साईं मीडिया से बातचीत में कहा, हम पांच लोगों का परिवार है। मैं तीन भाइयों में सबसे बड़ा हूं। पिता छोटे स्तर पर पशुपालन का काम करते । मैं वेल्डिंग का काम करता हूं, जिससे मुझे 500 रुपये प्रतिदिन मिलते हैं और खाली समय में पिता के साथ सूअर बेचने में मदद करता हूं। आर्थिक समस्याओं के कारण सुधीर को बीपीएड (बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन) की पढ़ाई पांचवें सेमेस्टर में ही छोड़नी पड़ी। वह चाहते थे कि उनके दोनों छोटे भाई, जो अभी स्कूल में हैं और उसी अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं, खेल में आगे बढ़ें।

इंफाल की प्रसिद्ध नवांग स्पोर्ट्स अकादमी से निकले सुधीर ने 2018 में पेंचक सिलाट शुरू किया। उन्होंने जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और जूनियर नेशनल्स में 45-50 किग्रा टांडिंग (काम्बैट) वर्ग में स्वर्ण जीता, इसके बाद उन्होंने 2021 में 50-55 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।2022 के नार्थ ईस्ट गेम्स में रजत पदक जीतने के बाद उनके करियर को बड़ा झटका लगा। अकादमी में उचित मैट न होने के कारण अभ्यास के दौरान उनका पैर फर्श के गड्ढे में फंस गया, जिससे पैर की उंगली गंभीर रूप से घायल हो गई। इस चोट के चलते उन्हें काम्बैट (टांडिंग) से हटकर आर्टिस्टिक और परफार्मेंस श्रेणी में जाना पड़ा। सुधीर एक साधारण परिवार से आते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्हें कम उम्र में ही जिम्मेदारियां उठानी पड़ीं। लगातार दो वर्षों तक शांतिपूर्वक अभ्यास करने के बाद सुधीर ने शानदार वापसी की। उन्होंने लखनऊ में हुई आल इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में गांडा स्वर्ण पदक जीता और वियतनाम में आयोजित एशियन पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में चौथा स्थान हासिल किया, जो उनका पहला अंतरराष्ट्रीय अनुभव था। संघर्ष, मेहनत और जज्बे की यह कहानी सुधीर मीतेई को न सिर्फ एक चैंपियन बनाती है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा भी है।

केआईबीजी 2026 में पहली बार हिस्सा ले रहे सुधीर ने रेत पर खेल की चुनौती के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, यह मेरा पहला खेलो इंडिया बीच गेम्स था। मैंने माता-पिता से वादा किया था कि स्वर्ण जीतकर लौटूंगा। फाइनल के दौरान घबराहट थी, लेकिन आखिरकार मैंने गोल्ड जीत लिया। उन्होंने आगे कहा, रेत पर प्रदर्शन करना आसान नहीं था, लेकिन यह एक नया अनुभव था। खेलो इंडिया जैसे मंच पर खेलना मेरे लिए खास रहा और स्वर्ण पदक इसे और यादगार बना देता है।

न्यूज ब्रीफ

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध

ई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक र्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद स्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट भीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी। न्यूजीलैंड खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 नवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, विजय हजारे र्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में वेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें रंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर त्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, मने अपने विशेषज्ञ डाक्टरों से राय ली और वे भी इस त से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और ब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद से ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में नकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी लेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर श्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन ल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित, तजिंदरपाल तूर करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली। पुरुष शाटपुट के दो बार के एशियन इंडोर चैंपियन तजिंदरपाल सिंह तूर 12वीं एशियन

इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 17 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता 6 से 8 फरवरी तक चीन के तिआनजिन में आयोजित होगी। एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया ने गुरुवार को भारतीय दल की घोषणा की। टीम 3 फरवरी को चीन के लिए रवाना होगी। इस दल में उभरते हुए शाटपुट खिलाड़ी समरदीप सिंह गिल को भी शामिल किया गया है। तजिंदरपाल तूर ने इससे पहले ईरान के तेहरान में आयोजित 11वीं एशियन इंडोर चैंपियनशिप में 19.72 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। पंजाब के 31 वर्षीय इस अनुभवी एथलीट का राष्ट्रीय आउटडोर रिकार्ड 21.77 मीटर है, जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में बनाया था। दो बार के एशियन गेम्स चैंपियन तूर 10वीं एशियन इंडोर चैंपियनशिप (नूर-सुल्तान, कजाकिस्तान) में भी स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। लान्ग जंप के उभरते खिलाड़ी शहनवाज़ खान और अनुभवी ट्रिपल जंपर प्रवीण चिथ्रावेल भी इस चैंपियनशिप के जरिए अपने 2026 सीजन की शुरुआत करेंगे। पुरुष वर्ग में तेजस्विन शंकर (हेप्टाथलान) और मणिकांता होबलीधर (60 मीटर) भी प्रमुख नाम हैं। महिला वर्ग में देश की शीर्ष स्प्रिंटर्स नित्या गांधे और अभिनया राजाराजन 60 मीटर दौड़ में हिस्सा लेंगी। मौमिता मंडल 60 मीटर बाधा दौड़ के साथ-साथ लान्ग जंप में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। पिछली बार ईरान में आयोजित एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में भारत ने चार पदक जीते थे, जिसमें तीन स्वर्ण और एक रजत शामिल था। पुरुष शाटपुट में तजिंदरपाल तूर, महिला बाधा दौड़ में ज्योति याराजी और हरमिलन बैंस ने स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि महिला 3000 मीटर में अंकिता ने रजत पदक दिलाया था। भारतीय राष्ट्रीय एथलेटिक्स टीम पुरुष: मणिकांता होबलीधर (60 मीटर), तेजस शिरसे (60 मीटर बाधा दौड़), जे आदर्श राम (हाई जंप), सीवी अनुराग, शहनवाज़ खान (लान्ग जंप), प्रवीण चिथ्रावेल (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल, तजिंदरपाल सिंह तूर (शाटपुट), तेजस्विन शंकर (हेप्टाथलान) महिला: नित्या गांधे, अभिनया राजाराजन (60 मीटर), मौमिता मंडल, प्रज्ञन प्रसांति साहू (60 मीटर बाधा दौड़), पूजा (हाई जंप), एंसी सोजन, मौमिता मंडल (लान्ग जंप), योगिता (शाटपुट), केए अनामिका (पेंटाथलान)।

आईएसएल फुटबाल लीग 14 फरवरी से शुरु होगी : मंडाविया, सभी 14 क्लब भाग लेंगे।

ई दिल्ली। बहुप्रतीक्षित इंडियन सुपर लीग आईएसएल) फुटबाल लीग की शुरुआत अगले

माह 14 फरवरी 2026 से होगी। केंद्रीय खेल मंत्री डा. मनसुख मंडाविया ने पिछले काफी समय से रुकी इस लीग को शुरु करने की घोषणा की। स घोषणा से फुटबाल खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने हत की सांस ली है। आईएसएल पिछले काफी मय से रुका हुआ है। इसका कारण फुटबाल पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और ाल इंडिया फुटबाल फेडरेशन (एआईएफएफ) के च मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के वीनीकरण का मामला अटका होना था। फएसडीएल ने एमआरए की अवधि समाप्त होने का वाला देते हुए कहा था कि सत्र को तय समय पर रु नहीं किया जा सकता है। लीग में आईएसएल शामिल सभी 14 क्लब भाग लेंगे।

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर सिटी फिर ड्रॉ पर अटका, ब्राइटन ने की शानदार वापसी, सेमेन्यो ने बॉर्नमाउथ के लिए यादगार विदाई ली

मैनचेस्टर,08 जनवरी (एजेंसियां) ।

मैनचेस्टर सिटी को प्रीमियर लीग में लगातार तीसरे मुकाबले में ड्रा से संतोष करना पड़ा। बुधवार को घरेलू मैदान पर खेले गए मैच में सिटी और ब्राइटन एंड होव एल्बियन के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर खत्म हुआ। सिटी के लिए एरलिंग हालांड ने पेनल्टी से गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ में ब्राइटन के काओरु मितोमा ने बराबरी दिला दी। इस ड्रा के साथ सिटी 43 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है और शीर्ष पर काबिज आर्सेनल से उसके पांच अंक पीछे है। आर्सेनल गुरुवार को लिवरपूल के खिलाफ खेलेगा।

हालांड ने पहले हाफ के अंत से चार मिनट पहले पेनल्टी पर गोल कर सिटी को बढ़त दिलाई। यह उनके करियर का सिटी के लिए 150वां गोल था। जेरेमी डोकू को डिएगो गोमेज़ द्वारा फाउल किए जाने के बाद ढ्ढक्र समीक्षा में पेनल्टी का फैसला सही ठहराया गया। इस गोल के साथ हालांड ने तीन मैचों का गोल सूखा खत्म किया और इस सीजन में अपने 20 प्रीमियर लीग गोल पूरे किए।

दूसरे हाफ की शुरुआत में सिटी बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंची, लेकिन बर्नार्डो सिल्वा का शाट पोस्ट से टकरा गया। मैच के दौरान सिटी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा और ब्राइटन के मैक्सिम डी काइपर के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली, जिसके बाद दोनों को पीला कार्ड दिखाया गया।

60वें मिनट में ब्राइटन ने बराबरी कर ली। मितोमा ने फ्लैंक से मिले पास को बाक्स के किनारे नियंत्रित किया और शानदार लो शाट लगाकर गेंद को दूर कोने में पहुंचा दिया। इसके बाद ब्राइटन ने मैच की रफ्तार पर नियंत्रण कर लिया और बढ़त लेने के करीब भी पहुंचा। मितोमा के शाट ने एक बार फिर पोस्ट का सहारा लिया।

अंतिम क्षणों में हालांड के पास मैच जिताने का सुनहरा मौका था, लेकिन ब्राइटन के गोलकीपर बार्ट वेरब्रुगन ने शानदार बचाव कर सिटी को जीत से वंचित कर दिया।

सेमेन्यो ने स्टाइल में किया साइन-आफ

एंटोइन सेमेन्यो ने अपना 26वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। उन्होंने स्टापेज टाइम में निर्णायक गोल दागकर बार्नमाउथ को टोटेनहम हाटस्पर पर 3-2 से रोमांचक जीत दिलाई। यह मुकाबला लगभग तय तौर पर बार्नमाउथ के लिए सेमेन्यो का आखिरी मैच माना जा रहा है, क्योंकि उनके मैनचेस्टर सिटी जाने की संभावना है।

घाना के इस फारवर्ड ने दाएं पैर से घुमाकर लगाया गया शाट टोटेनहम के गोलकीपर गुग्लिएल्मो विकारियो के पास से निकाल दिया। गोल के बाद मैदान में जश्न का माहौल देखने को मिला और सब्स्टीट्यूट होने पर उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन मिला। यह बार्नमाउथ के लिए प्रीमियर लीग में उनका 101 मैचों में 30वां गोल था।

बार्नमाउथ के खिलाड़ी मार्कस टैवर्नियर ने कहा यह बिल्कुल फिल्मी पल था, और इससे बेहतर कोई हकदार नहीं हो सकता। कोच एंडोनी इराओला ने भी संकेत दिए कि सेमेन्यो क्लब छोड़ सकते हैं और उनकी जमकर तारीफ की। उन्होंने आखिरी सेकंड तक टीम के लिए जो किया, वह काबिल-ए-तारीफ है। फुटबाल ने उन्हें एक खूबसूरत पल दिया, इराओला ने कहा। इस जीत के साथ बार्नमाउथ ने प्रीमियर लीग में 11 मैचों से चली आ रही बिना जीत की लकीर तोड़ दी। मैच में बार्नमाउथ ने शुरुआती गोल खाने के बाद शानदार वापसी की। मैथिस टेल के गोल से टोटेनहम ने बढ़त बनाई थी, लेकिन पहले हाफ तक एवैनिल्सन और जूनियर क्रूपी के गोल से मेजबान टीम आगे निकल गई। टोटेनहम की ओर से जोआओ पाल्हिन्हा ने ओवरहेड किक से शानदार गोल कर स्कोर बराबर किया, लेकिन अंत में सेमेन्यो ने बार्नमाउथ को जीत दिला दी। इस हार के बाद टोटेनहम मैनेजर थामस फ्रैंक पर दबाव और बढ़ गया है। टीम फिलहाल लीग तालिका में 14वें स्थान पर है।

स्पैनिश सुपर कप: एथलेटिक क्लब को 5-0 से रौंदकर फाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

जेद्दा,08 जनवरी (एजेंसियां) । एफसी बार्सिलोना ने स्पैनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में बुधवार देर रात एथलेटिक क्लब को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से हराकर फाइनल में शानदार प्रवेश किया। मुकाबला हाफटाइम तक ही लगभग खत्म हो चुका था, जब बार्सिलोना ने चार गोल की बढ़त बना ली थी। यह बार्सिलोना का लगातार चौथा स्पैनिश सुपर कप फाइनल है और कुल मिलाकर 28वां, जो इस टूर्नामेंट में उसके दबदबे को और मजबूत करता है। बार्सिलोना अब तक 15 बार सुपर कप खिताब जीत चुका है, जो किसी भी क्लब से ज्यादा है। मैच से पहले एथलेटिक क्लब के कप्तान इनाकी विलियम्स ने सुपर कप को सऊदी अरब में कराने के फैसले की आलोचना की थी। हालांकि, मैच की शुरुआत के पहले 10 मिनट में एथलेटिक ने कुछ आक्रामकता दिखाई, लेकिन इसके बाद टीम का फोकस बिखर गया और बार्सिलोना के तेज और लयबद्ध आक्रमण के सामने वह टिक नहीं सकी। बार्सिलोना ने 18वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल से खाता खोला। इससे पहले एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने फर्मिन लोपेज का शाट बचाया था। एथलेटिक का दावा था कि शुरुआती गोल से पहले उनके खिलाड़ी एलेक्स बेरेंगुएर के साथ फाउल हुआ था, लेकिन इसके बाद आए गोलों की बौछार का उनके पास कोई जवाब नहीं था। 30वें मिनट में राफिन्हा के शानदार क्रास पर फर्मिन लोपेज ने गेंद को जाल में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके महज दो मिनट बाद फर्मिन ने रूनी बार्डघजी को बेहतरीन पास दिया, जिस पर उन्होंने तीसरा गोल दागा। 38वें मिनट में रूनी बार्डघजी ने इस बार राफिन्हा को मौका दिया और राफिन्हा ने ताकतवर शाट के साथ अपना पहला गोल किया। दूसरे हाफ के सात मिनट बाद दोनों की जोड़ी ने एक बार फिर कमाल दिखाया और बार्सिलोना ने पांचवां गोल दाग दिया। एथलेटिक के कोच एर्नेस्टो वालवर्दे ने एक घंटे के भीतर ही अपने सभी पांच बदलाव कर दिए, जबकि बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने मार्कस रैशफोर्ड, मार्क बर्नाल, जेरार्ड मार्टिन और लामिन यामाल को मैदान पर उतारा। इसके बाद मैच की गति धीमी हो गई। एथलेटिक के उनाई गोमेज़ को एक अच्छा मौका जरूर मिला, लेकिन तब तक बार्सिलोना की नजरें रविवार को होने वाले फाइनल पर टिक चुकी थीं। फाइनल में उसका सामना रियल मैड्रिड या एटलेटिको मैड्रिड से होगा, जिनके बीच दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को खेला जाएगा।

अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए आईसीसी ने घोषित किये मैच अधिकारी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इस टूर्नामेंट में एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल से 17 अंपायर और 4 मैच रेफरी अपनी सेवाएं देंगे। इस विश्व कप में 13 विभिन्न देशों के मैच अधिकारी शामिल होंगे, जिनमें मेजबान देश जिम्बाब्वे के दो अंपायर भी शामिल हैं। जिम्बाब्वे के लिए तीनों प्रारूपों में 21 मैच खेल चुके फार्स्टर मुटिज़्वा के साथ उनके हमवतन इनो चाबी भी अंपायरों की सूची में हैं। अन्य प्रमुख अंपायरों में वेस्टइंडीज के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डाइटन बटलर और इंग्लैंड के ग्राहम लायड शामिल हैं। खास बात यह है कि ग्राहम लायड के पिता डेविड लायड स्वयं एक प्रसिद्ध अंपायर रह चुके हैं और बाद में एक चर्चित क्रिकेट ब्राडकास्टर बने। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने कहा, आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार मंच है, लेकिन यह उभरते मैच अधिकारियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट उनके अंपायरिंग करियर को नई दिशा देगा।

सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप में तमिलनाडु महिला टीम की जीत,क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

वाराणसी,08 जनवरी (एजेंसियां) । उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डा. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वालीबाल चैंपियनशिप के पांचवें दिन गुरुवार को महिला वर्ग में तमिलनाडु की टीम ने अपना दबदबा दिखाया। एक तरफा रहे प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में तमिलनाडु ने तेलंगाना को 3-0 से करारी शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है।

मैच की शुरुआत से ही तमिलनाडु की महिला खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया, जिसका तेलंगाना की टीम के पास कोई जवाब नहीं था। तमिलनाडु ने सीधे सेटों में यह मुकाबला अपने नाम किया। पूरे मैच के दौरान तमिलनाडु की सर्विस और स्मैश इतने सटीक थे कि तेलंगाना की टीम किसी भी सेट में 15 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी। तीसरे सेट में तमिलनाडु ने महज 8 अंक देकर मैच पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। इस जीत के साथ ही तमिलनाडु ने टूर्नामेंट के अगले दौर यानी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब उनकी नज़रें खिताब की ओर हैं, जहां उनका मुकाबला पूल की शीर्ष वरीयता प्राप्त टीमों से होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश ने गुजरात पर बनाई बढ़त

महिला वर्ग के एक अन्य प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने शानदार शुरुआत की है। गुजरात के खिलाफ खेलते हुए उत्तर प्रदेश की टीम ने मैच के पहले सेट में ही अपनी लय पकड़ ली और गुजरात को 25-16 के अंतर से करारी शिकस्त देते हुए 1-0 की बढ़त बना ली है। उत्तर प्रदेश की खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और सटीक स्मैश के दम पर गुजरात के डिफेंस को पस्त कर दिया। गुजरात को प्लेआफ में हराकर उत्तर प्रदेश की टीम अगले चक्र में प्रवेश कर गई। महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश महिला टीम का मैच अगले चक्र में ओडिशा की टीम से सायंकाल खेला जायेगा।

उधर, प्लेआफ़ के पुरुष वर्ग में केरल ने छत्तीसगढ़ को 3-0(25-16,25-19,25-15) हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया।

डब्ल्यूटीसी 2025-27 पाइंट्स टेबल अपडेट: एशेज के बाद आस्ट्रेलिया शीर्ष पर मजबूत, इंग्लैंड 7वें स्थान पर

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां) ।

एशेज सीरीज के समापन के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका अपडेट हो गई है। पांच मैचों की एशेज सीरीज़ में आस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 4-1 से हराकर शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है, जबकि इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में सातवें पायदान पर संघर्ष करती नजर आ रही है।

सिडनी में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में आस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। इसके साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज़ 4-1 से अपने नाम की। आस्ट्रेलिया ने अब तक खेले गए 8 मैचों में 7 जीत दर्ज की हैं, जबकि उसकी इकलौती हार बाक्सिंग डे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ आई थी।

दूसरी ओर, इंग्लैंड का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मैचों में सिर्फ 3 जीत हासिल की हैं, जबकि उसे 6 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। स्लो ओवर-रेट के चलते इंग्लैंड के दो अंक भी काटे गए हैं।

आईसीसी डब्ल्यूटीसी 2025-27 अंक तालिका (एशेज के बाद)

- 1. आस्ट्रेलिया – मैच: 8, जीत: 7, हार: 1, ड्रा: 0, अंक: 84, अंक प्रतिशत: 87.50
- 2. न्यूजीलैंड – मैच: 3, जीत: 2, हार: 0, ड्रा: 1, अंक: 28, अंक प्रतिशत: 77.78
- 3. दक्षिण अफ्रीका – मैच: 4, जीत: 3, हार: 1, ड्रा: 0, अंक: 36, अंक प्रतिशत: 75.00
- 4. श्रीलंका – मैच: 2, जीत: 1, हार: 0, ड्रा: 1, अंक: 16, अंक प्रतिशत: 66.67
- 5. पाकिस्तान – मैच: 2, जीत: 1, हार: 1, ड्रा: 0, अंक: 12, अंक प्रतिशत: 50.00
- 6. भारत – मैच: 9, जीत: 4, हार: 4, ड्रा: 1, अंक: 52, अंक प्रतिशत: 48.12
- 7. इंग्लैंड* – मैच: 10, जीत: 3, हार: 6, ड्रा: 1, अंक: 38, अंक प्रतिशत: 31.67
- 8. बांग्लादेश – मैच: 2, जीत: 0, हार: 1, ड्रा: 1, अंक: 4, अंक प्रतिशत: 16.67
- 9. वेस्टइंडीज – मैच: 8, जीत: 0, हार: 7, ड्रा: 1, अंक: 4, अंक प्रतिशत: 4.17

नोट: स्लो ओवर-रेट के कारण इंग्लैंड के दो अंक काटे गए हैं।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

अमागी मीडिया के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का हुआ ऐलान, 13 जनवरी को लॉन्च होगा कंपनी का पब्लिक इश्यू

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां) ।

मीडिया सेक्टर से जुड़ी कंपनी अमागी मीडिया लैब्स के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 343 रुपये से लेकर 361 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 41 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,788.62 करोड़ रुपये का है। अमागी मीडिया लैब्स का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 13 जनवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें 16 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 19 जनवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 20 जनवरी को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 21 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 41 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,801 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,413 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 5 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 4,95,46,221 शेयर जारी हो रहे हैं। इसमें 2,26,03,878 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसके अलावा 973 करोड़ रुपये के 2,69,42,343 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 321.27 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 245 करोड़ रुपये और 2024-25 में गिर कर 68.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2025 में कंपनी को 6.47 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 724.72 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 942.24 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 1,223.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी 30 सितंबर 2025 के अंत तक कंपनी को 733.93 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई फोकस्ड फंड, लंबी अवधि का निवेश बनाता है करोड़पति

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन असली फायदा लंबे समय तक निवेश बनाए रखने से मिलता है। एसबीआई फोकस्ड फंड इसका बेहतरीन उदाहरण है। यह फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन करता आया है और निवेशकों को समय के साथ मजबूत कॉर्पस बनाने में मदद करता है। अगर किसी निवेशक ने 20 साल पहले हर महीने 10,000 रुपए की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 1.54 करोड़ रुपए बन चुका होता। यह साबित करता है कि नियमित निवेश और कंपाउंडिंग समय के साथ कितना प्रभावशाली हो सकता है। बीते 3, 5, 10 और 20 वर्षों में फंड ने एसआईपी निवेशकों को औसतन 16 फीसदी से अधिक का सालाना रिटर्न दिया। 3 साल की एसआईपी पर 18.56, 5 साल पर 16.04 और 10 साल पर 16.09 फीसदी सीएजीआर मिला। फंड का लंपसम निवेश में भी मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आम निवेशकों के लिए एसआईपी ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीका है, क्योंकि यह बाजार की उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।

दिसंबर 2025 में सोना-चांदी के ईटीएफ में एयूएम 2 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) की संयुक्त प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) दिसंबर 2025 में पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार चली गईं। साल की शुरुआत में यह केवल 57,000 करोड़ रुपये थी, जो सितंबर तक लगभग दोगुनी होकर 1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। केवल चार महीनों में एयूएम में इतनी तेजी रिकॉर्ड निवेश और कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण हुई। दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में 11,700 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में निवेश दोगुना से अधिक बढ़कर 4,700 करोड़ रुपये हुआ। 2025 में कुल शुद्ध निवेश गोल्ड ईटीएफ में 43,000 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ में 24,200 करोड़ रुपये रहा। गोल्ड ईटीएफ की निवेश दर म्युचुअल फंड श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड के बाद दूसरे स्थान पर रही। 2025 में सोने की कीमत में 75 फीसदी और चांदी की कीमत में 168 फीसदी की वृद्धि हुई। भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, डॉलर का नरम होना सोने की मांग बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। चांदी की कीमतों को मजबूत औद्योगिक मांग और आपूर्ति बाधाओं ने सहारा दिया। सोने के ईटीएफ फोलियो में पहले 11 महीनों में 53 फीसदी वृद्धि, जबकि चांदी में चार गुना वृद्धि दर्ज हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की यह तेजी दीर्घकालिक संरचनात्मक कारणों से प्रेरित है, और कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल लंबे समय तक कायम रह सकता है।

वर्क फ्रॉम होम से लौट रही हैं आईटी कंपनियां

नई दिल्ली। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां अब कर्मचारियों को दफ्तर बुलाने पर जोर दे रही हैं। विप्रो ने

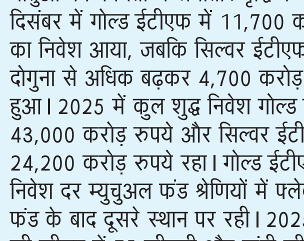

कर्मचारियों से कहा है कि उन्हें हफ्ते में तीन दिन कम से कम 6 घंटे ऑफिस में काम करना होगा, अन्यथा आधे दिन की छुट्टी काटी जाएगी। टीसीएस ने 2024 से वर्क फ्रॉम होम बंद कर दिया है और तिमाही वेरिएबल पे उपस्थिति से जोड़ दी है। इन्फोसिस ने लेवल 5 से ऊपर के कर्मचारियों को महीने में 10 दिन ऑफिस में रहने का आदेश दिया है। एचसीएल टेक में ई4 कर्मचारियों को सप्ताह में एक दिन और ई5 प्लस को तीन दिन ऑफिस आना होता है, लेकिन समय सीमा तय नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेजी से बदलते परियोजना जीवन चक्र, एआई युग और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण कंपनियां सहयोग और दक्षता बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। टीमलीज डिजिटल की सीईओ के अनुसार, कर्मचारियों की उपस्थिति और दफ्तर में बिताए घंटे पर निगरानी आवश्यक है। अमेरिकी आईटी कंपनियां सतर्क हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने अगले महीने से तीन दिन ऑफिस उपस्थिति अनिवार्य की है। कॉग्निजेंट ने कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर रखने वाले टूल प्रोहेंस का उपयोग शुरू किया है।

भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 26 में 7.4 फीसदी बढ़ने की उम्मीद : एनएसओ

वास्तविक जीडीपी में मजबूती, नॉमिनल वृद्धि धीमी रहेगी

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां) ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2026 के लिए पहला अग्रिम अनुमान जारी किया है। अनुमान के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 2025 की 6.5 फीसदी वृद्धि से बेहतर है। यह आंकड़ा वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता को दर्शाता है। हालांकि नॉमिनल जीडीपी केवल 8 फीसदी बढ़ने का अनुमान है, जो कोविड महामारी से प्रभावित वित्त वर्ष 21 के बाद सबसे धीमी वृद्धि है। इसमें मुख्य भूमिका जीडीपी डिफ्लेटर की है, जो पांच दशक के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर है। वास्तविक और नॉमिनल जीडीपी के बीच अंतर 60 आधार अंक ही रह गया है, जो वित्त वर्ष 2011-12 के बाद सबसे कम है। वित्त वर्ष 26 की पहली छमाही में वृद्धि 8 फीसदी रही, लेकिन दूसरी छमाही में यह घटकर 6.9 फीसदी होने की संभावना है। सकल मूल्य वर्धन 7.3 फीसदी बढ़ने का अनुमान है, जिससे शुद्ध अप्रत्यक्ष करों का मामूली सकारात्मक योगदान दिखता है। नॉमिनल जीडीपी में कमी और आयकर व जीएसटी में छूट के कारण कर संग्रह पर दबाव रहेगा। अनुमान है कि राजस्व में लगभग 1.5-2 लाख करोड़ रुपये की कमी आएगी। हालांकि, खर्च में नियंत्रण और भारतीय रिजर्व बैंक से लाभांश मिलने से सरकार वित्त वर्ष 26 में राजकोषीय घाटे को 4.4 फीसदी तक सीमित रख सकेगी।

जीवन बीमा क्षेत्र में कमीशन पर लगेगी लगाम, नए नियमों की तैयारी

नई दिल्ली। जीवन बीमा क्षेत्र में बढ़ती अधिग्रहण लागत को नियंत्रित करने के लिए जीवन बीमा परिषद की एक समिति कमीशन ढांचे में बदलाव की सिफारिश कर सकती है। समिति वितरकों को दिए जाने वाले कमीशन पर सीमा तय करने या कमीशन को किस्तों में देने का सुझाव दे सकती है, जिससे बीमा कंपनियों की लागत कम हो सके। फिलहाल जीवन बीमा कंपनियों को प्रबंधन व्यय (ईओएम) के तय मानकों के भीतर काम करना होता है, लेकिन पॉलिसी के हिसाब से कमीशन की कोई अलग सीमा नहीं है। कमीशन की सीमा प्रीमियम के प्रतिशत के आधार पर तय होती है, जो पहले वर्ष और नवीकरण प्रीमियम के अनुसार अलग-अलग होती है। इस व्यवस्था के चलते कंपनियां कुछ पॉलिसियों पर अधिक कमीशन देने के लिए स्वतंत्र हैं। हाल के महीनों में डिस्ट्रीब्यूटरों को बढ़े हुए भुगतान के कारण अधिग्रहण लागत में इजाफा हुआ है, जिसकी जांच की जा रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार समिति ने सुझाव दिया है कि कमीशन का भुगतान प्रीमियम संग्रह के अनुरूप किया जाए या उस पर अधिकतम सीमा लगाई जाए। उम्मीद है कि इस संबंध में अप्रैल तक आईआरडीएआई नए नियम जारी कर सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में भी उच्च अधिग्रहण लागत पर चिंता जताई गई है। अधिग्रहण लागत घटाने किस्तों में कमीशन या सीमा तय करने पर विचार आरबीआई ने कहा है कि वितरण की ऊंची लागत के कारण प्रीमियम बढ़ रहा है और इससे पॉलिसीधारकों के लाभ सीमित हो रहे हैं।

भारत में ईवी बाजार 2025 में तेजी से बढ़ा बाजार मे प्रतिस्पर्धा बढ़ी

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 2025 में मजबूत बढ़त दर्ज कर रही है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के 99,875 से बढ़कर 176,817 हो गई, यानी 77.04 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि, नए मॉडल और कंपनियों के प्रवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। टाटा मोटर्स ने 70,004 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो पिछले साल से 13.28 फीसदी अधिक हैं।

यात्री वाहनों की बिक्री में 77 फीसदी की वृद्धि देखी गई

इसके बावजूद, उसकी बाजार हिस्सेदारी 61 फीसदी से घटकर 39.6 फीसदी रह गई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री दोगुनी से अधिक बढ़कर 51,387 वाहन हो गई, जिससे उसकी हिस्सेदारी 21.8 फीसदी से 29.1 फीसदी तक पहुंची। महिंद्रा × महिंद्रा ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, बिक्री लगभग 5 गुना बढ़कर 33,513 वाहन हुई। प्रीमियम सेगमेंट में ह्युंडै, बीवाईडी, बीएमडब्ल्यू और किआ ने तीन अंकों में वृद्धि की, जबकि स्टेलेंटिस और वॉल्वो की बिक्री में गिरावट आई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टीवीएस मोटर 298,881 वाहनों के साथ आगे रही, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 23.35 फीसदी तक बढ़ी। बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। एथर एनर्जी की बिक्री 58.91 फीसदी बढ़कर 200,797 वाहन हो गई। इसके विपरीत, ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री आधी होकर 199,318 रह गई और बाजार हिस्सेदारी 35.47 फीसदी से घटकर 15.57 फीसदी हो गई। विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में और बदलाव संभव हैं, क्योंकि मारुति सुजूकी जैसे दिग्गज भी ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। 15 लाख रुपये से कम वाले सेगमेंट में नए विकल्पों ने मांग बढ़ाई है, जिससे दोनों यात्री और दोपहिया ईवी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

टाइटन लैब में तैयार हीरों के बाजार में बीयॉन ब्रांड के साथ प्रवेश करेगी

नई दिल्ली। टाइटन ने हाल ही में घोषणा की कि वह अपने नए ब्रांड बीयॉन के माध्यम से लैब में तैयार किए गए हीरों के क्षेत्र में कदम रख रहा है। कंपनी का उद्देश्य इस नए ब्रांड के साथ शीर्ष स्थान हासिल करना है। टाइटन के एक अधिकारी ने निवेशक कॉल के दौरान कहा कि शुरुआत में 5 से 10 स्टोर खोले जाएंगे ताकि लागत और लाभ का सटीक आकलन किया जा सके। प्रारंभिक स्टोर केवल महानगरों में खुलेंगे, लेकिन कंपनी इसे धीरे-धीरे अन्य शहरों में भी ले जाने की योजना बना रही है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया कंपनी को समझने में मदद करेगी कि हर उत्पाद बनाने और बेचने में कितना खर्च आता है और कुल कमाई कितनी होती है। हालांकि वर्तमान में लैब में तैयार हीरों का बाजार कुल डायमंड बाजार का केवल 2 फीसदी से भी कम है, इसके बढ़ने की संभावना है। टाइटन इसे नई वृद्धि की संभावना के रूप में देख रहा है। साथ ही, कंपनी अपने मौजूदा हीरे के ब्रांड (तनिष्क, मिया, कैरटलेन, जोया) में निवेश जारी रखेगी।

एयर इंडिया का पहला लाइन फिट बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचेगा

नई दिल्ली,08 जनवरी (एजेंसियां) ।

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया को लंबा इंतजार करने के बाद लाइन फिट बोइंग 787-9 विमान मिल गया है। विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े में 8 साल से अधिक समय में शामिल होने वाला यह पहला ड्रीमलाइनर भी है। अमेरिका में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निरीक्षण के बाद इस विमान के अगले कुछ दिन में भारत पहुंचने की उम्मीद है।

एयर इंडिया ने 7 जनवरी को अमेरिका के सिएटल में बोइंग के एवरेट कारखाने में ड्रीमलाइनर का स्वामित्व हासिल किया। जनवरी, 2022 में निजीकरण के बाद लिया जाने वाला यह एयर इंडिया का पहला लाइन फिट ड्रीमलाइनर है। एयर इंडिया ने आखिरी बार लाइन फिट ड्रीमलाइनर अक्टूबर, 2017 में हासिल किया था, जब विमानन कंपनी भारत सरकार के स्वामित्व में थी। विमानन उद्योग में लाइन फिट का मतलब होता है कि कोई उपकरण, सिस्टम या फीचर विमान के विनिर्माण (असेंबली) की प्रक्रिया के दौरान ही विमान में लगाया जाए, न कि बाद में उसे विमान में लगाया जाए।

एयर इंडिया के मुताबिक 2023 में आर्डर किए गए 220 बोइंग विमान में से यह 52वां विमान है। एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही नैरो-बाडी बोइंग 737-8 के 51 विमानों की आपूर्ति मिल चुकी है, जिसे दिसंबर के अंत में शामिल किया गया। जनवरी, 2022 में टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान का आर्डर दिया था। एयरबस के आर्डर में से 6 ए350 विमान पहले ही एयर इंडिया के बेड़े में शामिल किए जा चुके हैं। एयर इंडिया के पास पहले से ही विस्तारा के 26 बी787-8 और 6 बी787-9 विमान हैं।

विस्तारा का विलय एयर इंडिया में हो चुका है। एयर इंडिया समूह के पास वर्तमान में 300 से अधिक विमान हैं, जिनमें से 185 विमान एयर इंडिया के हैं और शेष एयर इंडिया एक्सप्रेस के हैं। एयर इंडिया एयरलाइन के पुराने करीब एक दर्जन ड्रीमलाइनर विमान नए रूप में 2026 तक सेवा में लौट सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दीदीगिरी...

बैंक खातों से जुड़ी जानकारियां जब्त करना आईटी सेक्टर का अपमान और अपराध नहीं है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव से ठीक पहले उनकी टीम आई-पीएसी को निशाना बनाकर लोकतांत्रिक लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है और वह इसके खिलाफ चुप नहीं बैठेंगी।

ईडी का जवाब: आरोप पूरी तरह निराधार

ईडी ने मुख्यमंत्री के सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह तलाशी अभियान मनी लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के तहत एक नियमित कार्रवाई थी। एजेंसी का दावा है कि सुबह 7:30 बजे शुरू हुई यह शांतिपूर्ण कार्रवाई उस समय बाधित हुई, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और राज्य पुलिस मौके पर पहुंची और कथित रूप से फिजिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को वहां से हटाया गया।ईडी के अनुसार, यह पूरा मामला ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के इलाकों से कोयला चोरी, अवैध खनन और हवाला नेटवर्क के जरिए फैक्ट्रियों को आपूर्ति करने वाले सिंडिकेट से जुड़ा है।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज

इस मामले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। भाजपा नेता स्वपन दासगुप्ता ने मुख्यमंत्री के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए कहा कि खुद को कानून से ऊपर समझना असंवैधानिक है।वहीं, विपक्षी दलों ने ममता बनर्जी का समर्थन किया। कांग्रेस नेता अभिषेक सिंघवी ने इसे केंद्रीय एजेंसियों का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल बताया, जबकि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे बंगाल में भाजपा की संभावित हार के डर से जोड़ा।

रफ़्तार का...

राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी जोखिम का एक बड़ा स्रोत बने हुए हैं। तेलंगाना में 2023 में अकेले राजमार्गों पर 3,058 मौतें दर्ज की गईं, जो राज्य की कुल मौतों का लगभग आधा हिस्सा है। यह राष्ट्रीय पैटर्न को दर्शाता है, जहाँ राजमार्ग सड़क नेटवर्क का 5 प्रतिशत से भी कम हिस्सा हैं, लेकिन भारत भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटना मौतों में इनका योगदान 59.3 प्रतिशत है।

मुख्य जोखिम कारक और प्रभावित आयु वर्ग

हैदराबाद के जोखिम कारक राष्ट्रीय रुझानों के साथ मेल खाते हैं। ओवरस्पीडिंग (तेज गति) सड़क दुर्घटना मौतों का प्रमुख कारण बनी रही, जो देश भर में 68.1 प्रतिशत मौतों के लिए जिम्मेदार थी। दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक प्रभावित समूह रहे, जिनकी कुल मौतों में 44.8 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, इसके बाद 20.4 प्रतिशत के साथ पैदल यात्री रहे। ये आंकड़े हैदराबाद जैसे शहरी केंद्रों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक हैं, जहाँ मिश्रित यातायात और दोपहिया वाहनों की संख्या अधिक है।आयु के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं का बोझ मुख्य रूप से कामकाजी आबादी पर पड़ रहा है। भारत में होने वाली कुल मौतों में से लगभग दो-तिहाई 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की थीं। 2023 में देश भर में 18 वर्ष से कम उम्र के 9,489 बच्चों की सड़क दुर्घटनाओं में जान गई।

ट्रंप टैरिफ...

25,884.15 के निचले स्तर तक पहुंच गया। निफ्टी सुबह 26,106.50 पर खुला था और पिछले सत्र में 26,140.75 पर बंद हुआ था। लगातार चार कारोबारी दिनों में निफ्टी में कुल 444.40 अंकों की गिरावट दर्ज की जा चुकी है।बाजार में आई इस बड़ी गिरावट का असर देश की प्रमुख कंपनियों पर भी पड़ा है। टीसीएस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, इंफोसिस, भारती एयरटेल और एसबीआई जैसे दिग्गज शेयरों में भारी बिकवाली देखने को मिल रही है, जिससे निवेशकों की चिंता और बढ़ गई है।

निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान

शेयर बाजार में आई इस तेज गिरावट का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा है। बीएसई के मार्केट कैपिटलाइजेशन के आंकड़े इसकी पुष्टि करते हैं।

बुधवार को बाजार बंद होने के समय बीएसई का कुल मार्केट कैप 4,79,94,179.83 करोड़ रुपये था, जो गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान घटकर 4,72,86,789.30 करोड़ रुपये रह गया। इसका मतलब है कि एक ही दिन में निवेशकों को 7,07,390.53 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।आंकड़ों के मुताबिक, लगातार चार दिनों की गिरावट में अब तक निवेशकों की संपत्ति से कुल 8,37,990.05 करोड़ रुपये साफ हो चुके हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक टैरिफ को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 09 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एएसटी सुपर सिंगर के विजेताओं का विभिन्न शाखाओं व प्रायोजकों द्वारा भव्य सम्मान

समाज की केंद्रीय समिति ने निरंतर मिल रहे सम्मान पर जताया हर्ष

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा समाज बंधुओं के लिए आयोजित की गई गायन प्रतियोगिता एएसटी सुपर सिंगर के विजेताओं के स्वागत एवं सम्मान का सिलसिला उनकी शाखाओं और प्रायोजकों द्वारा निरंतर जारी है। इसी क्रम में विभिन्न शाखाओं एवं औद्योगिक संस्थानों ने अपने-अपने स्तर पर विजेताओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

इस क्रम में मुरलीनगर शाखा द्वारा आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ जश्न मनाते हुए शाखा सदस्य विश्वनाथ अग्रवाल को 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में प्रथम विजेता रहने पर पुष्पगुच्छ एवं शॉल (साल) भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद केडिया, मुरलीनगर शाखा के अध्यक्ष दिनेश शहबाजपूरिया, उपाध्यक्ष महेंद्र शिगनोदिया, सचिव दिनेश केडिया, सहसचिव मुकेश गोयल, कोषाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य सुनील केडिया, रामगोपाल डाडावाडा, शाखा सदस्यगण, विजेता विश्वनाथ अग्रवाल के परिवारजन एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

इसी समूह में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सीए अमित अग्रवाल को उनके समर्थक औद्योगिक संस्थान केशान इंडस्ट्रीज द्वारा सिकंदराबाद स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समूह प्रमुख विजय केशान, रजनीश केशान तथा कंपनी के कर्मचारी उपस्थित रहे, जहाँ पुष्पगुच्छ एवं उपहार प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया।

इसी समूह में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले माणिकलाल अग्रवाल को उनकी श्याम मंदिर शाखा द्वारा पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सीमा मोदी, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य रमेश गुप्ता, परामर्शदाता नवीन अग्रवाल सहित माणिकलाल अग्रवाल के परिवारजन उपस्थित रहे।

45 वर्ष तक की आयु वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले डॉ. प्रशांत देव गुप्ता को उनकी शाखा अत्तापुर सेंट्रल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, सचिव राजेश अग्रवाल, सहसचिव सुरेश बंसल, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य नवीन अग्रवाल, शाखा सदस्यगण तथा डॉ. प्रशांत के परिवारजन उपस्थित रहे।

इसी आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले रोहन अग्रवाल को उनकी शाखा अत्तापुर युवा मोर्चा शाखा द्वारा शनिवार, 10 जनवरी की दोपहर एक विशेष आयोजन में सम्मानित किया जाएगा।

अग्रवाल समाज की केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों ने एएसटी सुपर सिंगर्स के विजेताओं के प्रति समाज बंधुओं द्वारा निरंतर दिए जा रहे सम्मान पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे समाज की एकता, प्रतिभा और सांस्कृतिक चेतना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

आभार मानती हूँ राधे-राधे ग्रुप का : सुमन अग्रवाल

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा और मानवता से जुड़ा पुण्य कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमती सुमन अग्रवाल ने राधे-राधे ग्रुप के प्रति आभार व्यक्त किया।

राधे राधे ग्रुप में जो मेरे जन्मदिन का उपहार दिया वह कभी भी भूलाया नहीं जा सकता। राधे राधे ने जो अपनापन दिया वह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार और संवेदनाओं से जुड़ा परिवार है। उन्होंने इस पुण्य कार्य में विशेष सहयोग के लिए राधे-राधे ग्रुप के संयोजक श्री सतीश गुप्ता, श्री जगत नारायण अग्रवाल, श्री राम प्रकाश अग्रवाल एवं श्री महेश अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से सेवा कार्य निरंतर संभव हो पा रहे हैं। इस पुण्य कार्य में हमारा भी सहयोग रहा, यह गर्व का विषय है।

पंकज अग्रवाल का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के चुनाव में उपाध्यक्ष पद पर भारी मतों से विजय प्राप्त करने पर गौभक्त एवं उद्योगी पंकज कुमार अग्रवाल का इमलीबन गौशाला के अजय कुमार, महेश अग्रवाल, प्रेमचंद एवं अन्य गौभक्तगण ने स्वागत-सम्मान किया।

इसी अवसर पर पंकज कुमार अग्रवाल का गौतमचंद जैन, रोहित अग्रवाल, कमल आहूजा, दिनेश कुमार, अनिल संघी, अनूप अग्रवाल, अभिषेक गुप्ता एवं अन्य व्यापारी बंधुओं ने भी स्वागत-सम्मान किया।

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, श्रीशैलम में दर्शन एवं आशीर्वाद लाभ प्राप्त करते हुए पहाडी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, मंजू डाकोतिया, शिव कुमार गुप्ता एवं अरुणा गुप्ता ।

दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ एंड मर्चेंट्स एसोसिएशन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष पुरुषोत्तम गुप्ता एवं उपाध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल का बीजी टेक्सटाइल मार्केट, हैदराबाद में हैदराबाद कट पीस क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सदस्यों की उपस्थिति में सम्मान किया गया।

एसपीसीए हैदराबाद जिला समिति की बैठक सम्पन्न

पशु कल्याण सक्रियता बढ़ाने के लिए नए सदस्यों के नामांकन का निर्णय

14 से 31 जनवरी तक पशु कल्याण पखवाड़ा मनाने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पशु क्रूरता निवारण संस्था (एसपीसीए) की हैदराबाद जिला समिति की बैठक 8 जनवरी 2026 को जिला पशु चिकित्सा एवं पशुपालन कार्यालय, सीतारामबाग, हैदराबाद में आयोजित की गई। बैठक में जिले में पशु कल्याण गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में हैदराबाद स्थित डीएसपीसीए में नए सदस्यों के नामांकन के संबंध में चर्चा की गई तथा समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि जिले में पशु कल्याण के प्रति सक्रियता को प्रोत्साहित करने हेतु इच्छुक कार्यकर्ताओं को सदस्यता का अवसर दिया जाए। पशु कल्याण में रुचि रखने वाले कार्यकर्ता 22 जनवरी 2026 या उससे पहले निर्धारित शुल्क जमा कर सदस्यता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति हैदराबाद स्थित पशु कल्याण स्वास्थ्य विभाग (डीवीएएचओ) के कार्यालय से मोबाइल नंबर 9121213118 पर संपर्क कर सकते हैं।बैठक के दौरान सदस्यों ने पशु कल्याण से

जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया तथा सुझाव दिया कि 14 जनवरी से 31 जनवरी तक पशु कल्याण पखवाड़ा मनाया जाए। इसके अंतर्गत जन-जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ पशु कल्याण कार्यकर्ताओं को उनके सराहनीय कार्यों के लिए पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान करने पर भी चर्चा की गई।

बैठक का समापन एक विशेष एजेंडा मद के साथ हुआ, जिसमें एसपीसीए की कल्याणकारी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया गया।इस बैठक में एसपीसीए हैदराबाद जिला समिति के सदस्य रसील अहुलवालिया, जसराज श्रीश्रीमाल, रिद्धीश जागीरदार, विक्रम चंदक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही डॉ. एम. प्रवीण कुमार, डीवीएएचओ एवं मानद सचिव भी बैठक में मौजूद थे।

दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा अनाथ बच्चों को शिक्षा सामग्री का वितरण

सूर्यापेट में सामाजिक सेवा कार्यक्रम के तहत चारलेट अनाथाश्रम में आयोजन

सूर्यापेट, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, सूर्यापेट द्वारा सामाजिक सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत रांकोटी तांडा स्थित स्थानीय चारलेट अनाथाश्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों को शिक्षा संबंधी सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री, कुर्सियाँ, पुस्तकें एवं स्टेशनरी प्रदान की गई।

यह सामाजिक पहल कंपनी के उस दीर्घकालिक लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2047 तक सभी नागरिकों को बीमा सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया

जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के उप महाप्रबंधक (प्रभारी) सी. एल. गिरिधर उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कंपनी भविष्य में भी इसी प्रकार के सामाजिक सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक स्तर पर जारी रखेगी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विष्णुवर्धन (क्षेत्रीय प्रबंधक), पी. रमेश (उप प्रबंधक), विनय सागर (व्यवसाय प्रबंधक), साई चौहान एवं एम. विनोद (सहायक प्रबंधक) का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाजसेवी कीर्तिभाई मोमाया को श्रद्धांजलि अर्पित

हैदराबाद, 8 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में श्री मुनिसुव्रत स्वामी नवग्रह जैन मंदिर मोईनाबाद एवं श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर चैतन्यपुरी के ट्रस्टी स्व. कीर्तिभाई मोमाया की श्रद्धांजलि सभा संपन्न हुई। श्री अचलगच्छ जैन संघ चैतन्यपुरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कच्छी समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता, प्रमुख समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी श्री कीर्तिभाई नरशी वेलजी मोमाया का बुधवार प्रात: 9:01 बजे निधन हो गया। उनकी स्मृति में शोकसभा गुरुवार को सायं 5 बजे आयोजित की गई।

कार्यक्रम का संचालन कैवन नंदु (मुंबई) ने किया। उन्होंने स्व. कीर्तिभाई का परिचय देते हुए कहा कि वे श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर चैतन्यपुरी के मानद मंत्री एवं श्री मुनीसुव्रत स्वामी नवग्रह जैन मंदिर के संस्थापक ट्रस्टी थे। वे श्री कच्छी मित्र मंडल, श्री जैन सेवा संघ, श्री कच्छी दशा ओसवाल जैन महाजन, श्री कच्छी जैन सेवा संघ, श्री वारापधर जैन संघ सहित अनेक संस्थाओं से जुड़े थे।

श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर के ट्रस्टी केशवजीभाई छेड़ा ने कहा कि स्व. कीर्तिभाई ने 35 वर्ष पूर्व चैतन्यपुरी में वासुपूज्य मंदिर निर्माण में मुख्य भूमिका निभाई। वहीं मोईनाबाद, चेवेल्ला में निर्मित श्री मुनीसुव्रत स्वामी मंदिर के निर्माण से लेकर प्रतिष्ठा तक उनकी सेवाएँ रहीं। उनका जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति है।

श्री शांति गुरू जैन मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन गौतम गुगलिया ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शांति मंदिर निर्माण के प्रारंभ से पूर्णाहुति तक कीर्तिभाई का विशेष सहयोग रहा। वे हमेशा मंदिर कार्यों के लिए उपलब्ध रहते थे। श्री शांति गुरू जैन मंदिर ट्रस्ट हमेशा स्व. कीर्तिभाई एवं मोमाया परिवार का ऋणी रहेगा।

नरेन्द्रभाई नंदु ने कहा कि 69 वर्षीय कीर्तिभाई मोमाया लंबे समय से धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय थे। उनका योगदान अविस्मरणीय है। वे श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर चैतन्यपुरी की स्थापना से जुड़े रहे। इसके बाद मोईनाबाद स्थित देश के प्रथम नवग्रह जैन मंदिर निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हाल ही में वारापधर, कच्छ के प्रतिष्ठित जैन मंदिर की गतिविधियों में उनका विशेष सहयोग रहा। कच्छी दशा ओसवाल समाज के लहरचंद लोडाया ने उन्हें समाज का स्तंभ बताया। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार ने कहा कि उनका जीवन परोपकार और धर्म सेवा का आदर्श रहा। श्री गुजराती प्रगति समाज के दिनेश गोसर ने गहरी संवेदना व्यक्त की।

स्व. कीर्तिभाई अपने पीछे धर्मपत्नी, एक पुत्र, पुत्रवधू, एक पुत्री, दामाद और पौत्र सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से कच्छी जैन समाज में गहरा शोक व्याप्त है। सभा में नवकार महामंत्र आराधक विधीकार नरेन्द्रभाई रामजी नंदु, श्री अचलगच्छ जैन संघ चैतन्यपुरी के ट्रस्टी केशवजीभाई छेड़ा, सुरेश गोसर, श्री शांति गुरू जैन मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन गौतम गुगलिया, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार, श्री कच्छी मित्र मंडल के अध्यक्ष हेमांग मोमाया, मैनेजिंग ट्रस्टी सुशील कापड़िया, ट्रस्टी विजय नागड़ा, रतीलाल छेड़ा, नितीन धरोड़, निलेश छेड़ा, योगेश गोसर, श्री अचलगच्छ जैन संघ हैदराबाद सिटी (काचीगुड़ा) के चेयरमैन रमणीक नागड़ा, मैनेजिंग ट्रस्टी पोपटलाल छेड़ा, श्री कच्छी दशा ओसवाल जैन महाजन हैदराबाद के अध्यक्ष लहरचंद लोडाया, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली, लायंस क्लब के पूर्व चेयरमैन लायन कांतीलाल शाह, श्री काचीगुड़ा जैन संघ के चंद्रकांत नागरदास शाह, श्री गुजराती प्रगति समाज के कार्यकारिणी सदस्य दिनेश गोसर, श्री कच्छी गुर्जर जैन परिवार के चेयरमैन प्रदीप संघवी, नरशी वेलजी मोमाया परिवार के सदस्यों सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर की भव्य निशान यात्रा 27 फरवरी को

14वीं श्री श्याम निशान यात्रा अत्तापुर से काचीगुड़ा तक निकलेगी

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मित्र मंडल अतापुर द्वारा इस वर्ष आगामी 27 फरवरी, फागुन एकादशी के पावन अवसर पर चमत्कारी सूरजगढ़ निशान के साथ भव्य श्री श्याम निशान यात्रा का आयोजन अतापुर से काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर तक किया जाएगा। यात्रा को भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप देने के उद्देश्य से मंडल द्वारा प्रत्येक रविवार को समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है।

यात्रा की तैयारियों को लेकर श्री श्याम मित्र मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया एवं राजेंद्र अग्रवाल की अनुशंसा पर मंडल अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, मंत्री नरेंद्र कुमार जांगिड़ एवं कोषाध्यक्ष मालीराम अग्रवाल को मनोनीत किया गया है। इसके अतिरिक्त परामर्शदाता के रूप में सोहनलाल नेहरा, संतोष अग्रवाल, श्याम अग्रवाल एवं अशोक शर्मा को भी मनोनीत किया गया है।

मंडल अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी ने बताया कि इस वर्ष अतापुर से निकलने वाली 14वीं भव्य श्री श्याम निशान यात्रा के मुख्य यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया एवं संतोष अग्रवाल होंगे। यह जानकारी मंडल के सभी श्याम प्रेमी भक्तों को दी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि निशान यात्रा को भव्यता प्रदान करने के लिए सभी श्याम प्रेमी कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियाँ सौंपी जा रही हैं, जिन्हें मंडल के कार्यकर्ता बड़े हर्ष एवं उत्साह के साथ निभाने में जुट गए हैं।

यात्रा में शामिल किया जाने वाला चमत्कारी सूरजगढ़ श्री श्याम निशान इस बार भी राजस्थान के सूरजगढ़ से विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के पश्चात श्रीकांत मित्तल द्वारा हैदराबाद लाया जाएगा। इसकी स्थापना 26 फरवरी को रामबाग राम मंदिर प्रांगण में अपराह्न 4:00 बजे विधिवत रूप से की जाएगी।

27 फरवरी को रामबाग राम मंदिर प्रांगण में प्रातः निशान पूजा के पश्चात सुबह 6:00 बजे निशान यात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा रामबाग, नंदीमुस्लीगुड़ा, किशन बाग, बहादुरपुरा, पुराना पुल, जुम्मेरात बाजार, मुस्लिमगंज पुल, अफजलगंज, चादरघाट होते हुए काचीगुड़ा श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी।

निशान यात्रा के पश्चात 8 मार्च को मोदी भवन, अत्तापुर में प्रातः 10:00 बजे से मंडल कार्यकर्ताओं एवं यात्रा में सहयोग करने वाले श्याम प्रेमियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 158वाँ नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप 11 को

संतोषनगर में दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में होगा आयोजन

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा, अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के सहयोग से 158वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन रविवार, 11 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक संतोषनगर, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में किया जाएगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2डी ईको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही रेनबो चिल्ड्रन्स हार्ट के विशेषज्ञ भी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

शिविर के दौरान लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा नेत्र परीक्षण किया जाएगा तथा पात्र रोगियों को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।सामान्य स्वास्थ्य जांच डॉ. अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी द्वारा की जाएगी। वहीं दंत परीक्षण एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. तेजस्वी नवनीत राज द्वारा किया जाएगा। फिजियोथैरेपी की सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की जाएंगी।

शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक रोगी को कृत्रिम अंग प्रदान किया जाएगा तथा जरूरतमंद रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके लिए रोगियों को अपने पूर्व चिकित्सा रिपोर्ट साथ लाने का अनुरोध किया गया है, जिससे उन्हें उचित परामर्श दिया जा सके।

यह मेगा मेडिकल कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा, जबकि नाम पंजीकरण दोपहर 12 बजे तक ही किया जाएगा।

शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, पंकज कुमार संघी, प्रदीप बंसल, श्याम सुंदर अग्रवाल एवं राबिया हैं, जिनसे संपर्क कर अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। आयोजकों ने आमजन से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव को स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवार्ड

स्वामी विवेकानंद जयंती पर 11 जनवरी को किया जाएगा सम्मान

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी श्री एन. रामचंद्र राव को वर्ष 2026 के स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवार्ड के लिए चुना गया है। यह सम्मान उन्हें समाज के विकास, युवाओं के मार्गदर्शन और भारतीय जनता पार्टी को सशक्त बनाने के लिए किए गए उनके सतत प्रयासों के लिए प्रदान किया जा रहा है।

तेलंगाना मेधावी फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार 11 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर तारनाका स्थित श्री रामचंद्र राव के निवास पर आयोजित एक समारोह में शॉल, फूलों की माला, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानपूर्वक दिया जाएगा।

रामचंद्र राव का सार्वजनिक जीवन अत्यंत प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने सिकंदराबाद के केंद्रीय विद्यालय में अध्ययन के दौरान ही राजनीति में कदम रखा। इसके बाद रेलवे डिग्री कॉलेज में बीए की पढ़ाई के दौरान वे लगातार तीन वर्षों तक एबीवीपी के छात्र संघ अध्यक्ष रहे। उन्होंने वर्ष 1980 में बीए, 1982 में उस्मानिया विश्वविद्यालय से एमए (राजनीति विज्ञान) तथा 1985 में उस्मानिया विश्वविद्यालय लॉ कॉलेज से विधि स्नातक (एलएलबी) की डिग्री प्राप्त की।वर्ष 2015 में उन्होंने महबूबनगर–रंगारेड्डी–हैदराबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधान परिषद का चुनाव लड़ा और एमएलसी के रूप में निर्वाचित हुए।

इससे पूर्व उन्होंने 1985 से 2014 तक सफलतापूर्वक कानूनी प्रैक्टिस की और विभिन्न कानूनी जागरूकता शिविरों के माध्यम से आम जनता को जागरूक किया।

वर्ष 2014 के बाद वे बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों पर रहे और पार्टी संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई। छात्र नेता के रूप में एबीवीपी में रहते हुए उन्होंने छात्र अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष करते हुए 14 बार जेल यात्रा भी की।स्वामी विवेकानंद एक्सीलेंस अवार्ड–2026 के लिए श्री एन. रामचंद्र राव का चयन उनके संघर्ष, विचारधारा, सेवा भावना और नेतृत्व क्षमता को सम्मान देने वाला निर्णय माना जा रहा है।

स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर रसूलपुरा का 21वां वार्षिकोत्सव 11 को

7 जनवरी से चल रही है दिव्य प्रवचन श्रृंखला

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर, रसूलपुरा के 21 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंदिर का वार्षिकोत्सव 11 जनवरी को भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रातः 9:00 बजे से मंदिर प्रांगण में दिव्य दर्शन, प्रवचन एवं महाप्रसाद का लाभ श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। इस पावन अवसर पर स्वामीनारायण संप्रदाय के वरिष्ठ संतों का आगमन हो चुका है, जिनके सान्निध्य में कार्यक्रम संपन्न होगा। वहीं 7 जनवरी से प्रतिदिन रात्रि 8:30 बजे से 10:30 बजे तक पूज्य श्रीरंगनाथ स्वामीजी के श्रीमुख से दिव्य प्रवचन शृंखला का आयोजन किया जा रहा है, जिसका लाभ बड़ी संख्या में श्रद्धालु उठा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मंदिर का उद्घाटन आज से 21 वर्ष पूर्व बीएप-ीएस अक्षरधाम स्वामीनारायण संप्रदाय के पूज्य प्रमुखस्वामी महाराजजी के करकमलों द्वारा किया गया था। पूज्य प्रमुखस्वामी महाराजजी के सान्निध्य में देश-विदेश में सैकड़ों भव्य मंदिरों का निर्माण हुआ, जिससे सत्य सनातन हिंदू धर्म की पताका विश्वभर में लहराई।

मंदिर के प्रमुख कोठारी स्वामी श्री आत्मचिंतन दासजी ने इस शुभ अवसर पर सभी श्रद्धालुओं, सह-परिवार एवं मित्रों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का लाभ लेने की विनती की है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदर्शन

गुरु तेग बहादुर साहिब का अपमान बर्दाश्त नहीं

तेलंगाना भाजपा कार्यालय में उमड़ा सिख जनाक्रोश

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को ज़ोरदार प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम की अगुवाई तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने की। डॉ. आतिशी द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के ख़िलाफ़ की गई अपमानजनक और ग़ैर-ज़िम्मेदार टिप्पणियों के विरोध में यह विरोध प्रदर्शन आयोजित की गई। गुरु साहिब ने धार्मिक स्वतंत्रता और भारत की आन-बान की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे पवित्र वारिस का अपमान सिख भावनाओं और करोड़ों देशवासियों को गहरी चोट पहुँचाता है।प्रदर्शन में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और सिख समुदाय के सदस्य एकजुट हुए और जवाबदेही तथा सम्मान की मांग की। सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि सिखों की कुर्बानी सदा-सदा के लिए अमर है। इसे नमन करना चाहिए, कभी अपमान नहीं।गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद से लेकर हैदराबाद तक सभी संगत ने दी एक स्वर में नाराज़गीइस कार्यक्रम में सरदार हरप्रीत सिंह गुलाटी (सचिव, गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद),सरदार जसपाल सिंह टुटेजा (गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, हैदराबाद), सरदार सतपाल सिंहसरदार मनमोहन सिंह, सरदार मोना सिंह, राजनीश जैन, सरदार गुर-चरण सिंह, सरदार मोहिंदर पाल सिंह, सतीश जैन, चंदना जैन, सामी खान, अवैस मिर्जा और सिमरप्रीत सिंह उपस्थित थे।

प्रदर्शनी सोसाइटी के स्टाल का शुभारंभ

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। 8 जनवरी 2026 को 85वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (नुमाइश) में प्रदर्शनी सोसाइटी (नुमाइश) स्टाल का औपचारिक उद्घाटन अत्यंत उत्साह के साथ किया गया। प्रदर्शनी सोसाइटी के पूर्व उपाध्यक्ष सुरेंदर जी ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और फीता काटकर स्टाल का विधिवत उद्घाटन किया।

इस उद्घाटन समारोह के दौरान प्रदर्शनी सोसाइटी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए उपाध्यक्ष आर. सुकेश रेड्डी, मानद सचिव बी. एन. राजेश्वर, प्रबंध समिति (एमसी) के सदस्य डॉ. बी. प्रभाशंकर और प्रदर्शनी सोसाइटी के सदस्य आदित्य मार्गम भी इस अवसर पर मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों ने स्टाल का अवलोकन किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों व सेवाओं की सराहना की।

आदित्य मार्गम और डॉ. बी. प्रभाशंकर सहित पूरी टीम ने स्टाल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रदर्शनी सोसाइटी के पूर्व उपाध्यक्ष सुरेंदर जी ने इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी पहल औद्योगिक विकास और नवाचार को बढ़ावा देने में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाती हैं।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव की धूम

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्री श्रृंग ऋषि भवन, बेगमबाजार (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा जारी श्रीमद् भागवत् कथा के अंतर्गत गुरुवार, 8 जनवरी को श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया ।

कथा वाचक पू. त्रिदण्डी स्वामी भक्ति भूषण श्री बोधायन महाराज जी, वृंदावन ने एकादशी व्रत की महत्ता पर प्रकिश डालते हुए कहा कि इससे भगवत् प्राप्ति होती है। रामावतार, रावण वध औल श्री कृष्ण जन्मोत्सव ने भावविभोर कर दिया। नंद के आनंद भयो की गूंज से कथा स्थल गुंजायमान रहा।

यजमान तिवारी परिवार ने सभी उपस्थित भक्तों को श्री कृष्ण जन्म की बधाइयाँ बाँटी। अवसर पर रामप्रकाश नागला, हरिकिशन ओझा, महेंदर व्यास, मैक ओझा, रामदेव व्यास डान, रामदेव व्यास, विजय उपाध्याय, राधेश्याम व्यास, श्रीराम व्यास, रंगलाल ओझा, राजेश व्यास, महेश तिवारी, सत्यनारायण तिवारी, नारायणलाल व्यास, चंद्रभान व्यास , रामेश्वरलाल उपाध्याय, पवन उपाध्याय, राजेंद्र उपाध्याय, मुरली ओझा, दामु गुरु, सुनील व्यास, श्रीनिवास पंडित, रामेश्वर एलआईसी, रामेश्वर कोलरिया, श्रीवल्लभ व्यास, महावीर तिवारी, अनिल कंदोई, सत्यनारायण व्यास, ओम प्रकाश व्यास, सुभाष तिवारी, रामेश्वर आका, सुरु भाई साँखला, गजानन पंडित व अन्य उपस्थित थे।

सेवा और मानवता को समर्पित राधे-राधे ग्रुप : कोमल तिवारी

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप आज समाज में निस्वार्थ सेवा, समर्पण और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण बन चुका है। ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान, मानव सेवा, गौसेवा एवं सामाजिक सहयोग के कार्य यह प्रमाणित करते हैं कि जब सेवा को संकल्प और संस्कार के रूप में अपनाया जाता है, तब समाज में सकारात्मक परिवर्तन स्वतः दिखाई देने लगता है।

नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिल्लर नंबर 1265-ए के पास राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में उपस्थित कोमल तिवारी ने कहा कि सेवा और मानवता ही समाज की सच्ची पहचान है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता इसका संगठित टीमवर्क और सेवा के प्रति अटूट निष्ठा है। यहाँ प्रत्येक सदस्य बिना किसी स्वार्थ के समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहयोग पहुँचाने के लिए तत्पर रहता है।

कोमल तिवारी ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र और सहारा प्रदान कर राधे-राधे ग्रुप मानवता की सच्ची सेवा कर रहा है। ऐसे सेवा कार्य न केवल जरूरतमंदों के जीवन में राहत लाते हैं, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और संवेदनशीलता का भाव भी जागृत करते हैं।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल,रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन ई चंपापेट, मनीष अग्रवाल,महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, भगत राम गोयल, भाकरराम कुमावत,कमला देवी कुमावत, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, महेश अग्रवाल, जय प्रकाश सारडा, प्रतिका अग्रवाल, गोपाल गोयल सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, बरखा गोयल, प्रीति अग्रवाल आदि उपस्थित थे। आज की सेवा श्रीमती सुमन अग्रवाल एवं शिवम अग्रवाल के जन्मदिन के अवसर पर श्री श्याम लाल किशनकुमार जी अग्रवाल (मंगल(निजामपुर वाले परिवार की ओर से की गई।

IN THE COURT OF THE HON'BLE XX JUNIOR CIVIL JUDGE,
CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD
O.S.NO. 5441 OF 2025

BETWEEN:
1. Smt. Durga Bai and other ....Plaintiffs
AND
1. The Tahsildhar/M.R.O and another ...Defendants

To
All Concerned

Take notice that the above said Plaintiffs have filed the above suit vide OS No. 5441 of 2025 on the file of HON'BLE XX JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, HYDERABAD for declaration of Legal Heir of Deceased Late. Kanaya Lal Yadav @ Kanaya Lal Yadav Bunkuwale Aheer. The above matter is posted on 05.02.2026 for objections. If anyone has any right of whatsoever nature may inform their objection if any on 05.02.2026 at 10:30 am before the said court. If no objection received the matter will be heard in accordance with law

(BY ORDER OF THE COURT)

M/s. VINOD SINGH,
Advocates.
#Flat No. 001, 3-4-841,
Castle Homes, Barkarpura,
Hyderabad-T.S - 500027.
Ph: 9291300606

85वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी 2026

स्वास्थ्य मंत्री को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन का आमंत्रण

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
85वीं अखिल भारतीय औद्योगिक प्रदर्शनी (नुमाइश) के अवसर पर जन कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए एक विशेष पहल की गई है। प्रदर्शनी सोसाइटी के उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी और तेलंगाना सरकार के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राज नरसिम्हा के बीच इस महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर चर्चा हुई।

प्रदर्शनी सोसाइटी के पदाधिकारियों और स्वास्थ्य क्षेत्र के दिग्गजों ने मिलकर तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राज नरसिम्हा को प्रदर्शनी परिसर में नवनिर्मित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केंद्र के भव्य उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया है। इस केंद्र का उद्देश्य प्रदर्शनी में आने वाले लाखों आगंतुकों को तत्काल चिकित्सा सहायता और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।इस विशेष आमंत्रण अवसर पर स्वास्थ्य और प्रबंधन जगत की प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। इनमें यशोदा ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ. ए. लिंगैया और प्रदर्शनी सोसाइटी के मानद कोषाध्यक्ष डॉ. संजीव कुमार शामिल थे। इन विशेषज्ञों की देखरेख में स्थापित यह स्वास्थ्य केंद्र आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में प्रदर्शनी के दौरान त्वरित उपचार सुनिश्चित किया जा सके। सुकेश रेड्डी ने बताया कि इस बार की प्रदर्शनी में सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

DAILY शुभ लाभ Classifieds

CHANGE OF NAME & DOB
I, SANJEERA YADAV is legally wedded Spouse of service No-14641910W, Rank-HAV, Name-VINOD YADAV. R/o Vill-Chhapera, PO-Jewal, Distt-Ghazipur, State- Uttar Pradesh, PIN-233306, have changed my name from SANJEERA YADAV to SANJIRA YADAV and also date of birth changed from 01/07/1983 to 01/01/1983 add in my husband service documents date 05 Jan 2026 before X Spl Judicial Magistrate Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14648488M, Rank-HAV, Name-BISWAJIT SATAPATHI. R/o Vill-Kushtora, PO-Puipal, Distt-Bankura, State-West Bengal, PIN-722151, I have changed my father name from ROHINI SATAPATHI * to *ROHINI KUMAR SATAPATHI and also DOB changed from 01/07/1955 to 03/07/1964 add in my service documents vide affidavit date 07 Jan 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14648488M, Rank-HAV, Name-BISWAJIT SATAPATHI. R/o Vill-Kushtora,PO-Puipal,Distt-Bankura, State- West Bengal, PIN-722151, I have changed my Mother name from KBITA SATAPATHI * to *KABITA SATAPATHI and also DOB changed from 01/07/1966 to 15/07/1964 add in my service documents videaffidavit date 07 Jan 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14655061L Rank-HAV, Name-Bittoo Kumar R/o Vill-Sudhrana, PO-Lilodh, Teh-Kosli, Distt-Rewari, State- Haryana, PIN-123303, I have changed my Daughter name from PAYAL to PAYAL SHARMA add in my service documents vide Affidavit date 08 Jan 2026 before Notary G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, V C Gangadharan F/o Biju V G, R/o Vadakkecholayil, Pynkulam, Thrissur, Kerala-679531, have changed my name from V C GANGADHARAN to GANGADHARAN and DOB from 01-07-1954 to 01-08-1953 vide affidavit dt.8-1-2026, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME & DOB
I, V C Sheela M/o Biju V G, R/o Vadakkecholayil, Pynkulam, Thrissur, Kerala-679531, have changed my name from V C SHEELA to SHEELA and DOB from 01-07-1964 to 11-01-1962 vide affidavit dt.8-1-2026, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME
I, Chinathalli W/o Srinivasa Rao Boddula, residing of Dwarapudi, Vijanagaram (T & D), Andhra Pradesh-535003, India, have changed my name from CHINATHALLI to BODDULA CHINATHALLI, vide affidavit dt.6-1-2026, before Secunderabad Court

तेलंगाना सरकार नई शिक्षा नीति लाएगी, जिसमें लड़कियों को प्राथमिकता दी जाएगी : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार जल्द ही एक नई शिक्षा नीति लागू करने जा रही है, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार, 8 जनवरी को यह बात कही। उन्होंने बताया कि गांवों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए मुफ्त परिवहन की व्यवस्था की जाएगी और यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूलों में प्रवेश के पहले चरण में छात्राओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने एक समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्कूली बच्चों की भविष्य की जरूरतों के अनुरूप पहली कक्षा से दसवीं कक्षा तक के पाठ्यक्रम में बदलाव करें।

गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री से मुलाकात की और उन्हें शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों और यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूलों के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी रेवंत रेड्डी के कार्यालय से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा विशेषज्ञों की एक समिति गठित करके राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की तर्ज पर एक अनूठी तेलंगाना शिक्षा नीति तैयार कर रही है।हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित कुमार ने गुरुवार को राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री से मुलाकात की, जहां रेवंत रेड्डी ने उन्हें यहां की शिक्षा प्रणाली में किए गए सुधारों और यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूलों की स्थापना के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बताया कि प्रत्येक आवासीय विद्यालय 25 एकड़ भूमि पर 200 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, जहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक सहित सभी समुदायों के छात्र एक ही स्थान पर अध्ययन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने मंत्री के साथ सरकार के पूर्व-प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने, सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूत बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों में पूर्व-प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था करने के प्रस्ताव को भी साझा किया, विज्ञप्ति में कहा गया है।

तेलंगाना सरकार राज्य भर के सभी स्कूलों में नाश्ता और दोपहर का भोजन उपलब्ध कराएगी।

उसी दिन राज्य शिक्षा विभाग की अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य ने हैदराबाद में अगले शैक्षणिक वर्ष से सभी स्कूलों में नाश्ता और दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अगले शैक्षणिक वर्ष तक ग्रेटर हैदराबाद में 23 नए स्कूल भवनों का निर्माण पूरा करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक स्कूल कम से कम 1.50 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव को जिला कलेक्टरों के साथ बैठक करने और 2 एकड़ भूमि के आवंटन या केंद्रीकृत रसोई की स्थापना के लिए 99 वर्षों के पट्टे पर भूमि लेने का निर्णय लेने का भी निर्देश दिया।

रेवंत रेड्डी ने यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स (वाईआईआईआरसी) परियोजना के पहले चरण में लड़कियों के लिए अधिक संख्या में स्कूल आवंटित करने का निर्देश भी दिया।

उन्होंने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में लड़कों और लड़कियों के लिए एक-एक वाईआईआईआरसी के निर्माण को पूरा करने के लिए 3 साल की समय सीमा निर्धारित की। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने आदेश दिया, लड़कों के स्कूलों को अगले चरण में उन निर्वाचन क्षेत्रों में आवंटित किया जाना चाहिए जहां लड़कियों के लिए स्कूल पहले से ही स्थापित हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कोडंगल विधानसभा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित नाश्ते और दोपहर के भोजन की सुविधा की भी समीक्षा की और अधिकारियों को राज्य भर में इस योजना को लागू करने की व्यवहार्यता की जांच करने का निर्देश दिया।

अक्षय पात्र के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सूचित किया कि यदि सरकार पर्याप्त स्थान और आवश्यक सहायता प्रदान करती है तो वे इस योजना को पूरे राज्य में लागू करने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक दो निर्वाचन क्षेत्रों के लिए एक केंद्रीकृत रसोई स्थापित करके सभी छात्रों को समय पर भोजन पहुंचाने की योजना बनाएं, विज्ञप्ति में आगे कहा गया है।

भारत के लिए स्वास्थ्य आपातकाल बना जलवायु परिवर्तन : सौम्या स्वामीनाथन

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की पूर्व महानिदेशक और सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने बुधवार को चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं, बल्कि एक वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। तेलंगाना एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा आयोजित 13वें डॉ. मनोहर वीएन शिरोडकर मेमोरियल लेक्चर के दौरान उन्होंने भारत में गर्मी और जलवायु के प्रति लचीली स्वास्थ्य प्रणाली बनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. स्वामीनाथन ने हैदराबाद जैसे तेजी से बढ़ते शहरों को जलवायु-अनुकूल निर्माण विधियों को अपनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, हम अधिक मेट्रो लाइनें बना रहे हैं, जो सकारात्मक है, लेकिन जब तक हम इलेक्ट्रिक वाहनों में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं करते और शहरी डिजाइन पर पुनर्विचार नहीं करते, तब तक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव बढ़ते रहेंगे।

हीट-रेजिलिएंट (गर्मी-अनुकूल) स्वास्थ्य प्रणाली की आवश्यकता

डॉ. स्वामीनाथन ने सिफारिश की कि भारत को अपनी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में हीट प्रिपेयर्डनेस (गर्मी से निपटने की तैयारी) को एकीकृत करना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में कूल रूम (ठंडे कमरे) स्थापित करने, नैदानिक प्रोटोकॉल को फिर से डिजाइन करने ताकि गर्मी से संबंधित बीमारियों का गलत निदान न हो, और सभी स्तरों पर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को जलवायु जोखिमों का जवाब देने के लिए प्रशिक्षित करने का आह्वान किया। उनके अनुसार, गर्मी से बचने की क्षमता को मातृ स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों और कीट-जनित रोगों के राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक भागीदारी

डॉ. स्वामीनाथन ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु संबंधी कार्रवाई में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होनी चाहिए। उन्होंने कहा, जलवायु कार्रवाई के लिए 100 प्रतिशत भागीदारी की आवश्यकता है। महिलाओं को सशक्त बनाने से बेहतर जलवायु समाधान निकलते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि संसाधनों तक समान पहुंच से महिलाओं की कृषि उत्पादकता में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है, जिससे भूख कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि स्वदेशी महिलाओं के पास संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण पारिस्थितिक ज्ञान होता है।

शहरी हीट आइलैंड प्रभाव और वायु प्रदूषण का संकट

प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत के 57 प्रतिशत से अधिक जिले उच्च गर्मी के जोखिम का सामना कर रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव के कारण शहरी क्षेत्र आसपास के क्षेत्रों की तुलना में 5ओउ से 10ओउ तक अधिक गर्म हो सकते हैं। रात के बढ़ते तापमान विशेष रूप से खतरनाक हैं क्योंकि वे शरीर को दिन के तनाव से उबरने नहीं देते। वैश्विक स्तर पर, गर्मी से होने वाली मौतें सालाना 5.5 लाख से अधिक हो गई हैं।

डॉ. स्वामीनाथन ने चेतावनी दी कि वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बना हुआ है, जिससे हर साल लगभग 70 लाख असामयिक मौतें होती हैं। उन्होंने बताया कि पीएम 2.5 के सूक्ष्म कण महत्वपूर्ण अंगों में प्रवेश कर हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर और डिमेंशिया का कारण बनते हैं। उन्होंने वर्तमान स्वच्छ वायु कार्यक्रम को एक अधिक शक्तिशाली और विज्ञान-आधारित राष्ट्रीय स्वच्छ वायु मिशन में बदलने का आह्वान किया, जो स्वच्छ ईंधन, सख्त उत्सर्जन प्रवर्तन और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दे।

हैदराबाद को बिरयानी की राजधानी का दर्जा प्राप्त हुआ है जहां 2025 में स्विगी पर 1.7 करोड़ ऑर्डर दर्ज किए गए

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद एक बार फिर भारत की निर्विवाद बिरयानी राजधानी के रूप में उभरा है, जिसने 2025 में स्विगी पर 1.75 करोड़ ऑर्डर दर्ज किए। और अगर आप सोच रहे हैं कि शहर की सबसे पसंदीदा बिरयानी कौन सी है, तो वह है चिकन बिरयानी, जिसके 1.08 करोड़ - या 61 प्रतिशत - ऑर्डर दर्ज किए गए।शहर के लोगों का पसंदीदा कंफर्ट फूड स्विगी के आंकड़ों में भी झलका, जिसमें डोसे के 39.9 लाख और इडली के 34 लाख ऑर्डर दर्ज किए गए, जिससे ये तीनों सबसे ज्यादा ऑर्डर किए जाने वाले व्यंजन बन गए।हैदराबाद के लोगों को मीठा बहुत पसंद है, और उन्होंने बूंदी लड्डू के 33 लाख ऑर्डर दिए, जिसके बाद चॉकलेट केक और गुलाब जामुन का नंबर आता है। शाम के नाश्ते में भी चिकन बर्गर की मांग सबसे अधिक रही, जिसके 68 लाख ऑर्डर मिले। इसके बाद चिकन फ्राई, चिकन शवर्मा, वेजिटेरियन पिज्जा और वेजिटेरियन पफ्स का नंबर आता है, जैसा कि स्विगी की 2025 की रिपोर्ट में दिखाया गया है।स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग भी इस ऐप पर निष्क्रिय नहीं थे, क्योंकि हैदराबाद उच्च प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों के ऑर्डर के मामले में देश में तीसरे स्थान पर रहा, जहां 22.13 लाख अनुरोध प्राप्त हुए।हालांकि शहर में अभी तक उड़ने वाली कारें नहीं आई हैं, लेकिन फूड डिलीवरी ऐप्स की बदौलत लोग तीन मिनट में अपने घर पर चिकन स्टफ्ड गार्लिक ब्रेड मंगवा सकते हैं, जो इस साल की सबसे तेज डिलीवरी का रिकॉर्ड है।यह स्विगी के डिलीवरी कर्मचारियों के अथक प्रयासों के कारण संभव हुआ, जिन्होंने इस वर्ष कुल 1.24 अरब किलोमीटर की यात्रा की। उनके प्रयासों का अंदाजा लगाने के लिए, बेंगलुरु की एक डिलीवरी पार्टनर ने इस वर्ष 11,718 डिलीवरी कीं, जबकि चेन्नई की पार्टनर पूंगोडी ने 8,169 ऑर्डर डिलीवर करके महिला पार्टनर्स में अग्रणी स्थान हासिल किया।स्विगी ने कहा कि पार्टी ऑर्डर भी आसान हो गए, क्योंकि एक ग्राहक ने एक बार में 10 अपोलो मछली, 11 पुट्टा गोडुगुला वेपुडु, 13 काजू कोड़ी रोस्ट और 42 प्लेट बिरयानी का ऑर्डर दिया।

दूध का बकाया मांगा तो तलवार से काटा

मेडचल, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल-मल्काजगिरी ज़िले के कीसारा में गुरुवार सुबह एक दूध दुकानदार ने बकाया रकम मांगने पर डोडला डेरी के मैनेजर श्रीनिवास पर तलवार से हमला कर दिया। आरोपी किरण (मौला-अली निवासी) ने श्राीनिवास को तब काटा जब उसने पुराने बिल चुकाने को कहा। घायल मैनेजर को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। कीसारा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है; फरार किरण को पकड़ने के लिए टीमें बनाई गई हैं।

यूपीआई नहीं, आज भी लाखों बालाजी भक्त दान के लिए मनी ऑर्डर पर कर रहे भरोसा

तिरुपति, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डिजिटल लेनदेन के इस दौर में भले ही इंडिया पोस्ट की मनी ऑर्डर प्रणाली की प्राथमिकता कम हो गई हो, लेकिन तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर के लाखों भक्तों के लिए यह आज भी फल-फूल रही है।तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी अनिल कुमार सिंघल ने बताया कि वर्ष 2025 में लगभग 1.2 लाख भक्तों ने मनी ऑर्डर के माध्यम से 3.1 करोड़ रुपये का दान दिया। सिंघल ने कहा, इनमें से कई भक्त देश के सुदूर इलाकों से हैं जो तिरुमाला की यात्रा का खर्च नहीं उठा सकते।

लेकिन उन्होंने मनी ऑर्डर के माध्यम से अपना दान भेजकर अपनी मन्नतें पूरी कीं। कुछ भक्तों ने तो 10 रुपये तक का भी दान भेजा है।भक्तों की इस श्रद्धा के बदले में, टीटीडी भगवान वेंकटेश्वर और देवी पद्मावती के दिव्य आशीर्वाद को मआशीर्वचनमफ पैकेट के रूप में भेजता है।

इस पैकेट में भगवान बालाजी और उनकी दिव्य अर्धांगिनी का चित्र, पवित्र अक्षत (भगवान वेंकटेश्वर के 1,008 नामों वाली पुस्तिका) और कुमकुम का एक पैकेट शामिल होता है। सिंघल ने आगे बताया, टीटीडी इस सेवा के लिए सालाना 20 लाख रुपये खर्च करता है, जिसमें डाक विभाग का शुल्क भी शामिल है।

16 वर्षों में मनी ऑर्डर से आए करोड़ों रुपये

मंदिर ट्रस्ट ने 2009 में उन भक्तों के लिए एक मंच बनाने के उद्देश्य से आशीर्वचनम योजना शुरू की थी, जो तिरुमाला जाने में असमर्थ थे और मनी ऑर्डर के माध्यम से अपना दान देना चाहते थे। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में यूपीआई भुगतान के जबरदस्त विस्तार के बावजूद, पिछले 16 वर्षों में लगभग 31.68 लाख भक्तों ने मनी ऑर्डर के माध्यम से टीटीडी को कुल 49.18 करोड़ रुपये का भारी-भरकम दान दिया है।

राधे नाम की महिमा अपरंपार : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 08 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने जारी नियमित अन्नदान सेवा मे राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे नाम की महिमा अपरंपार है।

महेश अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे नाम में ऐसी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति निहित है, जो मनुष्य के जीवन को सकारात्मक दिशा में बदल सकती है। यह नाम न केवल मन को शांति प्रदान करता है, बल्कि सेवा, सद्भाव और करुणा के भाव को भी जागृत करता है। उन्होंने बताया कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सेवा पहुँचाना और आध्यात्मिक मूल्यों के साथ मानवता की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के दौरान नियमित अन्नदान के माध्यम से सेवा कार्य संपन्न हुआ। उपस्थित सदस्यों ने राधे-राधे नाम का स्मरण करते हुए सेवा को ही सच्ची साधना बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, अनिल अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय आदि उपस्थित थे।

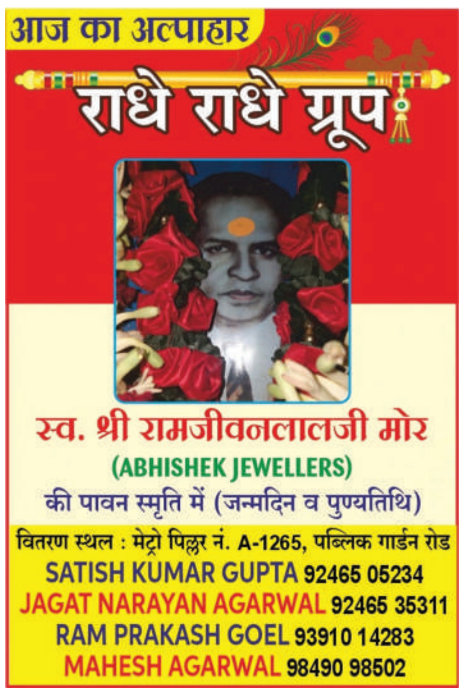

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.